राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 270
शहंशाह
सुपर कमांडो ध्रुव
ध्रुव का एक पोस्टर मुफ्त

संजय गुप्ता पेश करते हैं
शहंशाह
नताशा है अपराध की दुनिया की शहंशाह! और तूने उसको चुनौती देने की गुस्ताखी की है, शातिर...
...तुझे मैं ढूंढूंगी! और फिर 'कार्ड बोर्ड' के इस कट-आऊट की तरह तेरे टुकड़े-टुकड़े कर दूंगी!
कथा: जॉली सिन्हा
चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार
सुलेख एवं रंग संयोजन सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता
© RAJA POCKET BOOKS
visit us at: www.rajcomics.com

मामूली लोगों को ढूंढ़कर मारना कमांडर नताशा का काम नहीं है! इसके लिए मैंने आईवन को बुलाया है!
डिप्टी कमांडर आईवन?
हां! फिलहाल तो वह डिप्टी कमांडर ही है! हमारा यूरोप का व्यापार संभालता है! लेकिन जब तुम अपराध की दुनिया छोड़कर रिपोर्टर बन गई थी, तो कुछ दिनों तक आईवन कमांडर भी बना रहा था! लेकिन तुम्हारे वापस आने के बाद मैंने फिर से उसको डिप्टी कमांडर बनाकर यूरोप भेज दिया था!
फिलहाल वह हमारे संगठन का सबसे काबिल लीडर है! अगर शाला को कोई ढूंढ़ सकता है तो सिर्फ आईवन!
आईवन काबिल तो है पापा! लेकिन भरोसेमंद नहीं है, पापा!
मेरे बारे में आपके विचार गलत हैं, कमांडर! और यह मैं शाला को आपके हाथों में सौंपकर साबित कर दूंगा!
आईवन!
यस मैडम कमांडर! एक आंख वाला आईवन आपकी सेवा में हाजिर है!

ओऽऽऽऽ मुझे लगा कि तुम कुछ दिन बाद आओगे!
आपका आदेश तुरन्त पूरा करना मेरा फर्ज है, मैडम! देर से आने की गुस्ताखी मैं भला कैसे कर सकता था!
खैर! अच्छा ही किया, जो तुरन्त चले आए!

मुझे शाला तुरन्त चाहिए!
तुरन्त ही मिलेगी, मैडम! आईवन देखता सिर्फ एक आंख से है, लेकिन दूर तक देखता है!
लेकिन शाला को तुम ढूंढोगे कैसे? हमारे पास उसके कपड़ों के सिवाय और कुछ भी नहीं है!
एक चीज और है मैडम!

ध्रुव को बचाने का उसका जज्बा! अगर ध्रुव फिर किसी गहरी मुसीबत में फंस जाएगा तो वह उसको बचाने फिर से जरूर आएगी!
बहुत अच्छे! हम तुम्हारी सोच से प्रभावित हुए, आईवन!
हमारे जाल में फंसने के लिए!
लेकिन वह मुसीबत सचमुच बड़ी होनी चाहिए!
उस बड़ी मुसीबत को मैं यूरोप से साथ लेकर आया हूं, मैडम!

बीकाल!
ओ माई गॉड!

☆ इस सम्बन्ध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें ध्रुव हत्यारा है

यस, कैप्टेन! भिंडी बाजार में अजीब सी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया है! उनके हल्के जहरीले डंकों से कई लोगों की तबियत खराब हो गई है!

ये मधुमक्खियां एक पुराने मकान के अन्दर से आ रही हैं!

तो अब क्या मैं मधुमक्खियां पकड़ने के लिए आऊं?

आना ही पड़ेगा कैप्टेन! देखो, मैं तुमको एक फोटो फैक्स कर रहा हूं!

ओ माई गॉड! मुझे जाना ही पड़ेगा!

ऐसा क्या देख लिया भइया ने, जो वह एक सेकंड भी नहीं रुका!

हे भगवान!

यानी यह एक सोची समझी साजिश है! भइया को फिर से फंसाने की कोशिश है ये!

घटनास्थल पर-
ध्रुव! तुम आ गए! लेकिन तुम्हारी जरूरत नहीं है! इस 'हनीबी अटैक' से हम पुलिस वाले ही निपट लेंगे!...
... मक्खियां हमारे कवच पर हमला नहीं कर सकतीं!
तुम सिर्फ देखो!
फ्लेम थ्रोअर इन मक्खियों को मकान सहित खाक कर देगा!
लेकिन-
ओऽऽऽ अन्दर से किसी चिपचिपे पदार्थ की धार ने आकर 'फ्लेम थ्रोअर' का मुंह बन्द कर दिया है!
अरे! ये तो शहद है!
और अब हमारे सांस लेने का रास्ता बन्द हो रहा है! जालियों को शहद से ढककर!
आऽऽऽह! दम घुट रहा है! सांस लेने के लिए हेलमेट को उतारना होगा!
हेलमेट उतरते ही मधुमक्खियों ने पुलिस वालों के चेहरों को सुजा दिया-

तीसरा पुलिस वाला बौखला गया-

हट! दूर हट! ये मक्खियां मुझे काट नहीं पाएंगी! मैं मक्खियां भेजने वाले कमीने को ही खत्म कर दूंगा! वह इस मकान में छिपा बैठा है! उड़ा दूंगा इस मकान को!

ग्रेनेडलांचर के धमाके का जवाब धमाके से ही मिला-

एक तरीका समझ में आ रहा है!
ओsss! सुना तो था कि तेरे पास बहुत दिमाग है! लेकिन तू तो वही सूट पहनकर मेरे पास तक आना चाहता है, जिसको पहनने के कारण ये पुलिस वाले बेहोश पड़े हैं!
ले, मैं तुझ पर भी शहद फेंककर तुझ तक हवा पहुंचने का रास्ता बन्द कर देता हूं!
मुझे तुमसे इसी की उम्मीद थी!
ओह! तू... तूने सूट फटाफट उतार दिया, और शहद, सूट के बजाय तेरे शरीर पर चिपक गया है!
हां! अब मेरे सांस लेने का रास्ता भी खुला रहेगा, और शहद के गाढ़े घोल के खोल में रहने के कारण तेरी मक्खियों को मुझ तक पहुंचने में समय लगेगा--
...और उतने समय में मैं तुझे बाहर रोशनी में लाकर...
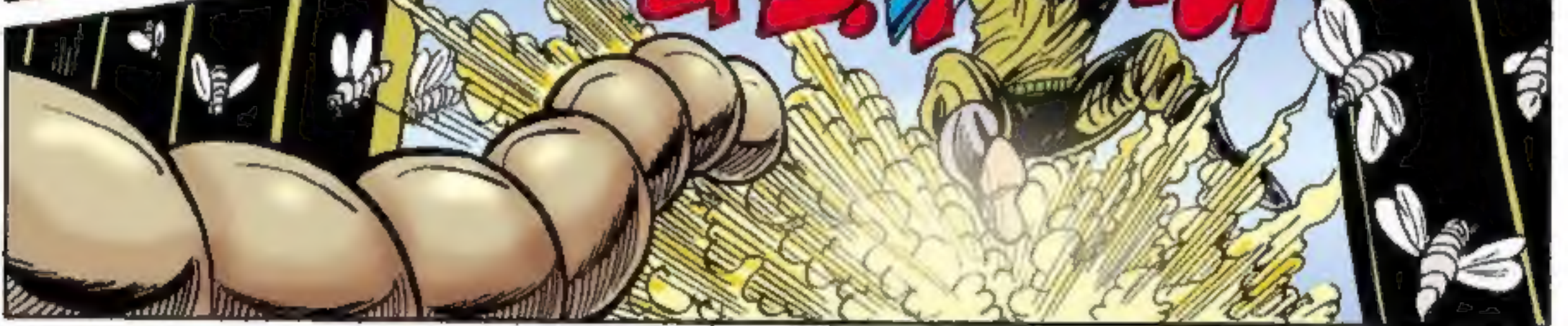
कौन है तू?
तेरी शक्ल को देख सकूंगा!
बीकाल नाम है मेरा! यूरोप से खास तेरे लिए ही राजनगर बुलाया गया है मुझे! मधुमक्खियों ने एक बार मेरे शरीर में हजारों डंक एक साथ घुसा दिए थे, और मैं मौत के दरवाजे तक पहुंच गया था! लेकिन मैं मरा नहीं! डंकों के रसायनों ने अद्भुत शक्तियां पैदा कर दीं मेरे शरीर में!... कुछ शक्तियों के नमूने तू देख चुका है!

और मरने से पहले बाकी शक्तियों के नमूने भी देख लेगा!
तू ये मत समझ कि तूने मुझे इस मकान से बाहर निकाला है! मैं खुद बाहर आया हूं, ताकि तू अपनी मौत को अच्छी तरह से देख सके!
शुरुआत तेरे शरीर से शहद को लार से साफ करने से होगी!
और फिर मधुमक्खियों के डंक तुझे दो मिनटों में दुगुना मोटा बना देंगे!...
...तेरे शरीर को सुजाकर!
आऽऽऽह!
मक्खियां चारों तरफ से मुझपर टूट पड़ रही हैं! अब इनको दूर रखने का कोई दूसरा तरीका निकालना होगा!
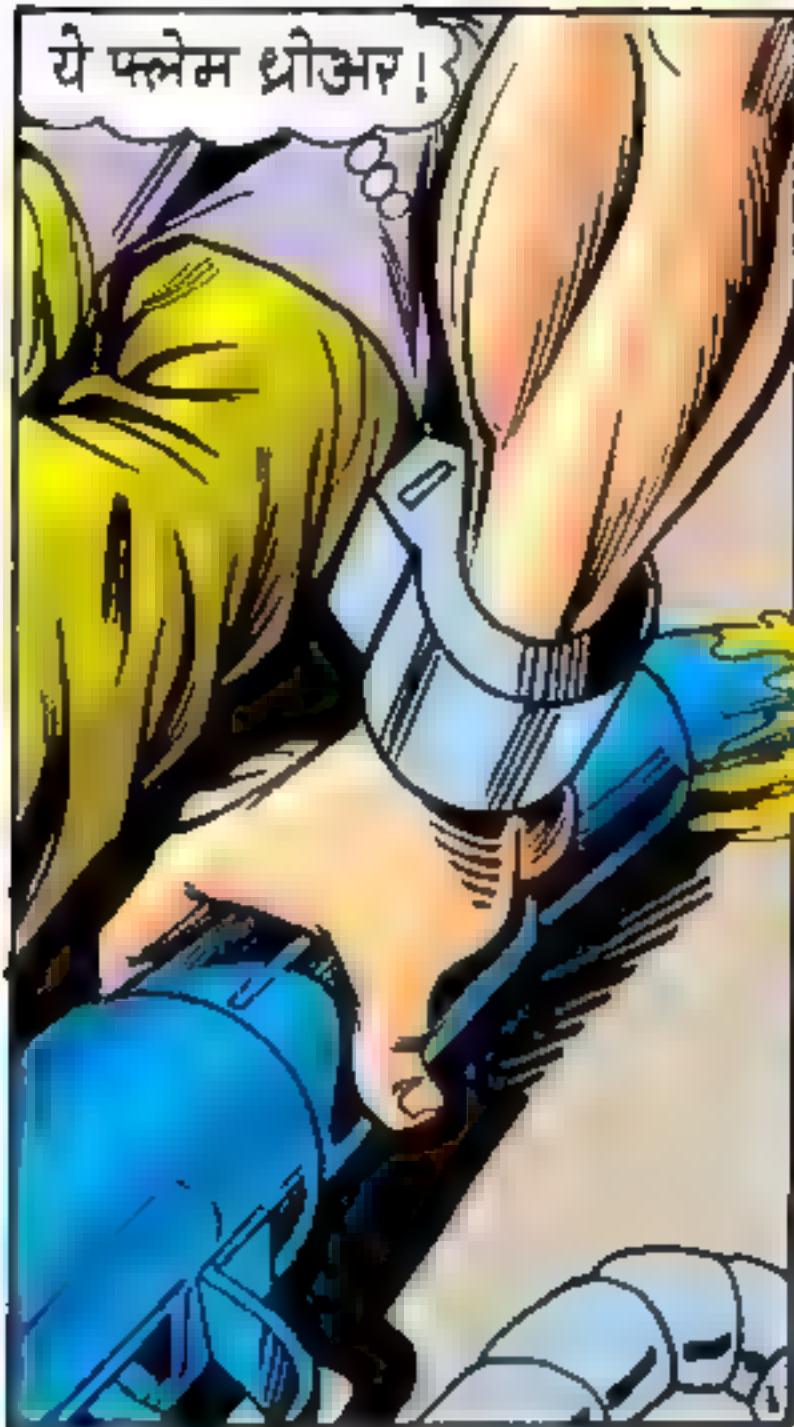
ये फ्लेम थ्रोअर!
हा हा हा हा! ये तो बन्दूक से मच्छर मारने जैसा है!
इस लपट से तू भला कितनी मक्खियों को जला पाएगा!
जलाऊंगा नहीं!
भगाऊंगा!
इस लकड़ी के मकान में आग लगाकर! इससे चारों तरफ धुआं फैलेगा!
और जहां तक मुझे याद है, शहद बटोरने वाले धुआं करके ही छत्तों से मधुमक्खियों को भगाते हैं!
ओह! मेरी मक्खियां सचमुच धुएं से दूर भाग रही हैं!
मक्खियों के डंकों से तो बच गया तू! लेकिन मेरे डंक से कैसे बचेगा?
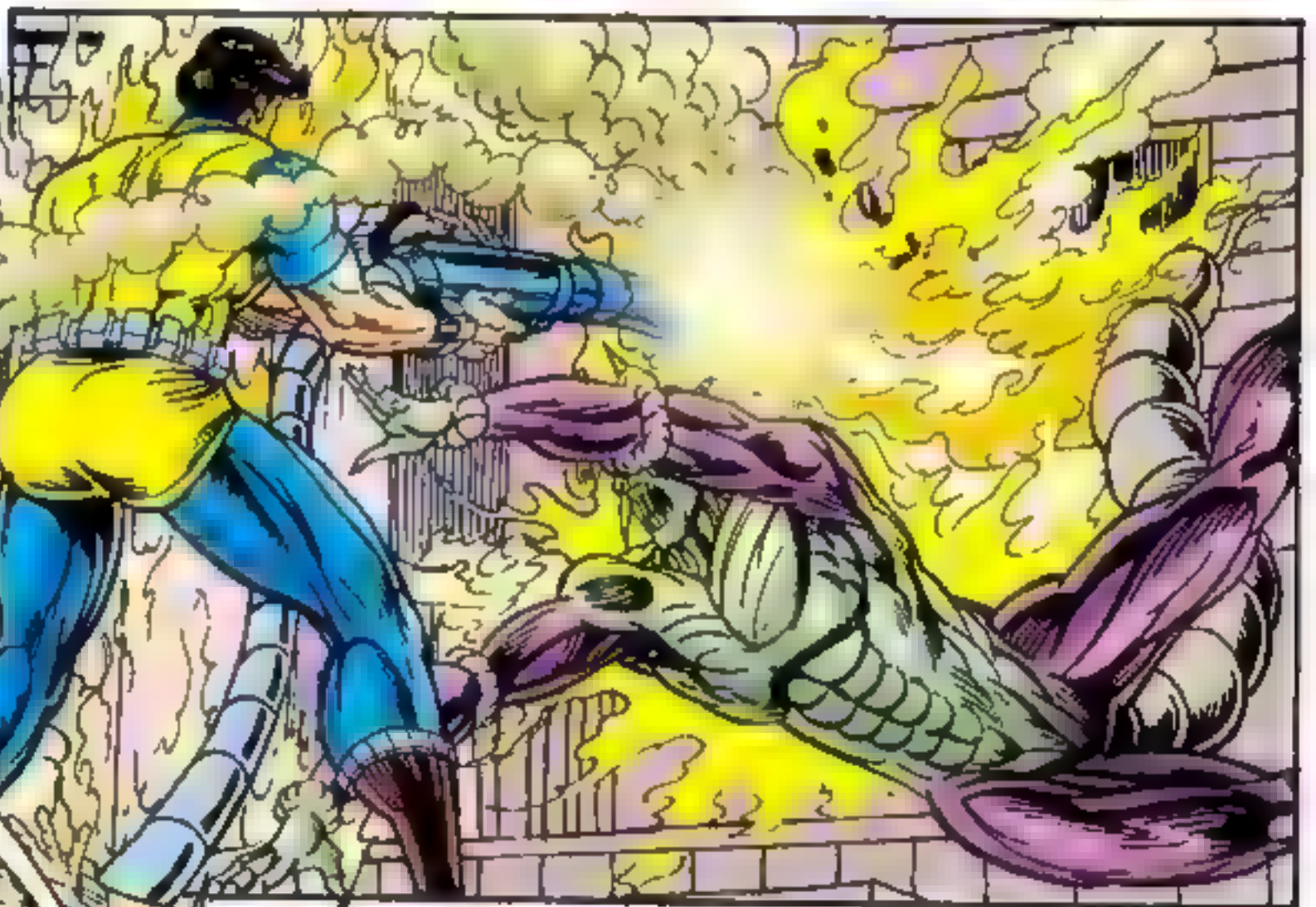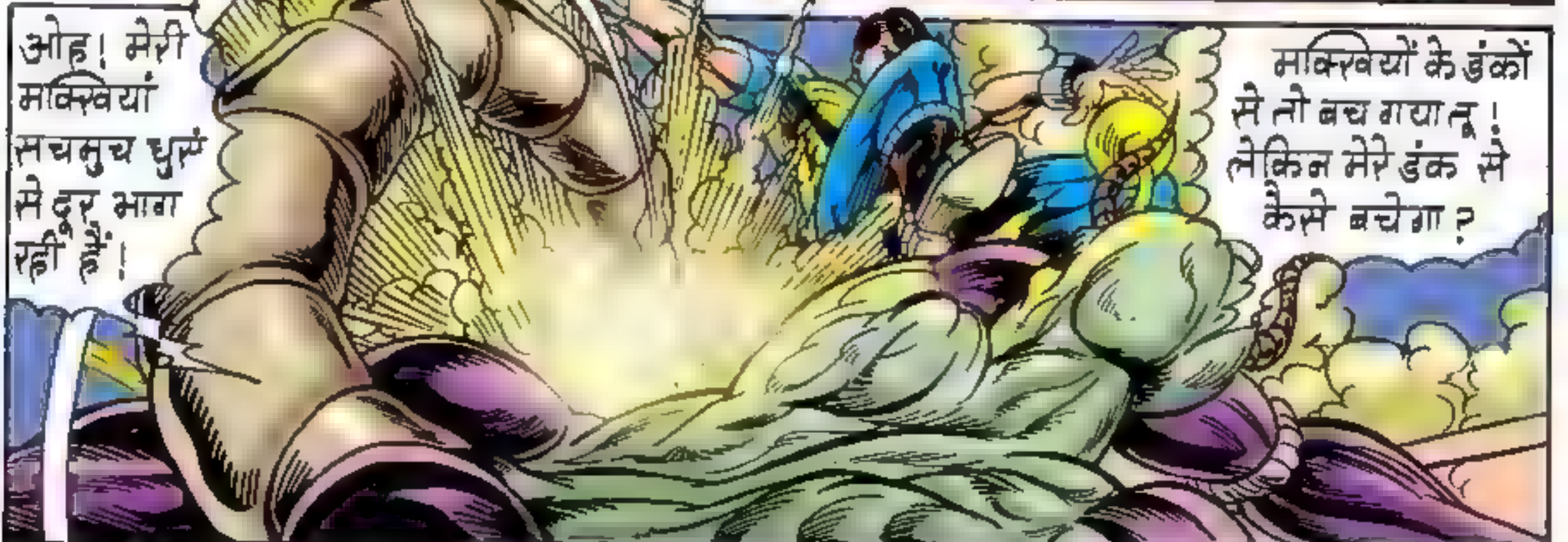
और इसका इरादा, अपने डंक को मेरे शरीर में घुसाकर फोड़ने का है!
इसके फुर्तीले डंक को रोकने का अगर जल्दी ही कोई तरीका नहीं सूझा तो मेरे चिथड़े उड़कर ही रहेंगे!
ओफ! इसके डंक में तो विस्फोटक तत्त्व हैं; जहां पड़ता है, बारूद की तरह धमाका हो जाता है! ...
इस नजारे को कहीं देखा जा रहा था-
शाला तो अब तक आई नहीं, आईवन!
आस्वी, मेडम! अभी ध्रुव की जान मुसीबत में तो आने दीजिए! मुझे तो सिर्फ एक बात का ही डर है!
कहीं शाला के आने से पहले बीकाल ध्रुव को मार न डाले!

मार न डाले? हा हा हा हा!
आप हंस क्यों रही हैं, मैडम?
क्योंकि मुझे भी एक डर है कि कहीं शाला के पहुंचने से पहले ही बीकाल मकरवी की मौत न मारा जाए!
यह असंभव है! अगर मैंने बीकाल को संयम बरतने का आदेश न दिया होता तो अब तक ध्रुव मर चुका होता।
तुमने कुछ ज्यादा ही समय विदेशों में बिताया है आईवन! वरना तुमको ध्रुव के बारे में और ज्यादा पता होता!
बीकाल जैसे अपराधी ध्रुव को रोक तो सकते हैं, लेकिन नुकसान नहीं पहुंचा सकते!
खैर, हमें तो शाला का इन्तजार है!
ध्रुव, बीकाल के विस्फोटक डंक से बचने का तरीका सोच चुका था-
CONDEMNED
वो इमारत! इसको नगर पालिका वालों ने 'खंडहर' करार देकर गिराने का निर्णय ले लिया है! मैं नगर पालिका की मदद भी कर सकता हूं, और अपनी जान भी बचा सकता हूं!
अगर बीकाल का डंक मेरा पीछा न छोड़े तो!
बीकाल के विस्फोटक डंक ने ध्रुव का पीछा नहीं छोड़ा-

और उस धमाके के साथ, बीकाल का डंक टनों मलबे में दबता चला गया-
अब अपने डंक के साथ-साथ तू भी मलबे के साथ बंधा रहेगा, बीकाल, और मैं तुझे आराम से पीटता रहूंगा।
ऐसा नहीं होगा!
अगर डंक मेरा दुश्मन बनेगा तो मैं उसे भी तोड़ दूंगा...
...तेरी हड्डियों की तरह!
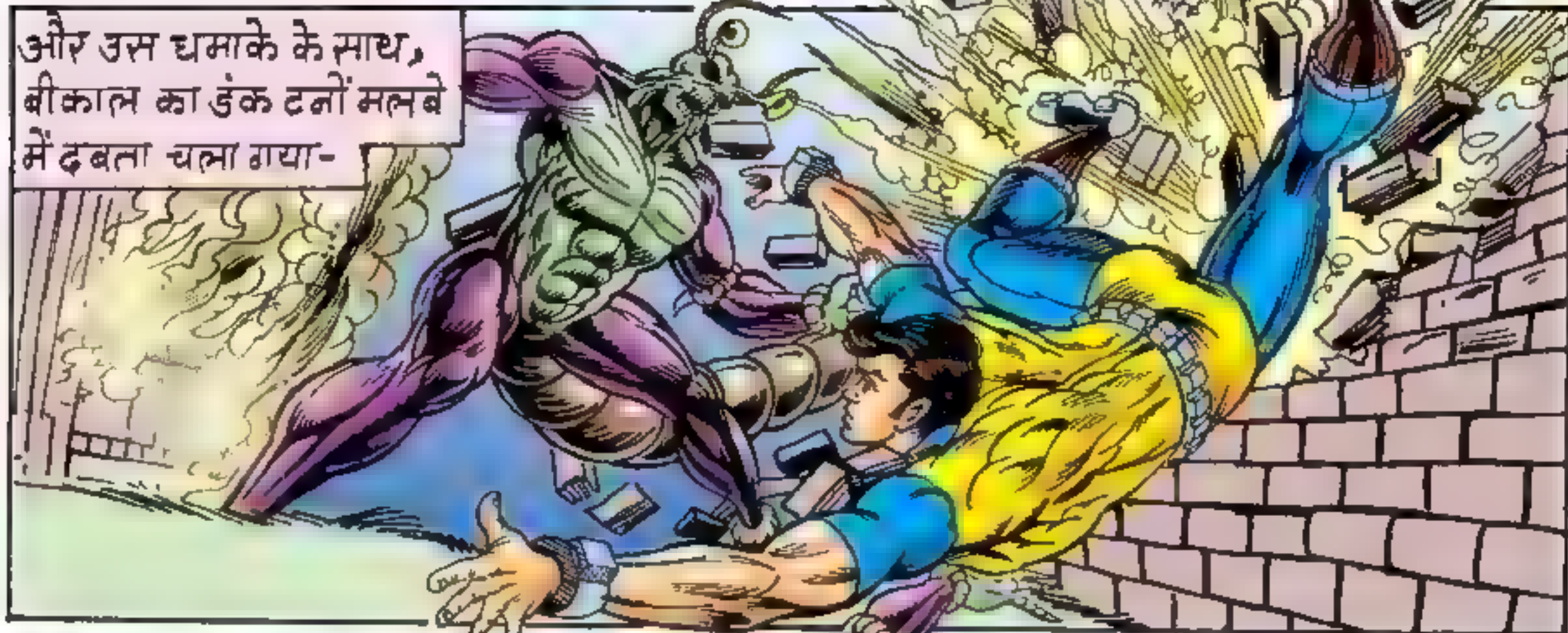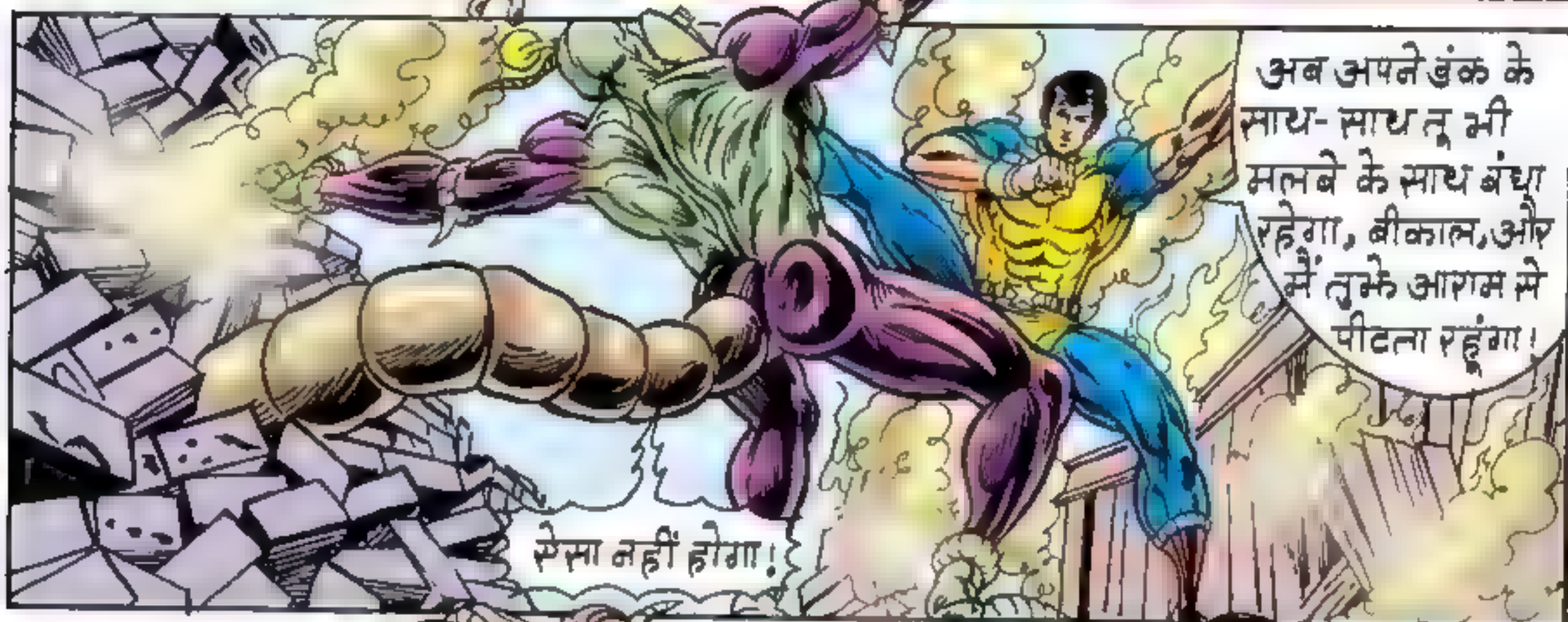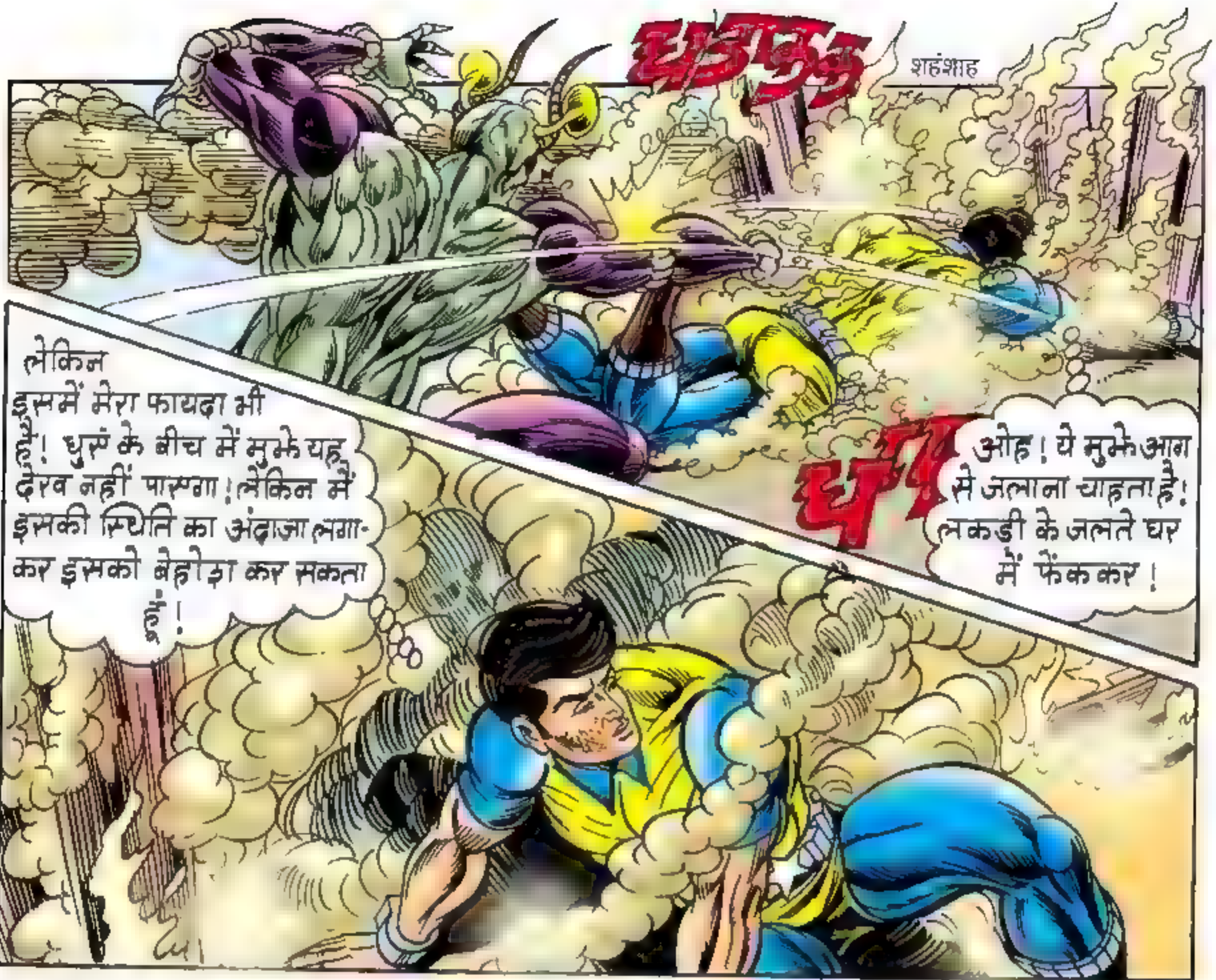
लेकिन इसमें मेरा फायदा भी है! धुएं के बीच में मुझे यह देख नहीं पाएगा! लेकिन मैं इसकी स्थिति का अंदाजा लगाकर इसको बेहोश कर सकता हूं!

ओह! ये मुझे आग से जलाना चाहता है! लकड़ी के जलते घर में फेंक कर!

मैं अभी इसको जाल में फंसाने का इंतजाम करता हूं!

पर ध्यान रखना! इसको जिन्दा से मुर्दा मत होने देना! मुझे शाला जिन्दा चाहिए!

जिन्दा ही मिलेगी, मैडम! जिन्दा ही मिलेगी!

इसी वक्त-

श्वेता! श्वेता! अरे! कहां चली गई?

जरूर कहीं बाहर गई होगी! इसके पैर में तो पहिए बंधे हैं! एक जगह टिककर रह ही नहीं पाती!

लेकिन...सूंऽऽऽ सूंऽऽऽ इसके कमरे में ये महक कैसी है?

आऽऽऽह!

तू मेरी स्थिति को धुएं में भी सही भांप ले रहा है, ध्रुव! लेकिन भांपने में भी तू मेरा मुकाबला नहीं कर सकता!

क्योंकि मेरी 'रडार-सेंस' तुझे इस धुएं में भी महसूस करके तुझ पर वार कर सकती है! घातक स्टिंगरों का वार!

कहानी 19 पेज से जारी
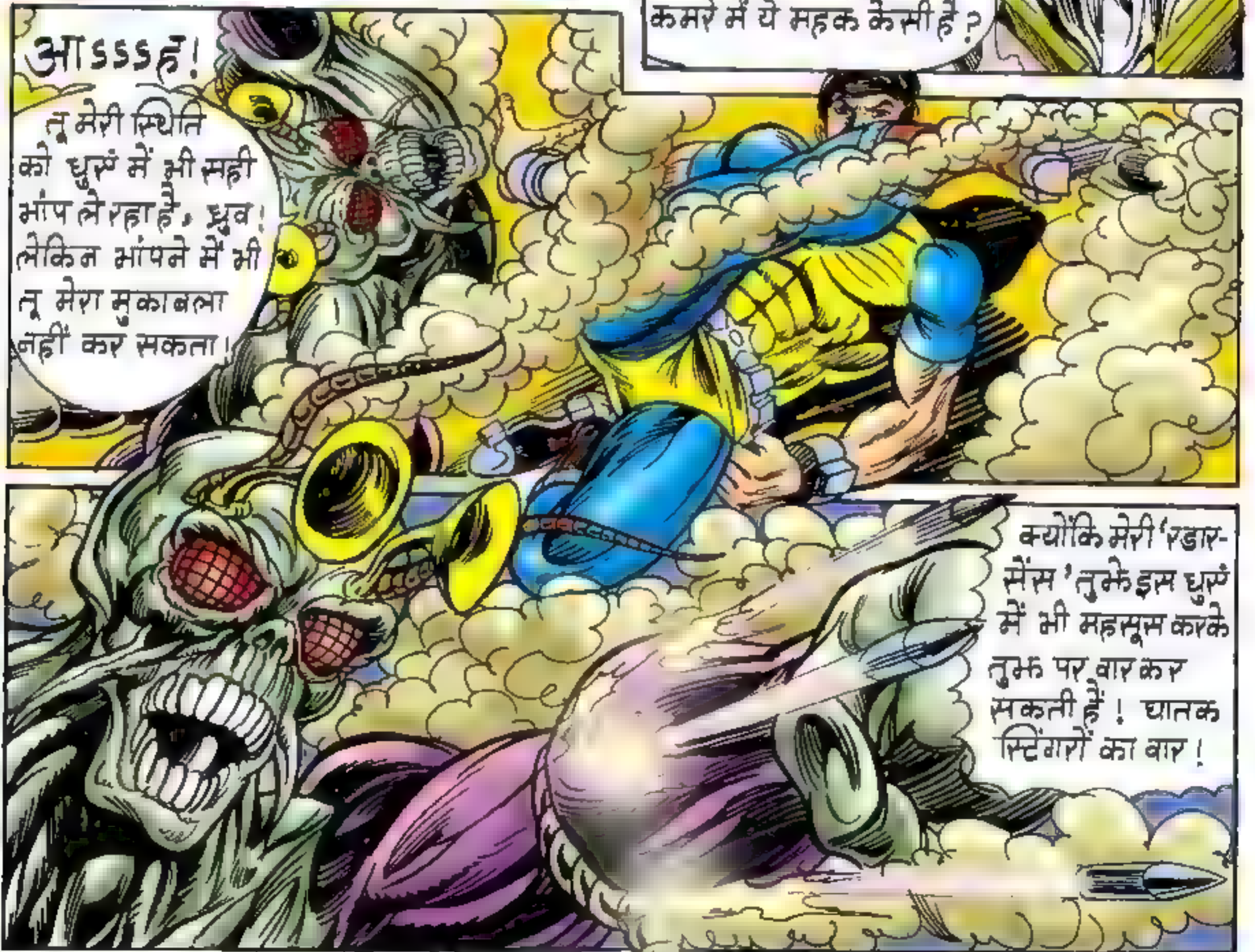
शहंशाह आर्टिस्ट
ध्रुव, धुएं में भी एक घूंसे या एक किक से तो बच सकता था-
लेकिन छोटे-छोटे जहरीले डंकों, 'स्टिंगरों' की बरसात से बच पाना उसके भी क्षमता से बाहर की बात थी-
एक स्टिंगर घुसते ही, जलन और दर्द की एक तेज लहर उसके पूरे शरीर में दौड़ गई-
हा हा हा, ये दर्दीली चीखें तेरे गले से निकलने वाली आखिरी आवाज होगी, ध्रुव!
ध्रुव, स्टिंगर्स की बाढ़ से बचने की स्थिति में नहीं था-
लेकिन तभी-
ओऽऽऽ इक्कीसवीं सदी में ये तलवार कहां से आई?
मेरे सारे स्टिंगर ध्रुव तक पहुंचने के बजाए, तलवार से टकराकर इधर उधर बिखर गए हैं!
और तलवार वापस घूमती हुई जा रही है...

...शाला के हाथ में! हुलिया तो एकदम वही है! यही है शाला!
तेरी मौत शाला!
अब मुझे समझ में आ गया है कि जब तक तुम सारे कीड़ों को मैं मसल नहीं देती, तब तक तुम लोग ध्रुव के खिलाफ षड्यंत्र रचना बंद नहीं करोगे!
शाला!
ये षड्यंत्र ध्रुव के लिए नहीं, तुम्हारे लिए रचा गया है, मैडम शाला!...
किसी के लिए भी रचा गया हो! लेकिन ये षड्यंत्र कामयाब नहीं होगा!
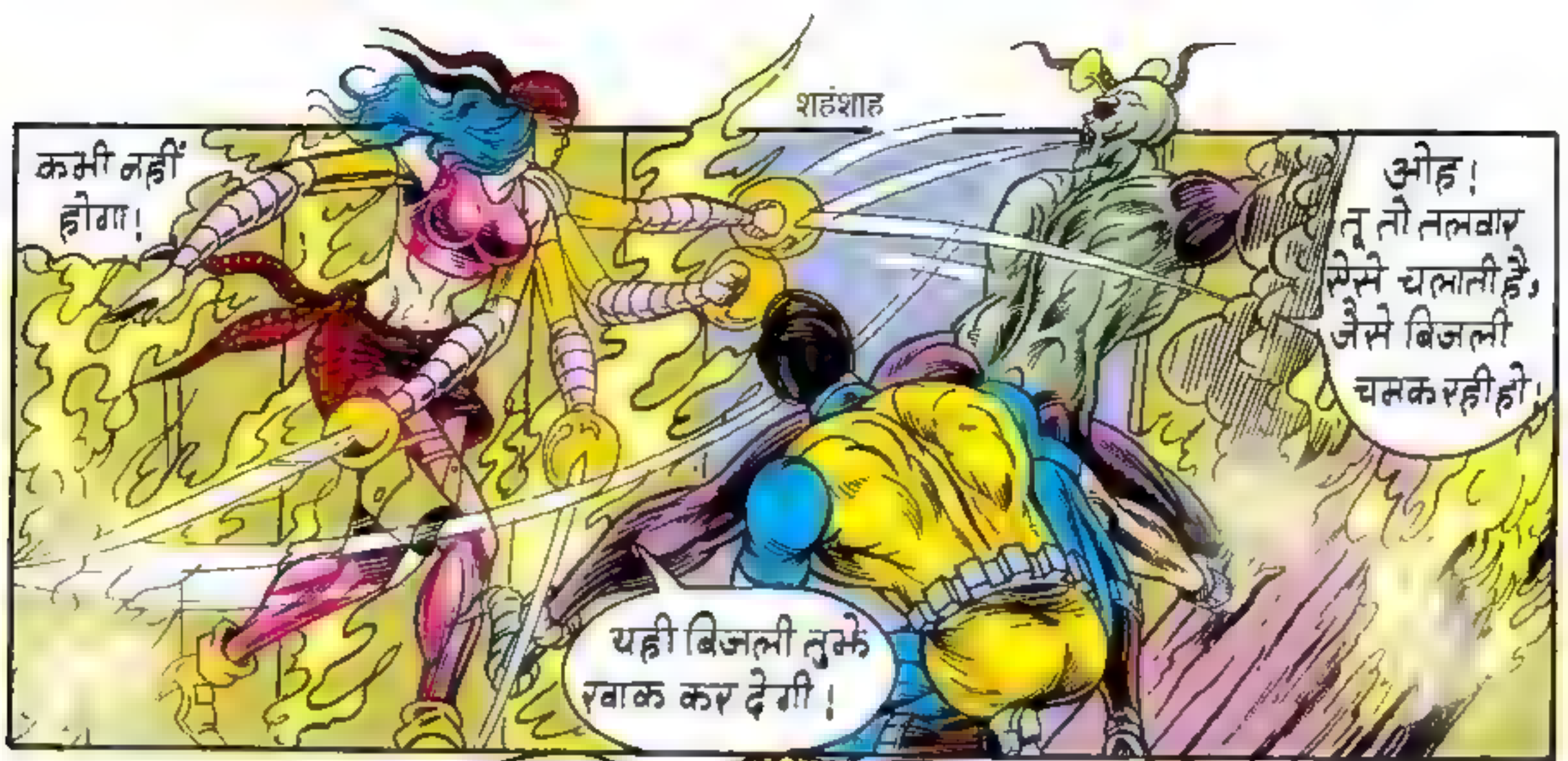
कभी नहीं होगा!
ओह! तू तो तलवार ऐसे चलाती है, जैसे बिजली चमक रही हो।
यही बिजली तुझे खाक कर देगी!
तेरी तलवार तो मेरा कुछ भी बिगाड़ नहीं पाई! लेकिन अब देख कि मैं तेरा क्या हाल करता हूं!
ओ! छी! ये क्या है? शहद!
धुएं के कारण मधुमक्खियों को तो मैं नहीं बुला सकता, लेकिन किसी दूसरे छोटे प्राणी की सेना को जरूर दावत दे सकता हूं!
हां, शहद! और इसकी महक पाकर...
मेरी दोस्त वे चींटियां तेरे पास खिंची चली आ रही हैं, जिनको मैं अकसर मीठे शहद की दावत देता रहता हूं!
आऽऽऽह!
जितना चीखना है, चीख ले! ये आदमखोर चींटियां जल्दी ही तेरी आवाज की नसें भी चबा जाएंगी!
आ ह्ह्ह्ह्ह्ह
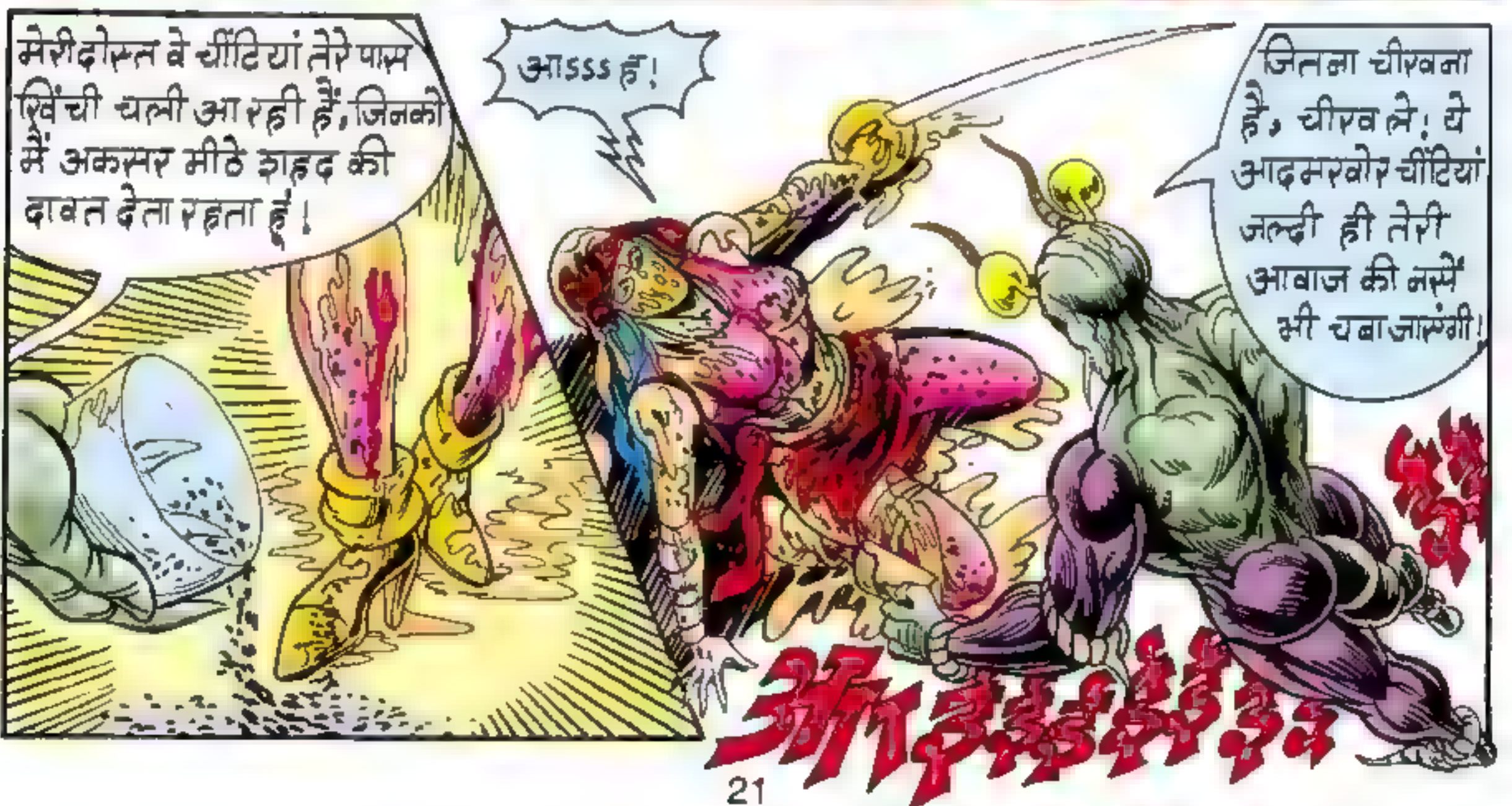
ओह! 'स्टिंगर' की जलन से अभी भी मेरी पूरी ताकत वापस नहीं आ पाई है! लेकिन फिर भी मैं शाला को इस मुसीबत से तो बचा ही सकता हूं!

अगर मुझे सही याद है तो पानी के पाइप को मैंने इधर से ही लकड़ी के मकान के अन्दर जाते हुए देखा था! यस! ये रहा पाइप!

आग से गर्म हो जाने के कारण इसके जोड़ इतने तो ढीले हो ही गए होंगे कि मैं अपनी कमजोर हालत में भी पाइप को तोड़ सकूं!

टूट गया!

पाइप से निकली पानी की धार, शाला के शरीर पर से शहद के साथ-साथ चींटियों को भी धोती चली गई-

और इसको पता ही नहीं चल पाएगा कि किस शाला की तलवार ने इसको काट डाला है!
आSSह!
कहां है तुम्हारा जाल, आईवन? शाला तो बीकाल को काटती जा रही है!
शाला को पकड़ने के लिए हमारे आदमी पहुंचते ही होंगे! लेकिन उसके लिए पहले बीकाल को शाला को बेबस करना होगा! वर्ना शाला हमारे आदमियों के हाथ नहीं आएगी! बहुत फुर्तीली है ये!
तू मुझ पर वार करना चाहता है! जरूर कर! लेकिन पहले असली शाला को ढूंढ़ ले ... आSSह! ये... ये क्या है? और तूने मुझे दर्जनों आकृतियों के बीच में से ढूंढा कैसे?
तुझ पर 'छत्ते' का वार हुआ है! मोम के गोलों का जिनसे छत्ता बनता है! ये तेरे सारे शरीर पर फैलकर तुझे अपने खोल में लेकर मोम की मूर्ति बना देगा!
और रही तुझे ढूंढ़ने की बात, तो तेरे शरीर से अभी भी शहद की गंध आ रही है! उसीसे ढूंढ़ लिया मैंने तुझे!
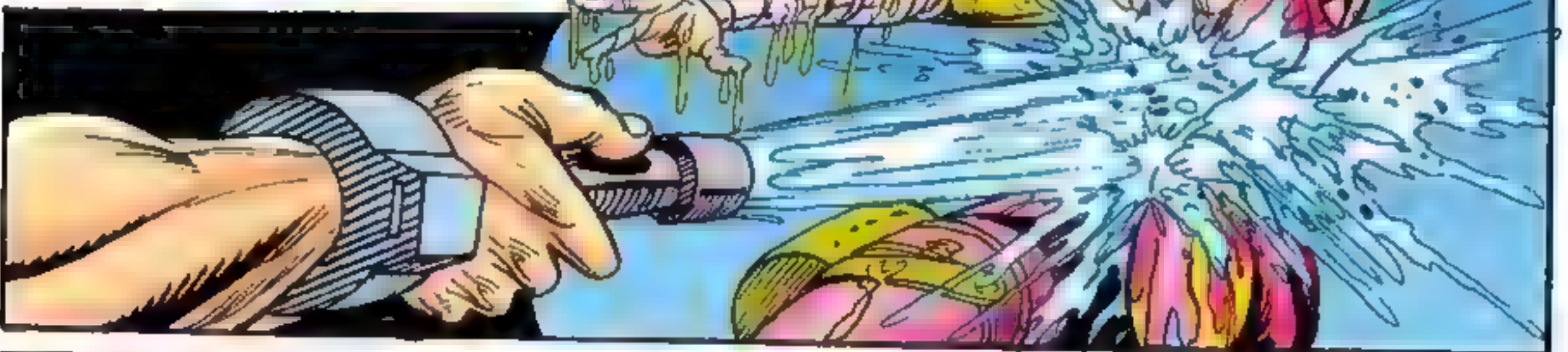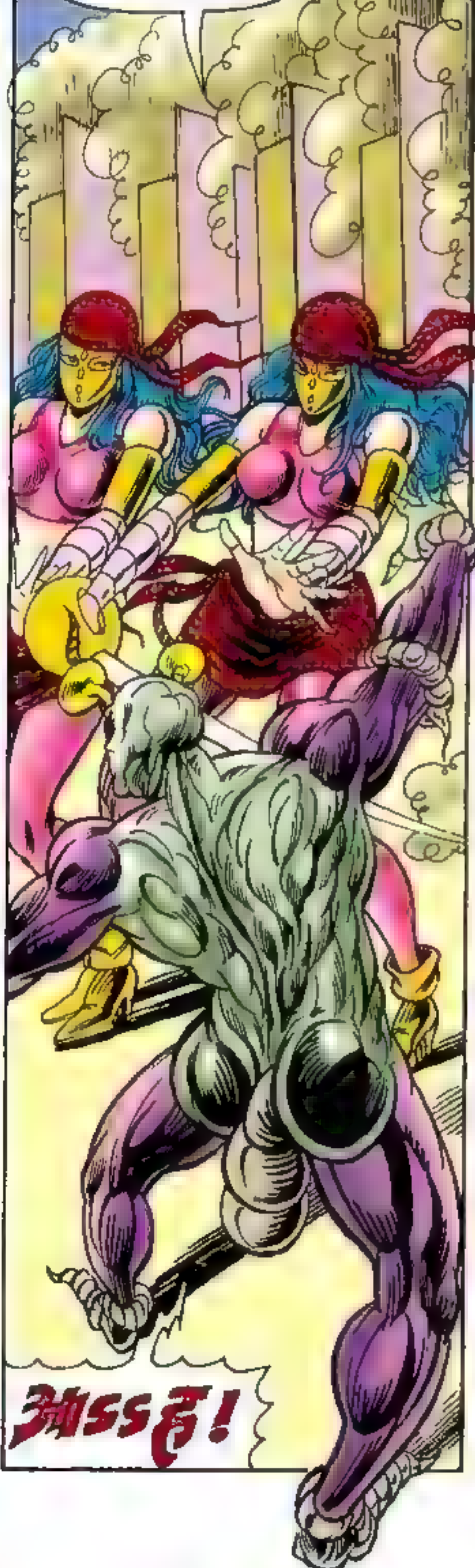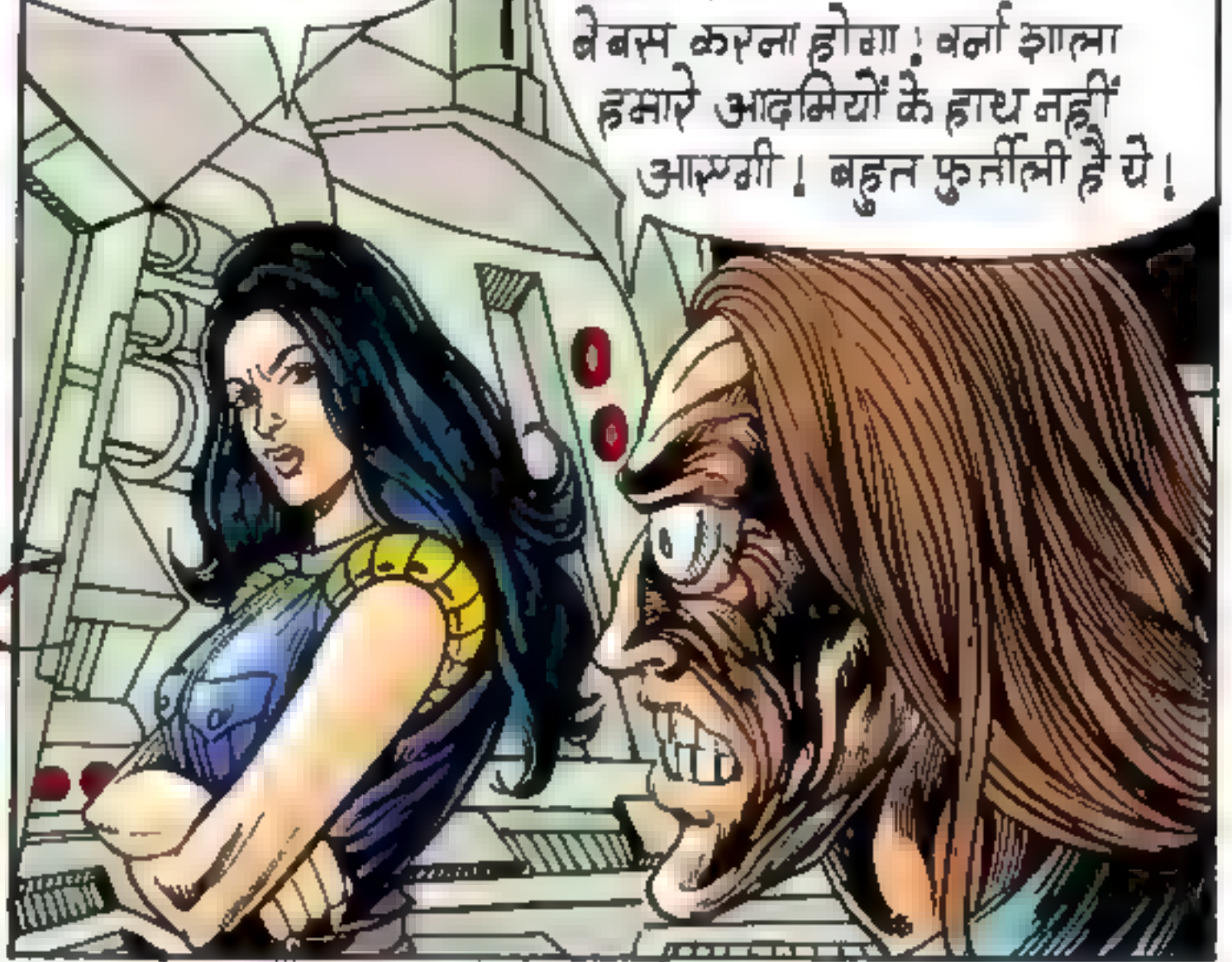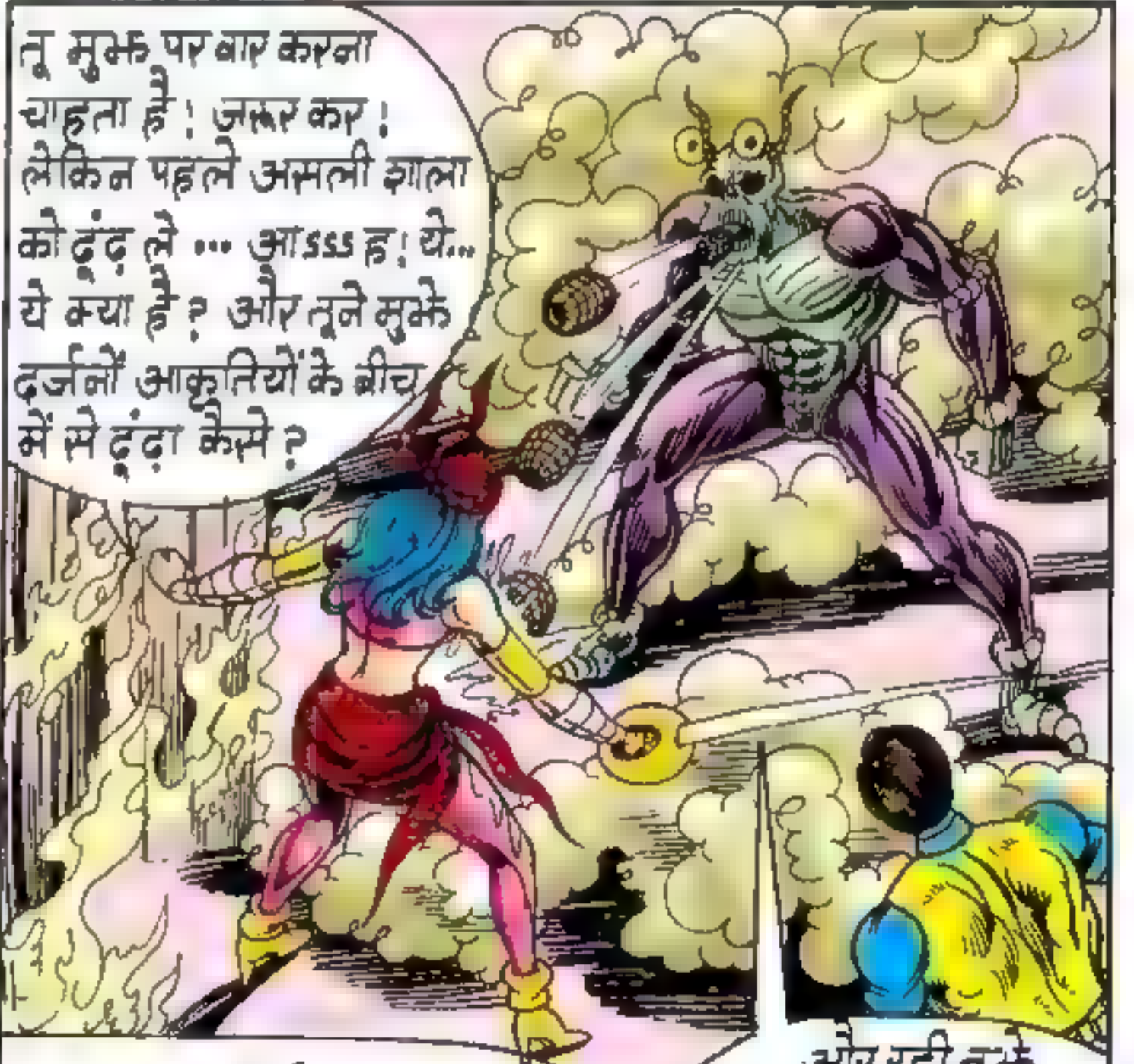
मोम की पर्त, तेजी से शाला के शरीर पर चढ़ती चली गई-
और शाला मोम की जिन्दा मूर्ति बनकर रह गई-
और उसी पल-
हा हा हा! एकदम सही समय पर आए हो! एक चेन में शाला और दूसरी चेन में मैं लटक जाऊंगा! क्योंकि मिशन पूरा हो गया है, बीकाल का!
तेरा सभ्य समाज में खुलेआम घूमने का समय भी पूरा हो गया है, बीकाल!
अब तू अपनी जिन्दगी जेल की अंधेरी कोठरियों में काटेगा!
मैं तो अपनी जिन्दगी स्विटजरलैंड की ठंडी वादियों में काटूंगा!
लेकिन तुम अपनी जिन्दगी काटोगे मोम की मूर्ति बनकर, मैडम तुसाद के प्रसिद्ध मूर्तिघर में तेरी मूर्ति को मैं ले जाकर रखवा दूंगा!
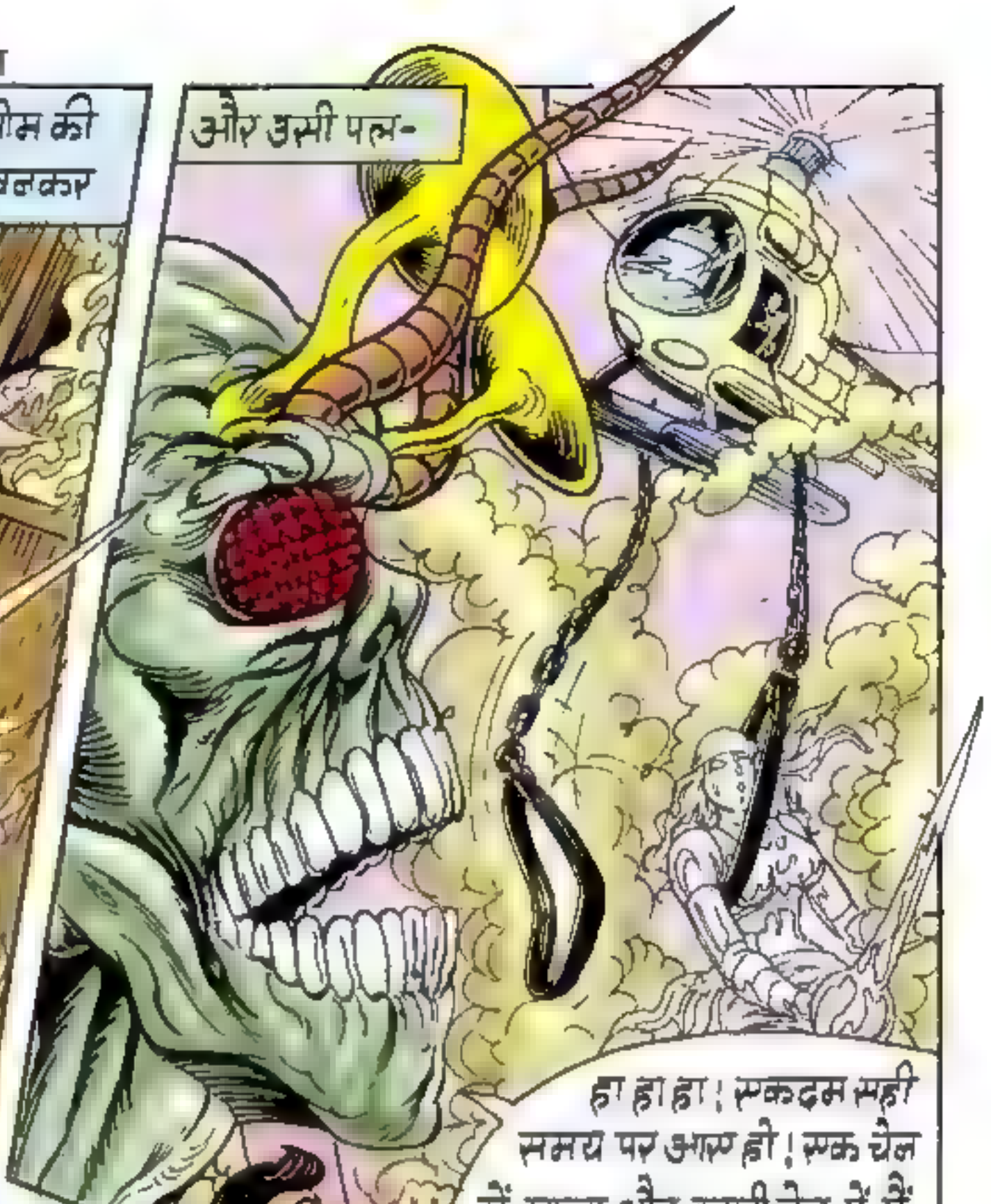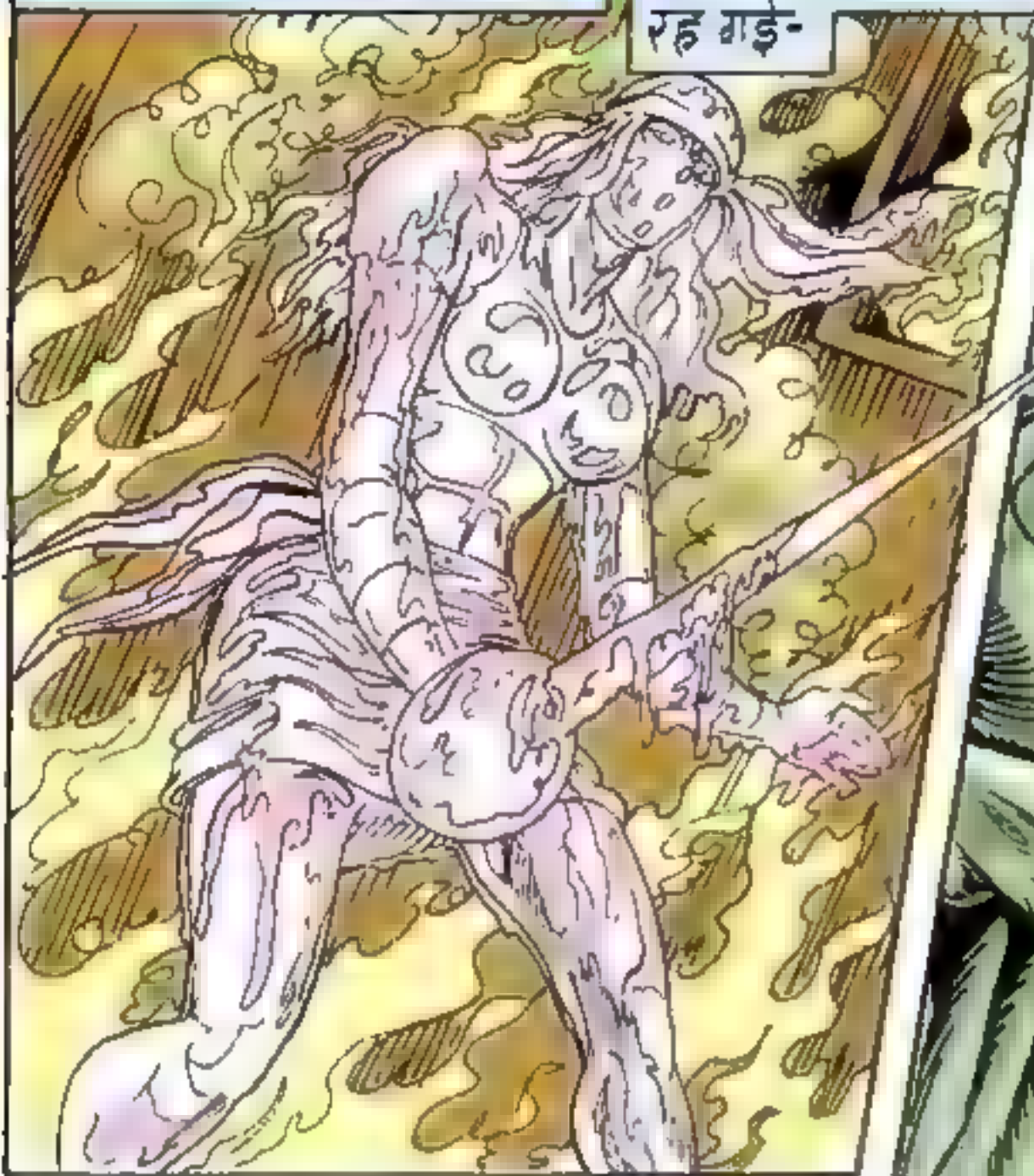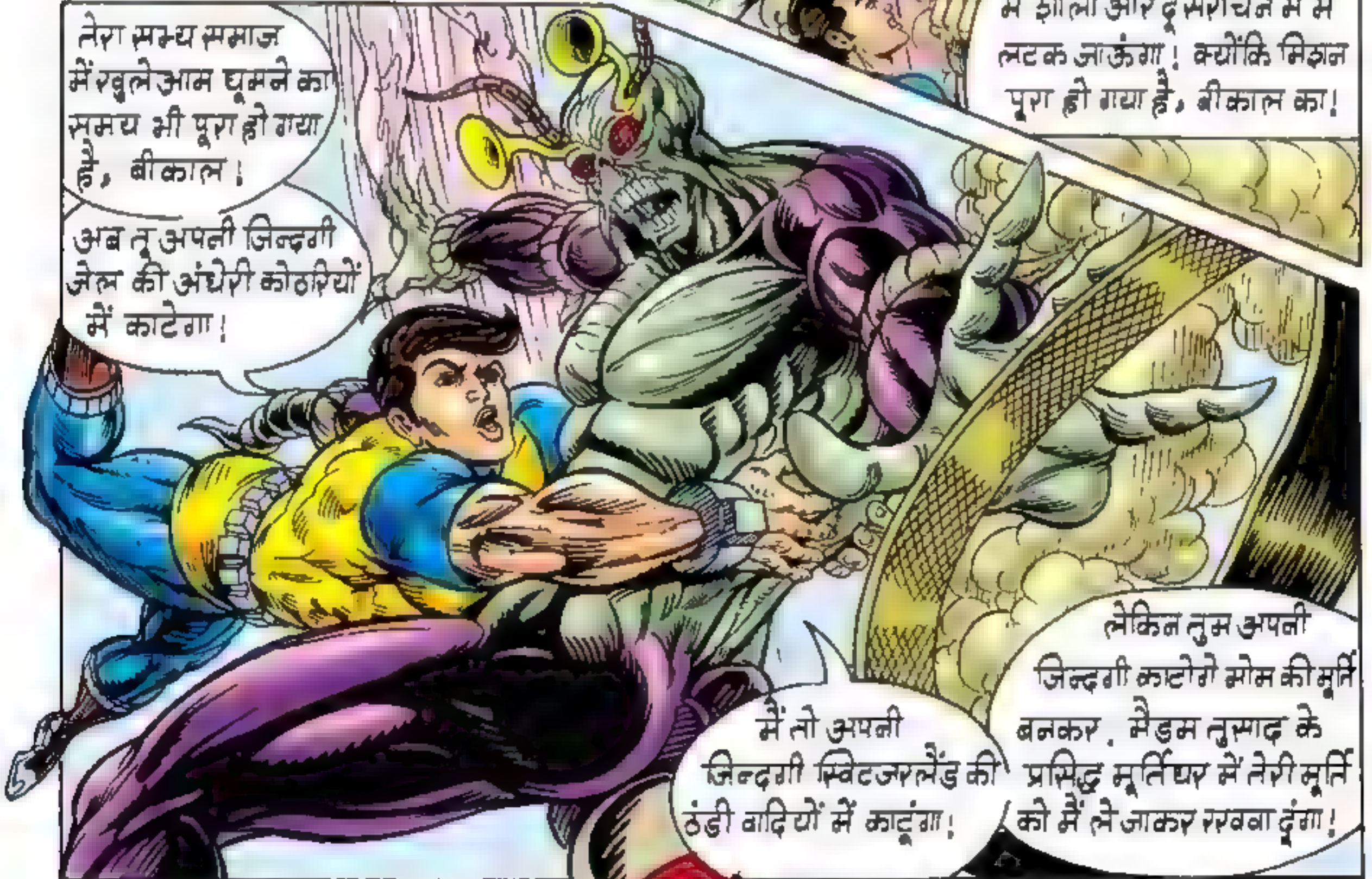
बस, एक बार में अपनी आंखों पर पड़े चूर्ण को साफ करलूं ताकि कम से कम मुझे एक के दसतो नजर न आएं!
ध्रुव ने कोशिश तो बहुत की-
लेकिन धुएं की चादर के कारण वह एक बार फिर बीकाल के वार का शिकार हो गया-
हा हा हा! फंस गया तू मोम के खोल में! अब जब तक मैं तुझको मार नहीं लूंगा, तब तक मेरे रडार तेरी आकृति का धुएं में भी पीछा करते रहेंगे!
'छत्तों' के साथ-साथ स्टिंगरों की भी बरसात हो रही है इस बार मैं स्टिंगरों की जलन को सह नहीं पाऊंगा! क्या करूं?
ओह! कहां गया? अच्छा! वह रहा! मिल गया! छत्तों ने उसे पूरी तरह से मोम के खोल में कैद कर लिया है!
अब एक साथ दर्जनों स्टिंगरों का वार करूंगा!
मोम से ढका ध्रुव, स्टिंगरों के घुसने से हुई पीड़ा के कारण चिल्ला तक नहीं पाया-

स्टिंगरों की जलन से उबर पाने से पहले ही, ध्रुव को लपटों की जलन भी झेलनी पड़ गई-

पहले से ही मोम का पुतला बना हुआ ध्रुव का शरीर धू-धू करके जल उठा-

शरीर की खाल भी मोम के साथ-साथ मोम की ही तरह पिघल कर गिरने लगी-

हा हा हा ! चलती-फिरती मशाल बन गया है तू ! देख बीकाल से टकराने का नतीजा !
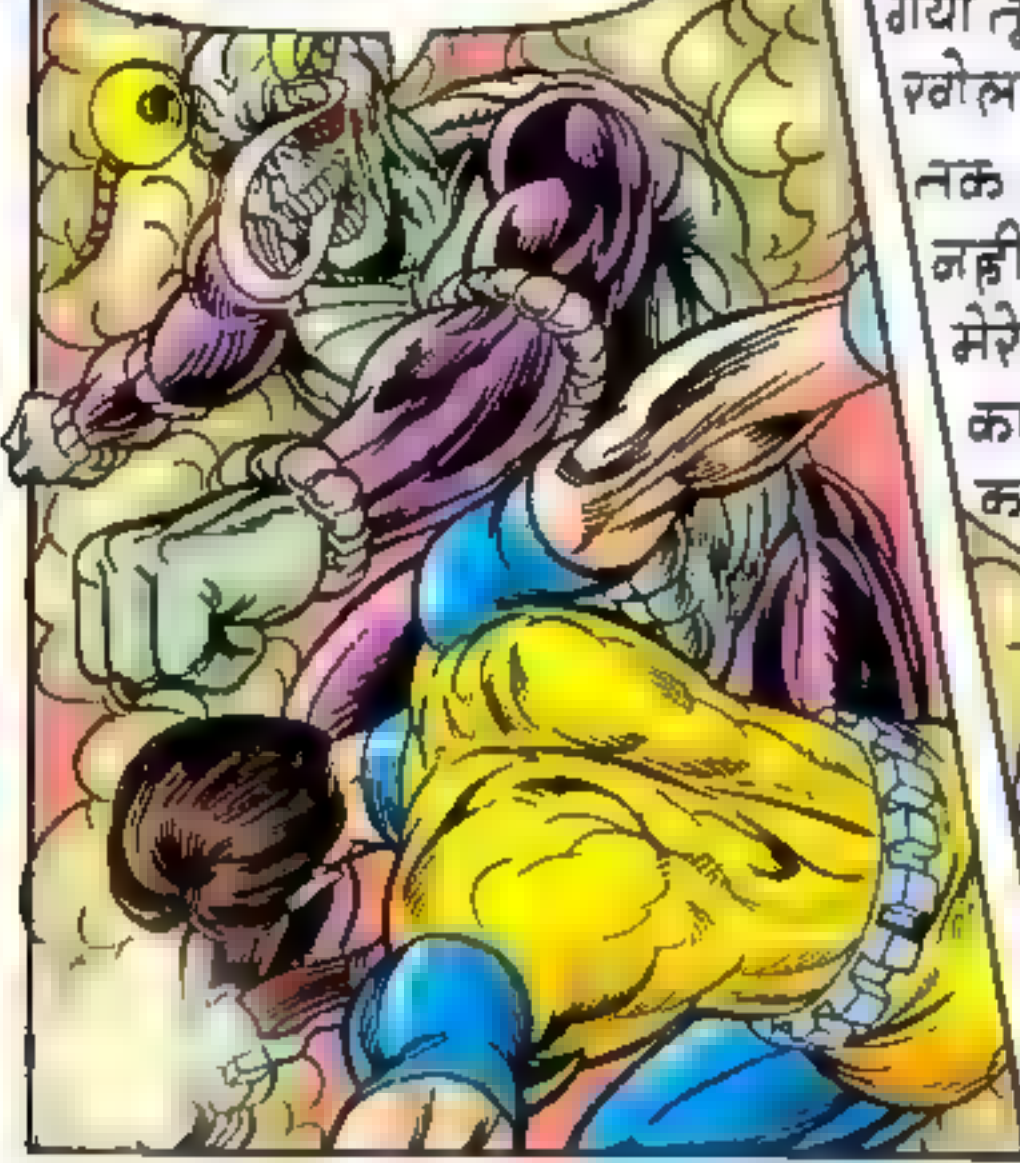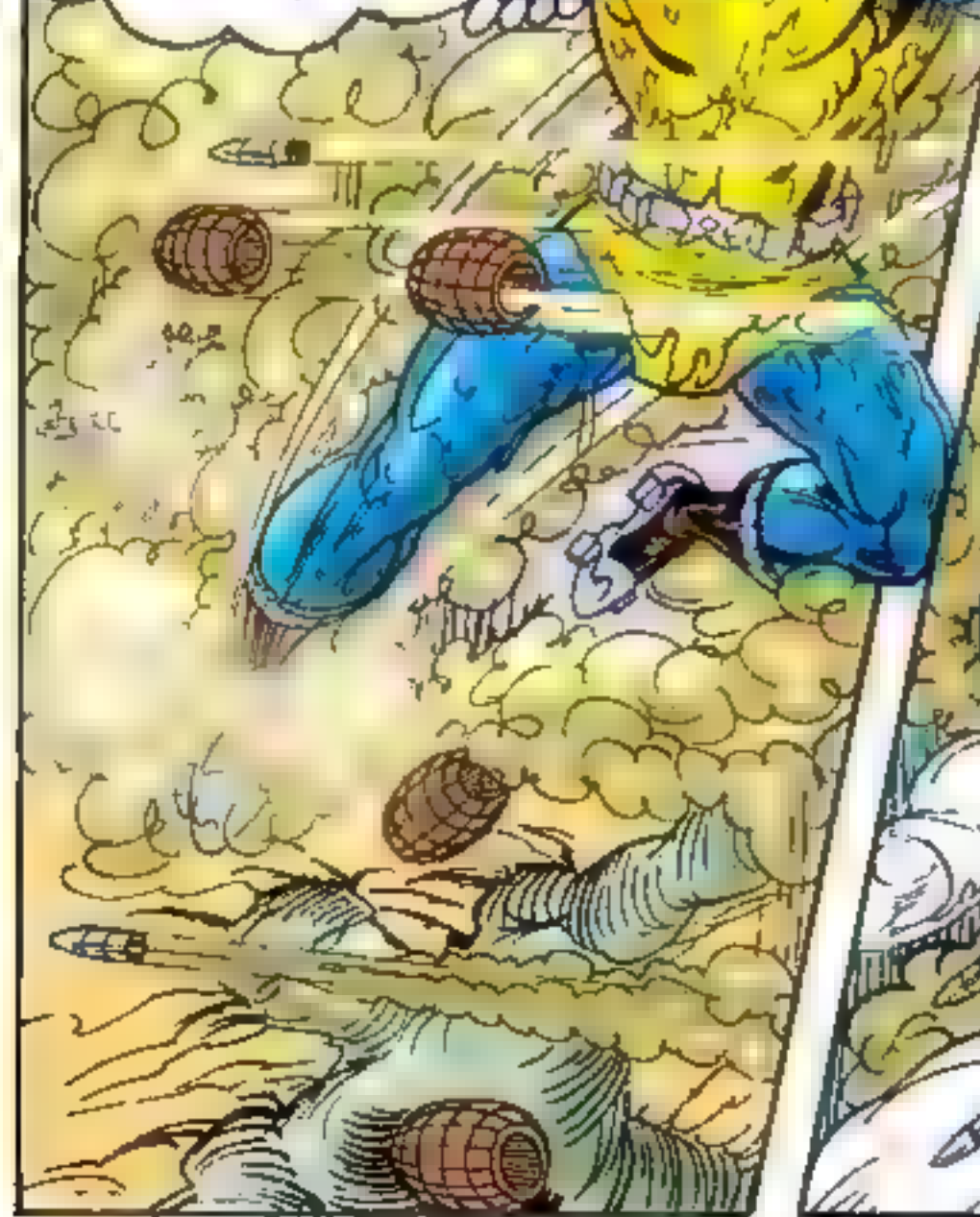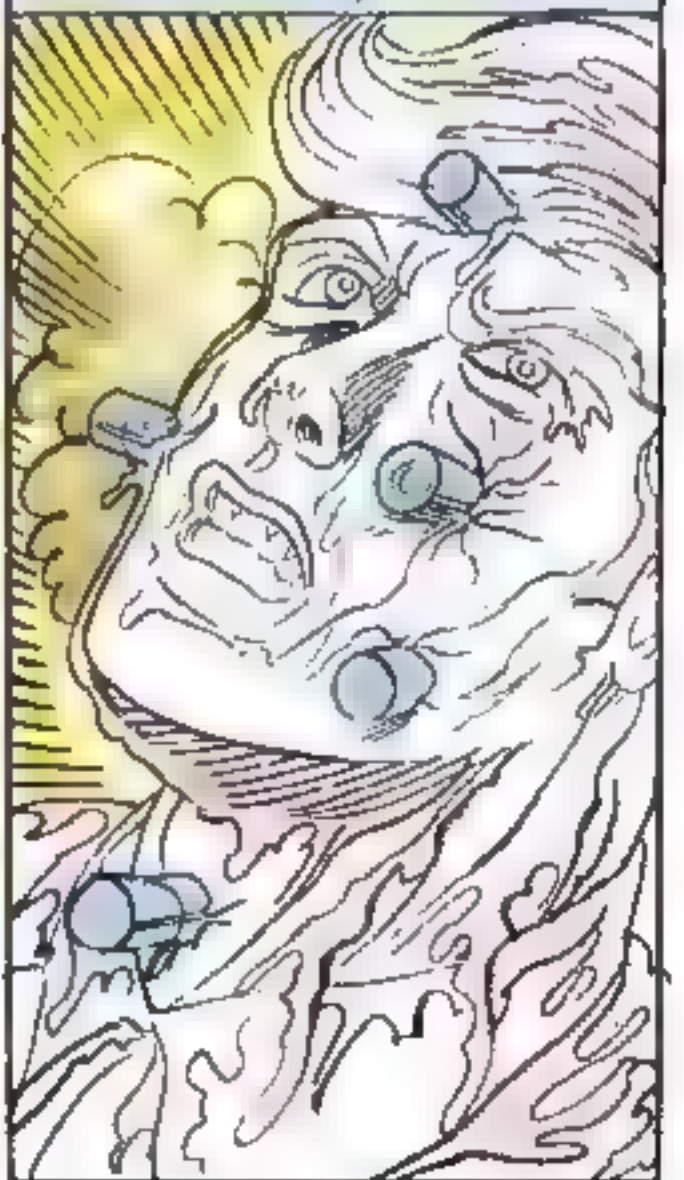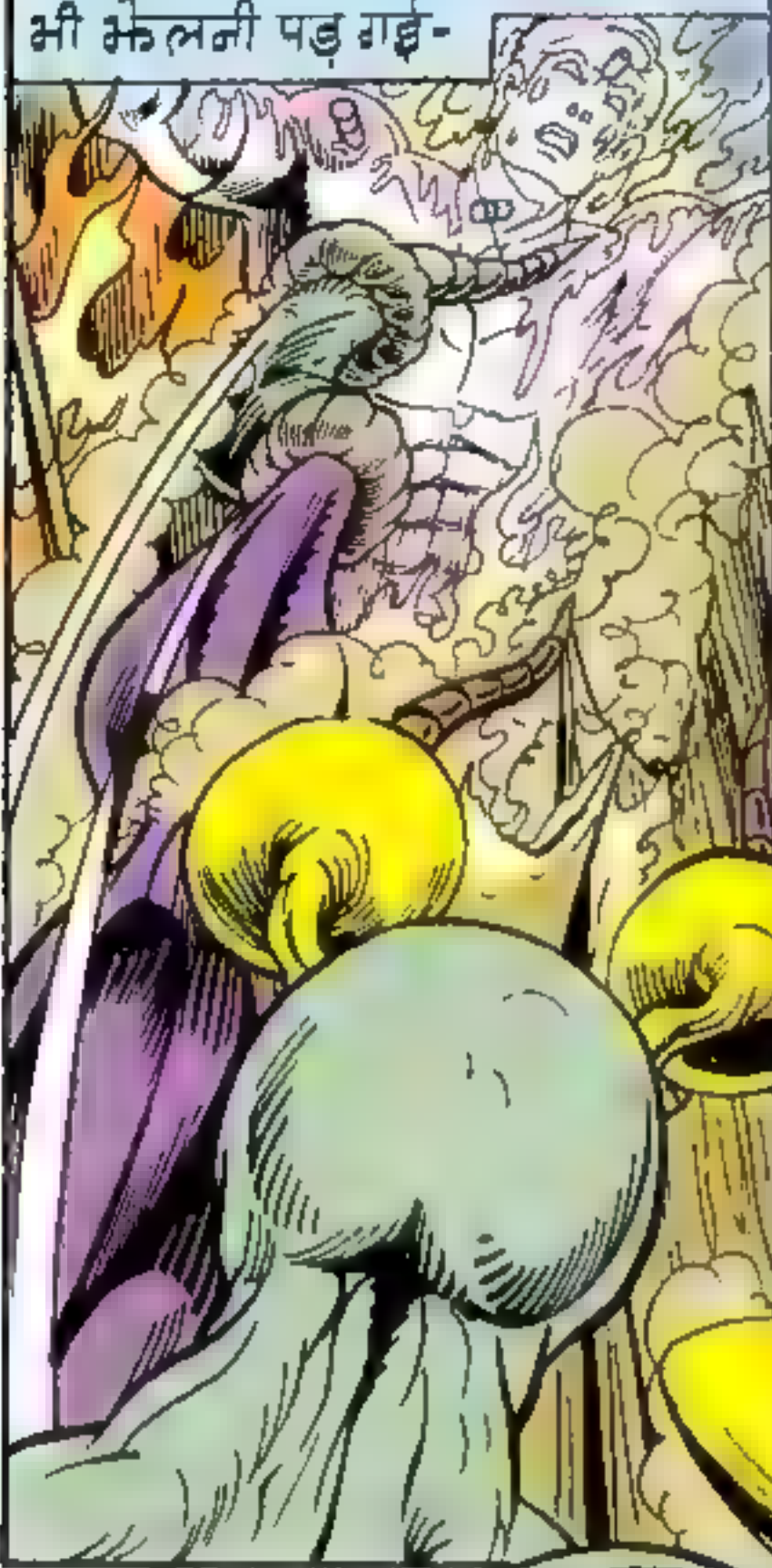
बीकाल से जो टकराया, उसको सिर्फ मौत मिली है। दर्दनाक मौत!

देखा, मैडम ? ऑपरेशन शाला पूरा होते ही बीकाल, ध्रुव का काल बन गया!

हूम!

अभी देखते रहो!
हांय?

हा हा हा! जल गया ध्रुव! गल गया ध्रुव! लेकिन अब तक हेलीकॉप्टर भी श्वेता को लेकर जा चुका है! मुझे आईवन के पास तक पैदल जाना पड़ेगा!
नहीं जाना पड़ेगा!

क्योंकि तुझे ले जाने के लिए सरकारी गाड़ी आएगी!
ध्रुव! तू... तू तो मोम के खोल में कैद था! जल रहा था!
कैद था! पर आग ने मोम को गलाकर नर्म कर दिया! और मैं आजाद हो गया!
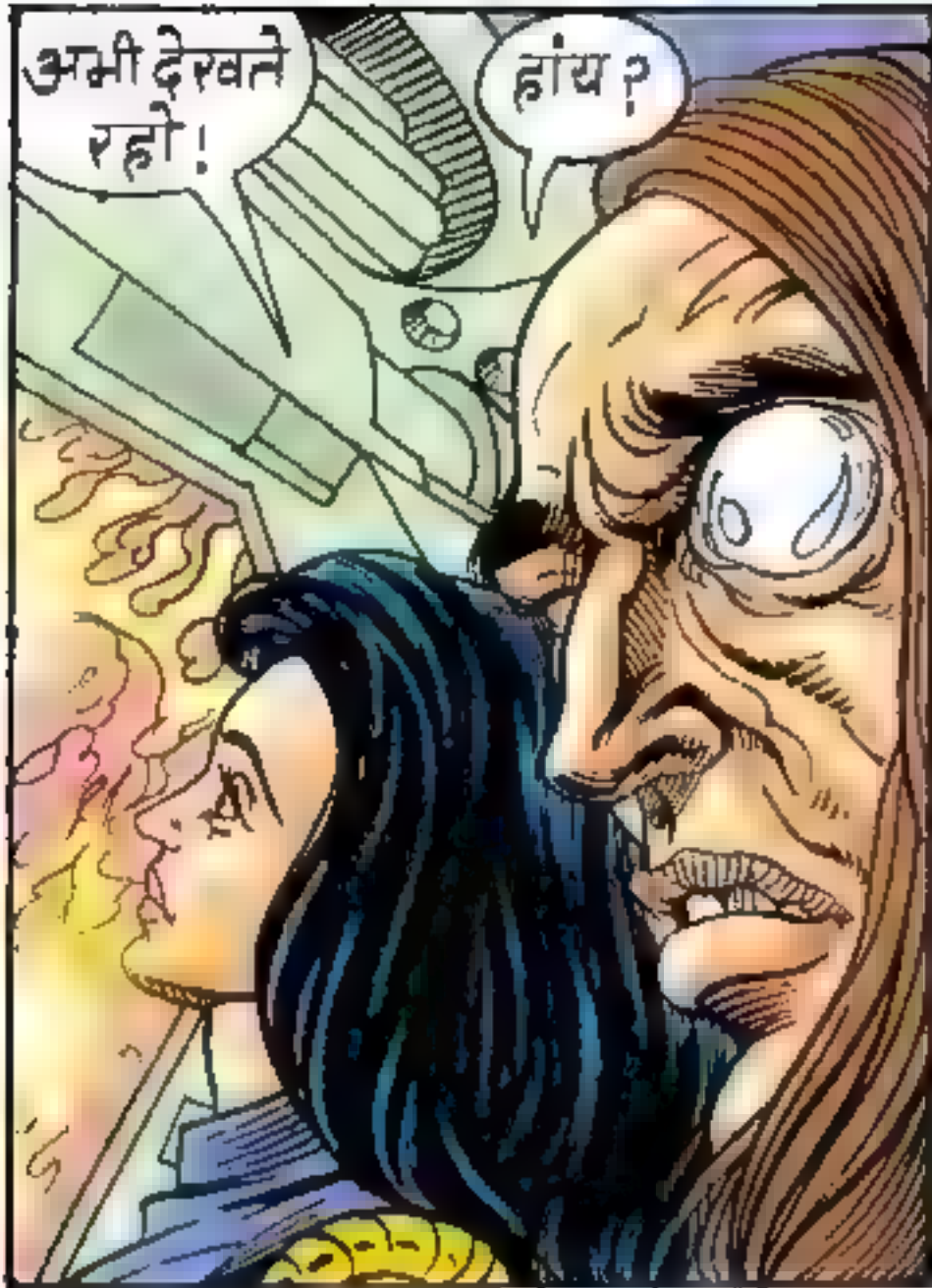
और जो जल रहा था, वह मैं नहीं, मेरा पुतला है! जब तूने मुझे पहली बार जमीन पर गिराया था तो धूल में मेरी आकृति छप गई थी! उसको मैंने सांचे की तरह इस्तेमाल करके तेरे छत्तों के मोम को उसमें भर दिया, और तैयार हो गया मेरा पुतला!
जिसने तेरा ध्यान बंटाया, और तुझे मरवाया।

देखा ?

देखा मैडम !

अब आओ, शाला को लेकर हैलीकॉप्टर छत पर उतरता ही होगा।

हं... हां मैडम !

जल्दी ही छत पर-

जल्दी पिघलाओ इस पर से मोम की पर्त ! मैं इसको मारने का और इन्तजार नहीं कर सकती !

पर ये बेहोश क्यों है ?

मोम के खोल में इतनी देर रहने के बाद तो कोई भी बेहोश हो जाएगा मैडम !

लेकिन हम इसको अभी होश में ले आएंगे !

और फिर-

अह ! म... मैं कहां हूं ! ओफ्फो ! सिर घूम रहा है ! मुझे कुछ समझ में क्यों नहीं आ रहा है ?

मौत के डर से नाटक कर रही है ! लेकिन इस बार इसको कोई मौका मत दीजिएगा मैडम !

ये बहुत चालाक है ! फिर से भाग जाएगी ! फटाफट इसकी गर्दन काट डालिए !

मौत से बचकर भला कौन भाग पाया है ! इसकी गर्दन हम काटेंगे जरूर, लेकिन इसकी शक्ल देखने के बाद !

मास्क हटाओ इसका !

इसके बाल नकली हैं मैडम! नीचे काले बालों की चोटियां हैं!
चोटियां! चोटियां तो... मॉस्क हटाओ! जल्दी!
मॉस्क हटते ही नताशा की आंखें फैल गईं-
खबरदार! जिस जुबान से श्वेता को काटने की सलाह निकलेगी...
श्वेता! तुम! ... तुम शाला हो! तुम!
खशक
म... मैं कहां हूं! म... मुझे सोने दो!
ये फिर बेहोश हो रही है मैडम! यही मौका है! काट डालिए इसकी गर्दन!
... मैं उस जुबान को ही काट दूंगी!
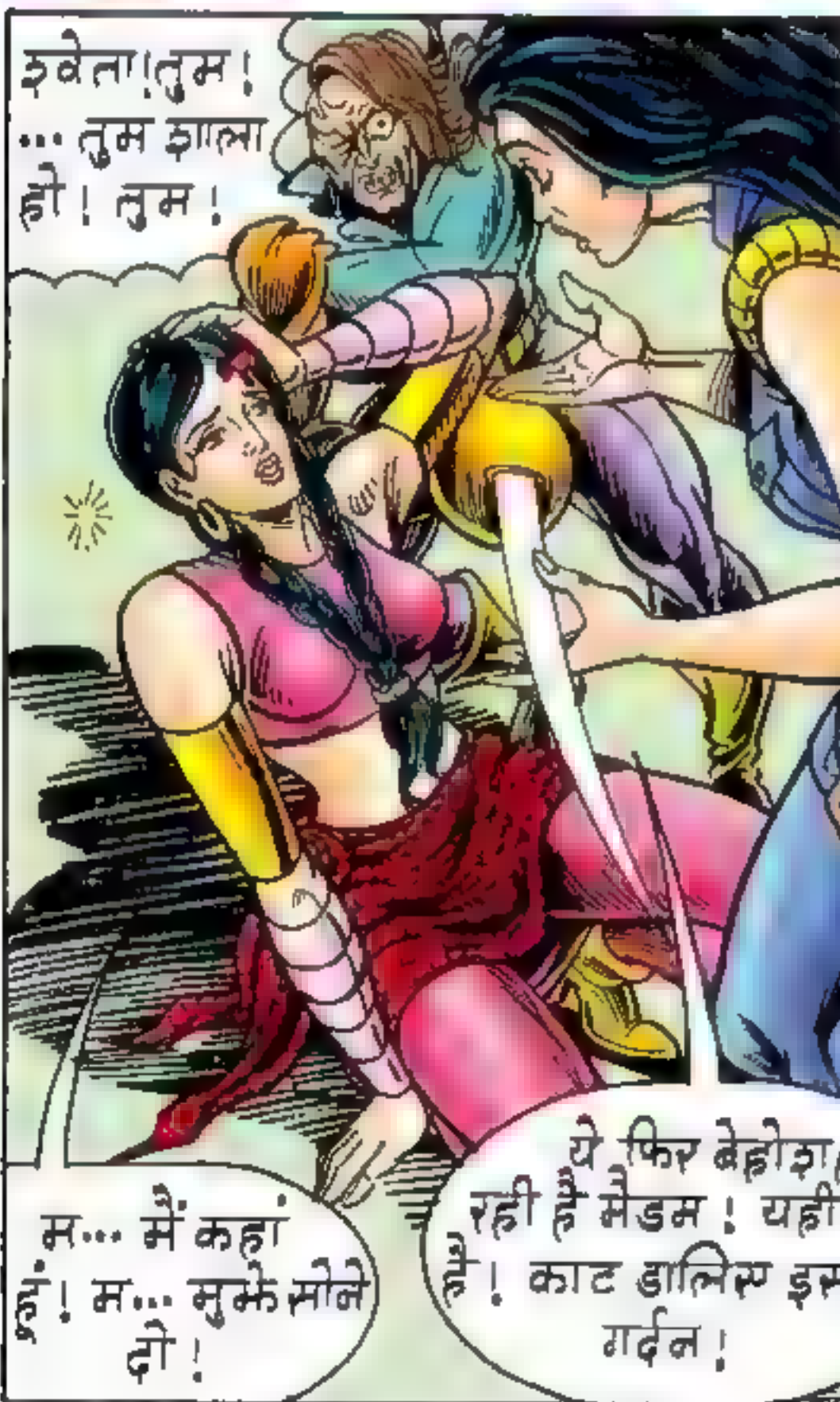
श्वेता ! काश, मुझे पहले पता होता कि तू शाला है ! तो मैं तुझे ढूंढने और मारने की कभी सोचती ही नहीं ! लेकिन तू तो च... ओह ! तुझे शाला बनने की भला क्या जरूरत पड़ गई ? और... और तुझे हमारी योजनाओं का पता कैसे लगा ?
मुझे... नींद आ रही... है ! सो... ने दो !
ओफ् ! ये मैं क्या करने जा रही थी ! ध्रुव को पाने के पागलपन में, मैं अपनी बेस्ट फ्रेंड को मारने जा रही थी !
ये सब मेरी आपराधिक प्रवृत्ति के कारण हुआ है ! छोड़ दूंगी मैं अपराध का रास्ता ! वापस जाऊंगी ध्रुव की दुनिया में !

और उस दुनिया में मुझे तू लेकर जाएगी, श्वेता! तू! मेरी सबसे अच्छी दोस्त!

मै... मैडम! आ... आप कहां जा रही हैं? आपको तो ज्वाला को खत्म कर देना चाहिए!

उसको रोको मत! वह सही रास्ते पर जा रही है!... दिल कभी गलत रास्ता नहीं दिखाता!

रजनी परेशान थी-

ध्रुव! तुम कहां हो?

बस, घर आ रहा हूं मम्मी! क्या हुआ? आप इतनी परेशान क्यों लग रही हैं?

श्वेता कहीं चली गई है! मैंने उसकी जान-पहचान वाली हर जगह पर फोन करके देख लिया है! वह कहीं भी नहीं है!

श्वेता यहां है, आंटी...
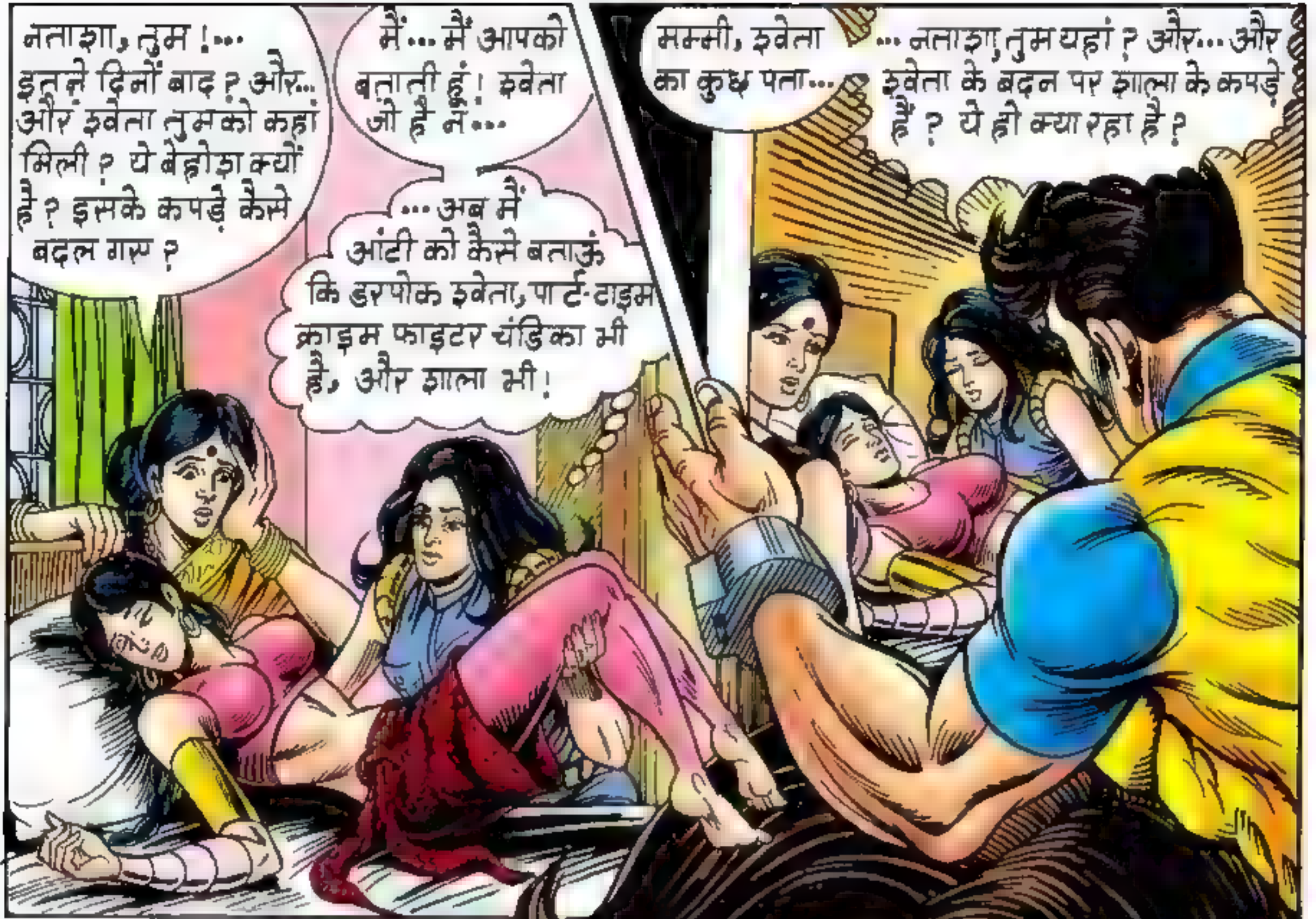
नताशा, तुम!... इतने दिनों बाद? और... और श्वेता तुमको कहां मिली? ये बेहोश क्यों है? इसके कपड़े कैसे बदल गए?
मैं... मैं आपको बताती हूं! श्वेता जो है न...
...अब मैं आंटी को कैसे बताऊं कि डरपोक श्वेता, पार्ट-टाइम क्राइम फाइटर चंडिका भी है, और शाला भी!
मम्मी, श्वेता का कुछ पता...
...नताशा, तुम यहां? और... और श्वेता के बदन पर शाला के कपड़े हैं? ये हो क्या रहा है?
बताऊंगी! सब बताऊंगी! बस, मुझको एक बार इस दुनिया में, अपनी दुनिया में वापस आने का मौका दो ध्रुव। सिर्फ एक मौका!
मौका! अपराध छोड़ने का हर अपराधी को बुनियादी हक है नताशा! मैं तुमको मौका देने वाला कौन होता हूं! मैं तो सिर्फ अपनी दुनिया में तुम्हारा स्वागत कर सकता हूं! वेलकम टू माई वर्ल्ड नताशा!

कहानी 35 पेज से जारी

नताशा के इस निर्णय से ग्रैंडमास्टर रोबो खुश भी था, और उदास भी-

ओफ! कितना सूना-सूना लग रहा है! कभी दिल चाहता है कि नताशा जहां गई है, वहीं रहे! इस दुनिया से दूर!

फिर कभी लगता है कि वह वापस आ जाए, मेरे पास!

ऐसा मैं होने नहीं दूंगा, ग्रैंडमास्टर...

आईवन! क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है?

दिमाग तो तुम्हारी बेटी का खराब हो गया है! अब तुम हमारे ग्रैंडमास्टर नहीं हो रोबो! अब ग्रैंडमास्टर बनेगा आईवन! ग्रैंडमास्टर आई-वन! शहंशाह आई-वन!

तू शहंशाह जरूर बनेगा, आईवन! लेकिन मुर्दों का! नताशा ठीक ही कहती थी...

तू भरोसे के काबिल नहीं... आsss ह...

लेसर किरण पलटकर मुझको ही आ लगी! कैसे?

क्योंकि मैं तेरे सबसे खतरनाक हथियार 'लेसर आई' के लिए तैयार होकर आया हूं! ये चमकदार मेटल सूट पहन कर! जो लेसर किरण को नुकसान पहुंचाने से पहले ही परावर्तित कर देता है!
आऽऽऽह! मेरी ही 'लेसर-रे' ने मुझे घायल कर दिया है! वर्ना रोबो खाली हाथों से तेरा सूट फाड़ देता! पकड़ लो इसे!
ये क्या गुस्ताखी है? तुम सब मेरा हुक्म क्यों नहीं मान रहे हो?
तुम्हारा हुक्म मानें? उसका हुक्म जिसकी बेटी हमारे दुश्मन से जा मिली है! हम सबको फांसी पर चढ़वाने के लिए!
बकता है ये! नताशा तो पहले भी अपराध जगत छोड़कर जा चुकी है! तब तो हमारा एक भी आदमी पकड़ा नहीं गया था!
तब की बात और थी! तब तू भी अपनी बेटी के खिलाफ था! पर अब नहीं है!
इसे बन्द कर दो तहखाने में!
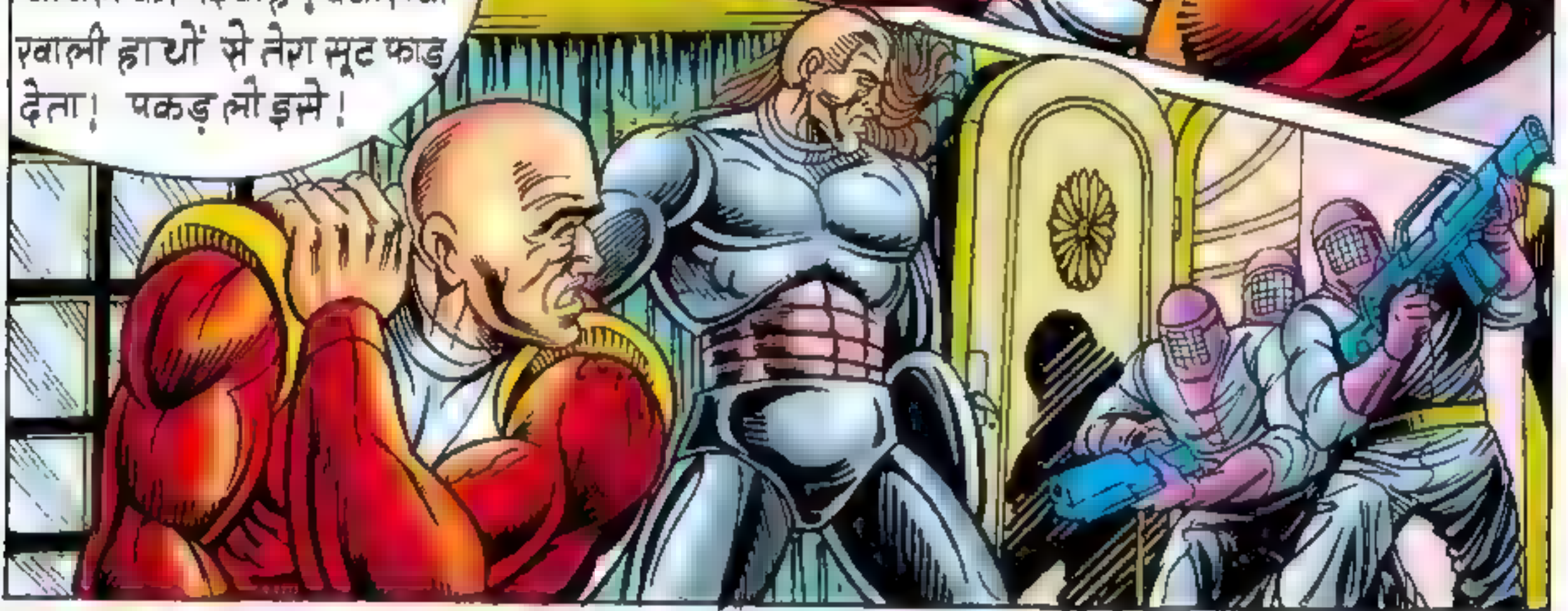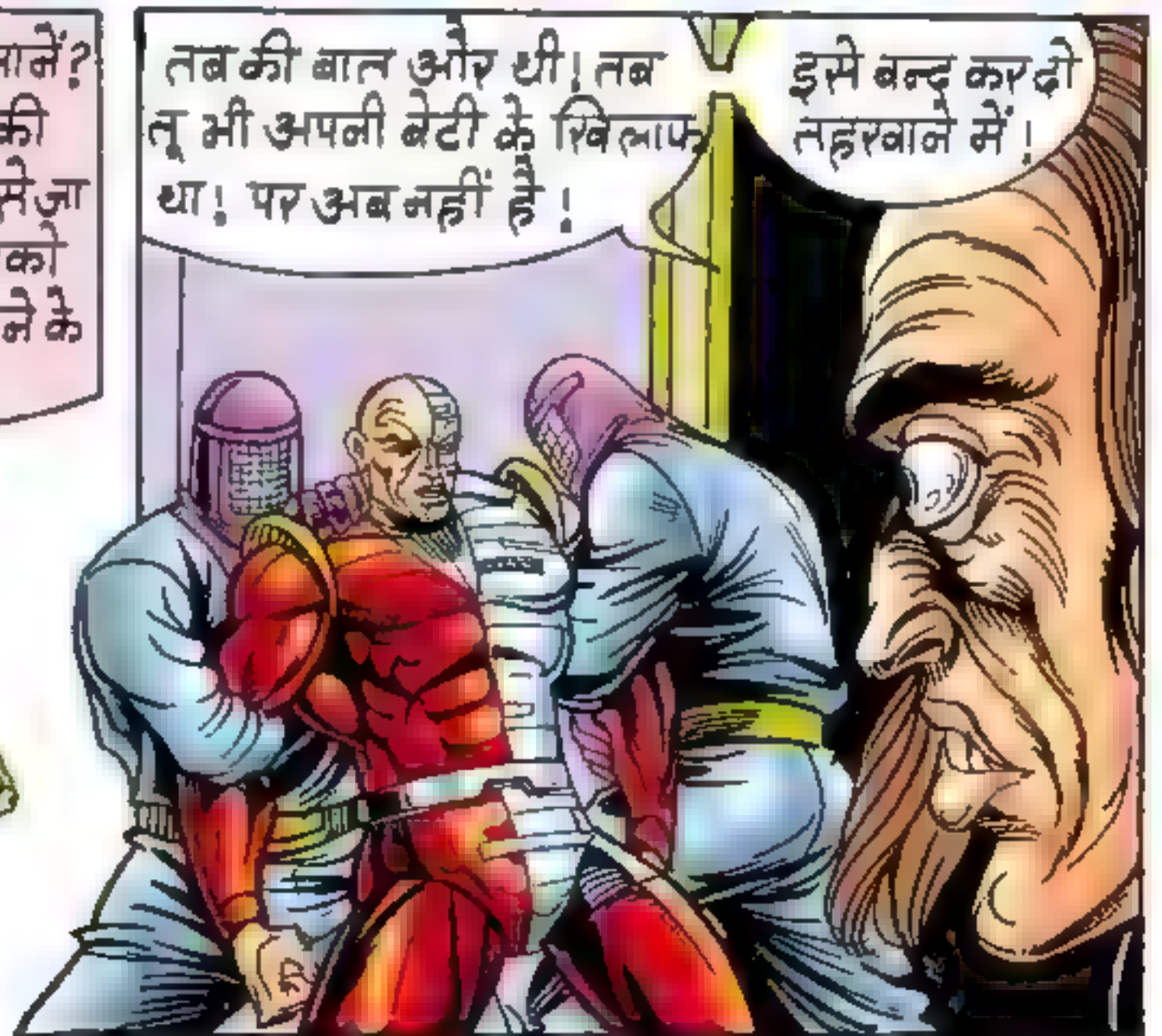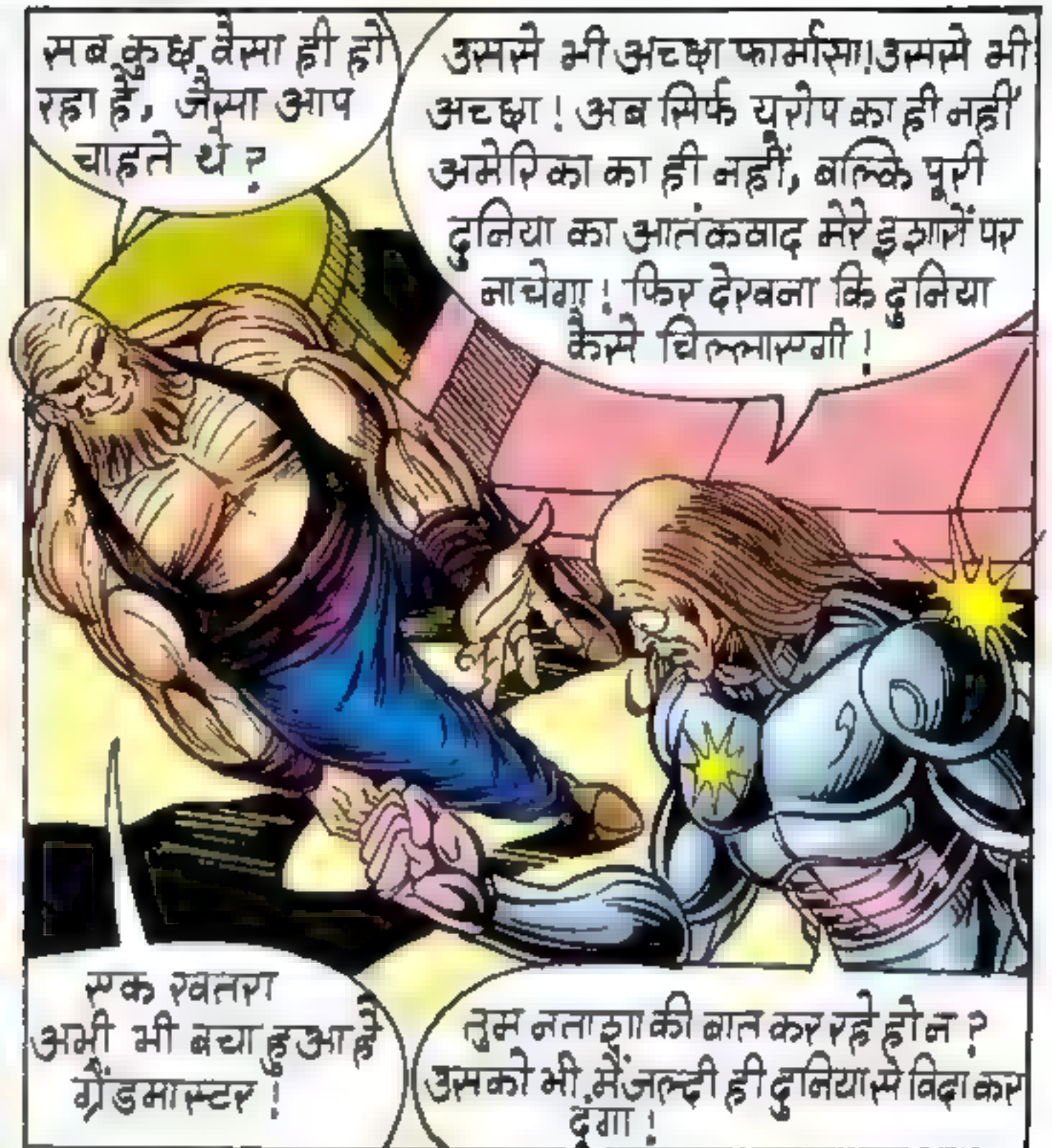
ग्रेंडमास्टर आईवन!
बोलो, मेरे दाएं हाथ फार्मोसा!
सब कुछ वैसा ही हो रहा है, जैसा आप चाहते थे?
उससे भी अच्छा फार्मोसा! उससे भी अच्छा! अब सिर्फ यूरोप का ही नहीं अमेरिका का ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का आतंकवाद मेरे इशारों पर नाचेगा! फिर देखना कि दुनिया कैसे चिल्लाएगी!
एक खतरा अभी भी बचा हुआ है ग्रैंडमास्टर!
तुम नताशा की बात कर रहे हो न? उसको भी मैं जल्दी ही दुनिया से विदा कर दूंगा!
मैं ध्रुव की बात कर रहा हूं!
नताशा का बाप हमारे कब्जे में है! बहुत प्यार करती है वह अपने बाप से! उसको तो हम कभी भी यहां पर बुलाकर मार सकते हैं!
पहले उसको रास्ते से हटाना होगा! वर्ना वह हमको जड़ सहित उखाड़ देगा!
सही कह रहे हो तुम! पहले नताशा के साथ-साथ उसके मददगार ध्रुव को मारना जरूरी है!
राजनगर में-
तुम कहीं गलती कर रही हो, नताशा! श्वेता तो बहुत डरपोक है!
वह ज्वाला तो कभी बन ही नहीं सकती थी!
नहीं, ध्रुव! मैंने श्वेता के अन्दर की ताकत को देखा है! भाई को बचाने के जज्बे ने उसको उसकी शक्ति का आभास करा दिया!
और वह ज्वाला बन गई!

चलो, अगर तुम्हारी बात को मैं सच मान भी लूं तो भी इस षड्यंत्र का पता श्वेता को कैसे लगा ? उसके पास इतनी जानकारी कहां से आई थी ?
जरूर श्वेता को सारी बातों की जानकारी इफेक्टो के किसी आदमी से मिली होगी ! लेकिन सारी बातों का पता तो श्वेता के होश में आने के बाद ही लगेगा !
यह मैं क्या सुन रहा हूं, ध्रुव ?
कमिश्नर राजन !
पापा !
श्वेता, किसी शाला के रूप में पकड़ी गई है ! और उसको नताशा यहां पर लेकर आई है ! क्या यह सच है ?
हां, पापा ! नताशा अपराध की दुनिया छोड़ना चाहती है ! फिर से सभ्य समाज में रहकर जीना चाहती है !
ठीक है ! हम इसको एक मौका और देंगे ! लेकिन सिर्फ तब तक जब तक इसके खिलाफ हमारे पास कोई रिपोर्ट नहीं आती ! वर्ना पुलिस को इसे गिरफ्तार करना पड़ेगा !
मुझे मंजूर है अंकल ! नई जिन्दगी के लिए आशीर्वाद दीजिए !
ईश्वर तुमको शक्ति दे नताशा !
अब तुम कहां जा रही हो नताशा ?
सभ्य समाज में रहने के लिए एक मकान की जरूरत पड़ती है ध्रुव ! वही ढूंढने जा रही हूं !

चलो! अंकल ने कम से कम मेरी एक परेशानी तो दूर कर दी! अब पुलिस मुझे जगह-जगह ढूंढ़ती तो नहीं फिरेगी!
हाय!
ON
हाय, हैंडसम! क्या बात है?
आपका नाम नताशा है न?
अभी से लड़कियों का नाम पूछते फिरते हो! वेरी स्मार्ट! अब बताओ काम क्या है?
एक काने अंकल ने आपके लिए ये पैकेट दिया है!
काने अंकल ने?
हां, मुझे एक चॉकलेट भी दी! फिर कहीं चले गए!
क्या भेजा है इस लिफाफे में आईवन ने?
फोटो है! और एक मैसेज भी!
को बचाना
तुरंत पहुंचो
8, न्यू सीतानगर
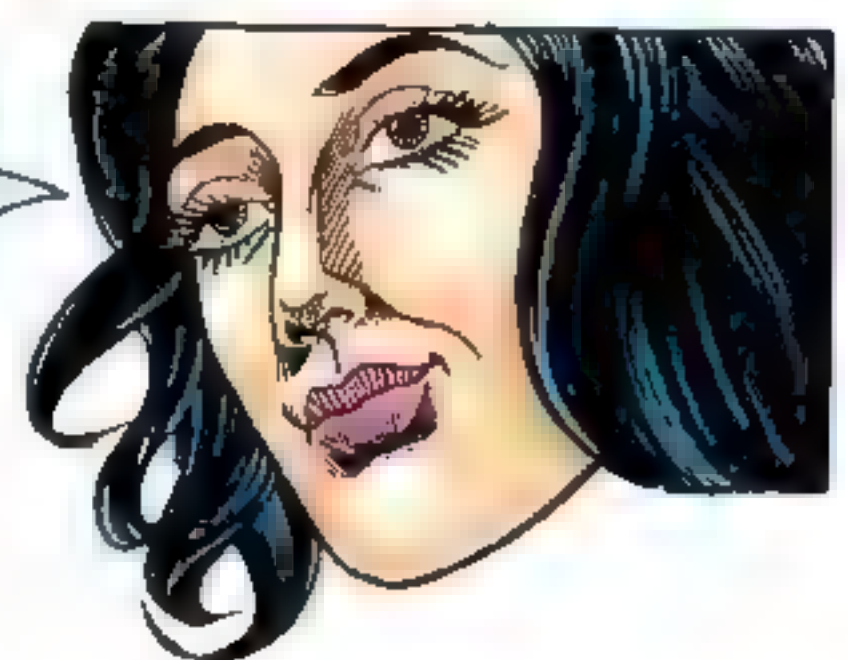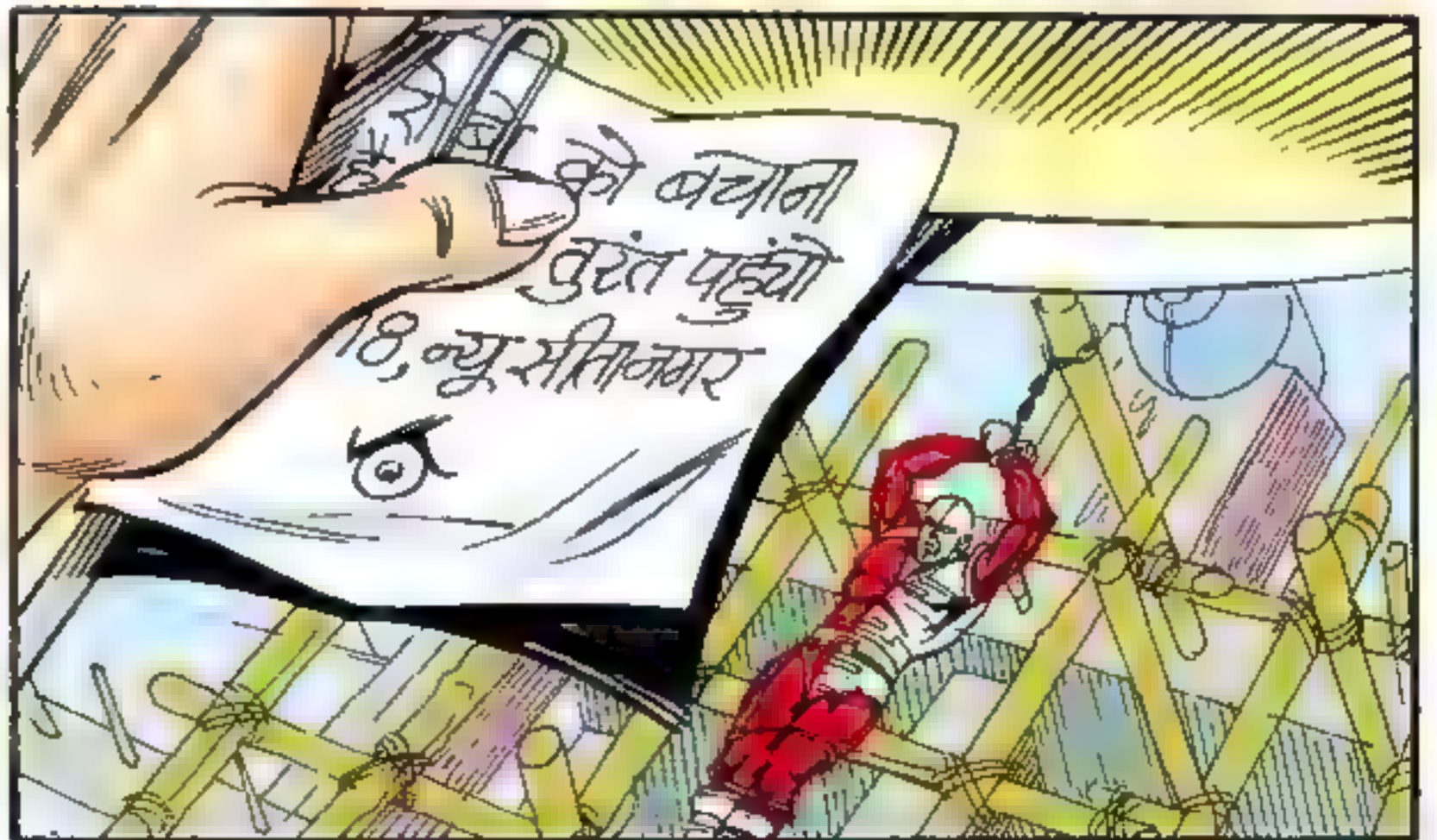
नताशा ने दिए पते पर पहुंचने में देर नहीं लगाई-
पापा! मैंने पहले ही कहा था कि आईवन भरोसे के काबिल नहीं है!
तुम्हारी आंखें अपने बाप से ज्यादा तेज हैं, मैडम नताशा! लेकिन मुझे इतना क्रूर मत समझो! रोबो को मारना मेरी मजबूरी है! लेकिन फिर भी मैं उसको बचने का एक मौका दे रहा हूं!
तुम्हारे जरिए!
आगे बोल कमीने!

तुम रोबो को बचा सकती हो! देखो, रोबो जमीन से सत्तर फुट ऊपर एक चेन से लटका है! उस चेन पर एक-एक बूंद करके एसिड गिर रहा है! एसिड, चेन को दस मिनट में गला देगा! और रोबो की जमीन से टकराकर सारी हड्डियां टूट जाएंगी!
तुम दस मिनट से पहले रोबो तक पहुंचकर उसको बचा सकती हो!
जरूर बचाऊंगी!
पर एक समस्या है, नताशा!
इस बिल्डिंग में जगह-जगह पर फिट विस्फोटक! जो किसी भी आने वाले के पैरों का कंपन महसूस करके फट जाते हैं!... इसे बेईमानी मत कहना! अरे! खेल में कुछ मजा भी तो आना चाहिए!
R
धड़ाम

अब नताशा समय रहते रोबो तक कभी पहुंच नहीं पाएगी! रोबो उसके पहुंचने से पहले ही जमीन से टकरा चुका होगा!
और उससे भी पहले नताशा के चिथड़े उड़ चुके होंगे! क्योंकि वह अपने बाप तक पहुंचने की कोशिश कभी नहीं छोड़ेगी! और किसी न किसी बम का शिकार होकर ही रहेगी!
यानी अब हम ध्रुव की मौत का तमाशा देखने आराम से जा सकते हैं!
हां! अब वह तमाशा भी शुरू होने ही वाला है!
और फिर-
हां तो श्वेता! अब बताओ, तुमको शाला बनने की क्या जरूरत आ पड़ी? और तुमको नताशा के प्लान का पहले से पता कैसे लगा?
अपनी तो मैं नहीं जानती! लेकिन तुमको जो चोटें लगने वाली हैं भइया, वे जरूर हाथापाई के कारण ही लगेंगी!
ओऽऽऽऽ
घर एकाएक हिलने क्यों लगा?
क्या बक रहे हो? सिर पर चोट लगी है क्या? ये शाला है कौन? मुझे तो ये तक नहीं पता कि मैं नताशा के पास तक पहुंची कैसे?
एक्टिंग मत करो श्वेता! डॉक्टरों के अनुसार तुमको जो चोटें लगी थीं, वे हाथापाई का नतीजा थीं!
बाहर! कोई बाहर है!
मैं देखता हूं! और खबरदार, जो तूने अब शाला बनने की कोशिश की!

देखा! कैटरपिलर के आते ही तू हिल गया, ध्रुव! अब तू हिलता ही रहेगा! रुकेगा तभी, जब तेरे दिल की धड़कनें भी रुक जाएंगी।
ओह! तो तू है जमीन को खोदकर घर को हिलाने वाला!
ऊपर एक हेलीकॉप्टर है, और उस पर रोबो फोर्स का निशान है! यह जरूर यहां पर नजर रख रहा है! यानी जो कुछ भी हो रहा है, उसका संबंध नताशा से है!

धड़ाााक
क्या सोच रहा है ? जरूर मरने से पहले भगवान को याद कर रहा होगा ! ठीक है ! कर ले !
लेकिन थोड़ा सा उसको भी तो याद कर ले, जिसकी वजह से तू मरने जा रहा है ! अपनी महबूबा नताशा को ! उस नताशा को, जो तेरे प्यार में पागल होकर अपनी सारी ताकत ग्रैंडमास्टर आईवन के रहमो करम पर छोड़कर यहां चली आई है !
अब यहां पर तू मरेगा, और कुछ किलोमीटर दूर पर रोबो और नताशा की लाशें गिरेंगी !
समझा ! यह सब मुझे किसी सोची-समझी योजना का हिस्सा लग रहा है ! और षड्यंत्र क्या है, यह तुम मुझे बताओगे...
... आऽऽऽह !
मैं क्या तुझे गद्दार लगता हूं ? मैं गद्देदार तो जरूर हूं, पर गद्दार नहीं !
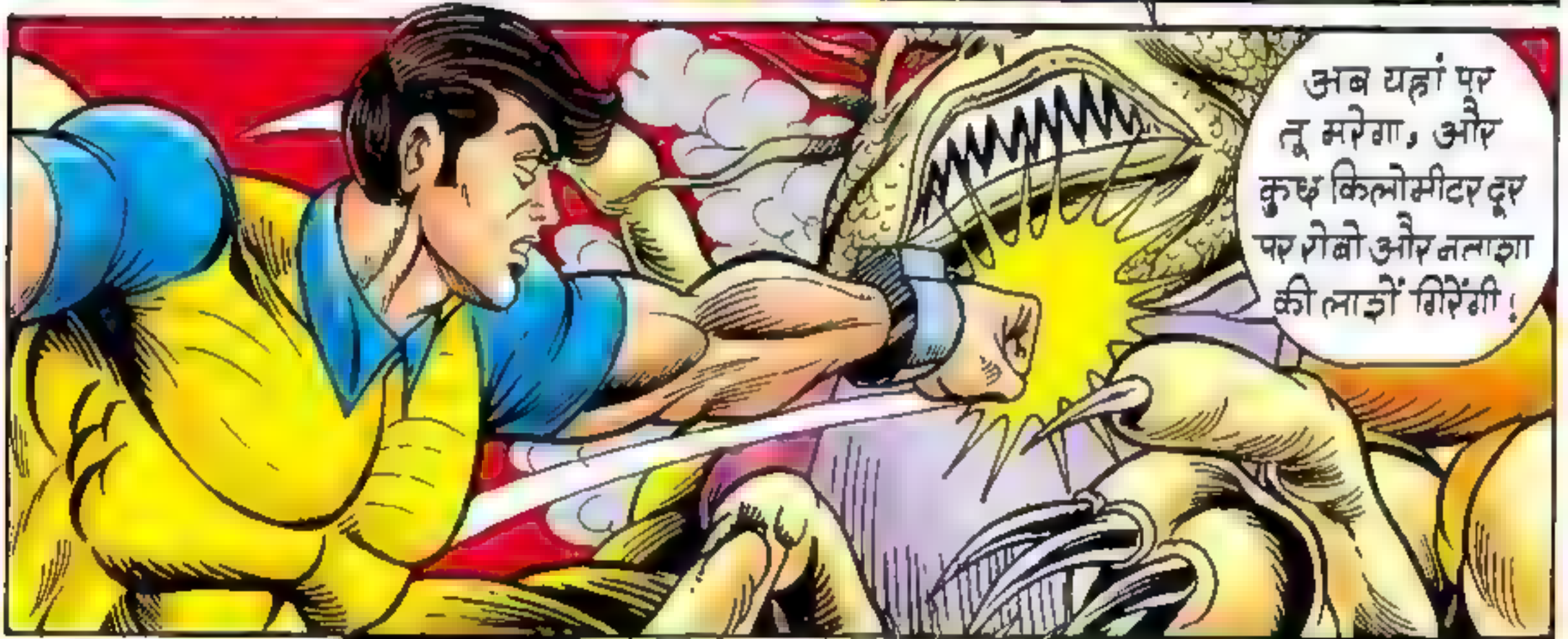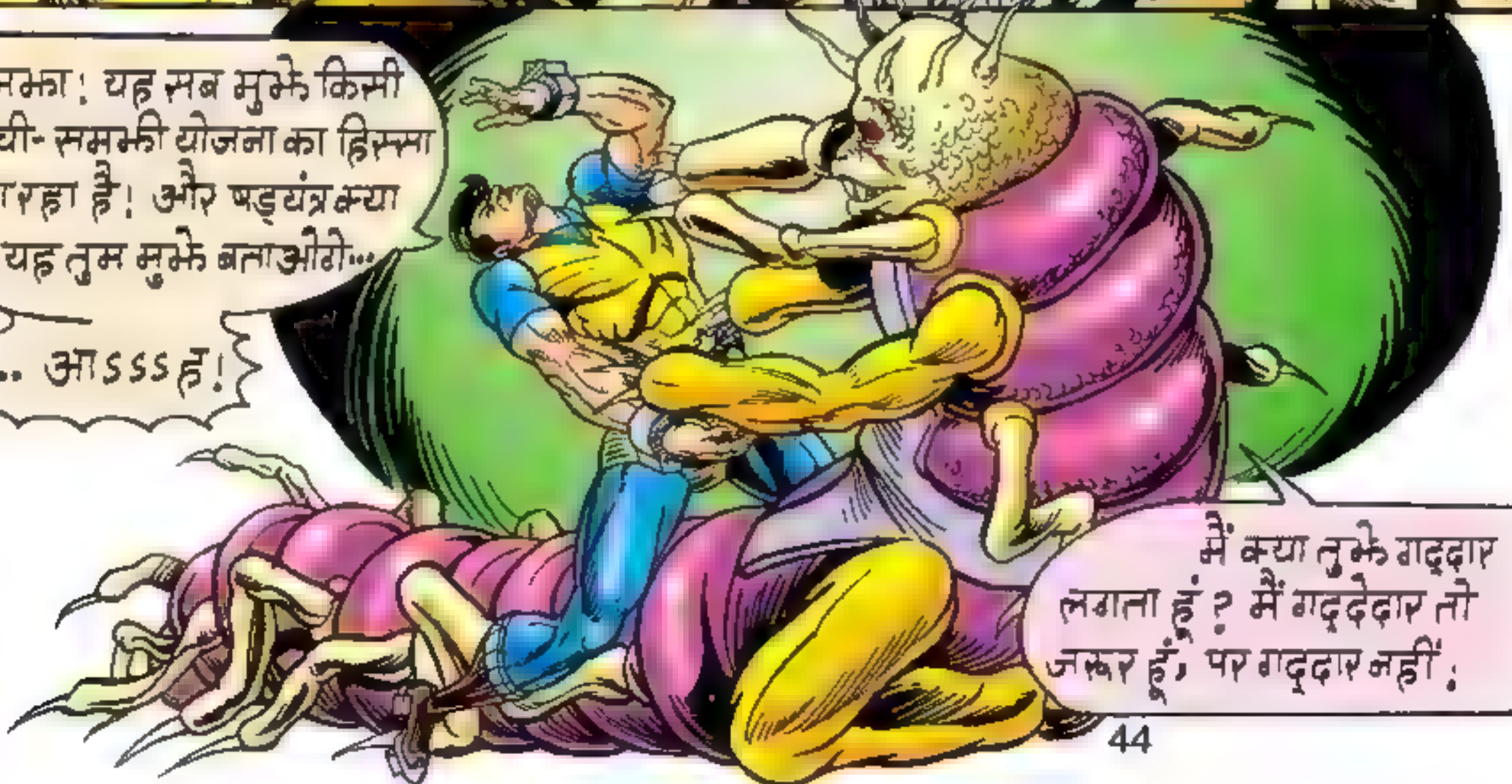
इसके दर्जन भर से ज्यादा पैर मुझे संभलने का मौका नहीं दे रहे हैं। ऐसे तो यह मुझको मिनटों में लहूलुहान कर देगा! इसके पैरों को रोकूं तो कैसे?
फिलहाल तो इसको यहां से दूर ले जाकर रोकना होगा! ताकि ये मकान को ही न गिरा दे! और भागते-भागते मुझे कोई उपाय सोचने का भी मौका मिल जाएगा!
ध्रुव डर गया है! वह भाग रहा है!
भागेगा कहां तक! केटरपिलर नामक मौत उसका पीछा नहीं छोड़ेगी!
रुक जा, ध्रुव! वर्ना तू हांफ-हांफकर ही मर जाएगा! फिर मैं किसको मारूंगा?
आहा! मिल गया केटरपिलर को रोकने का रास्ता!
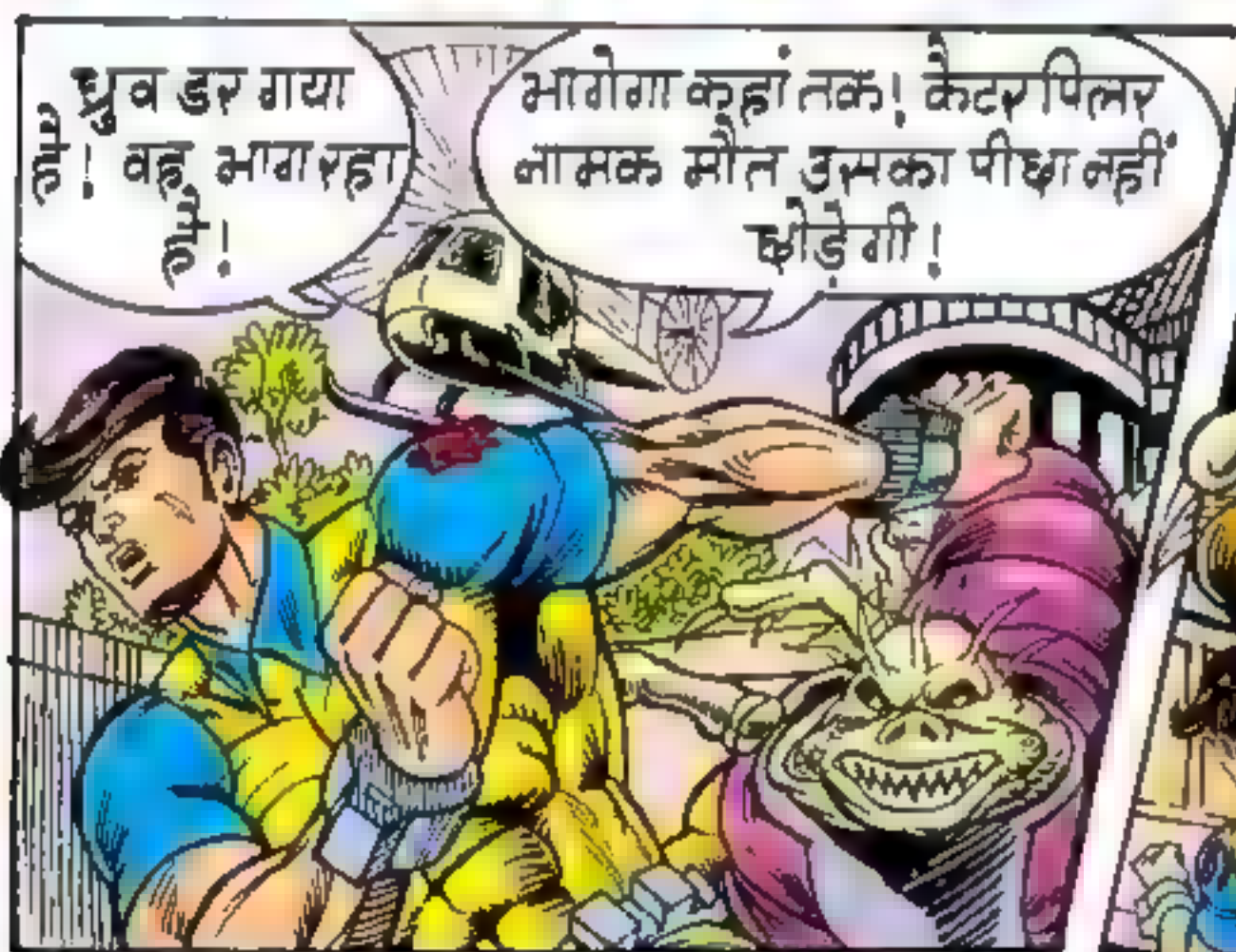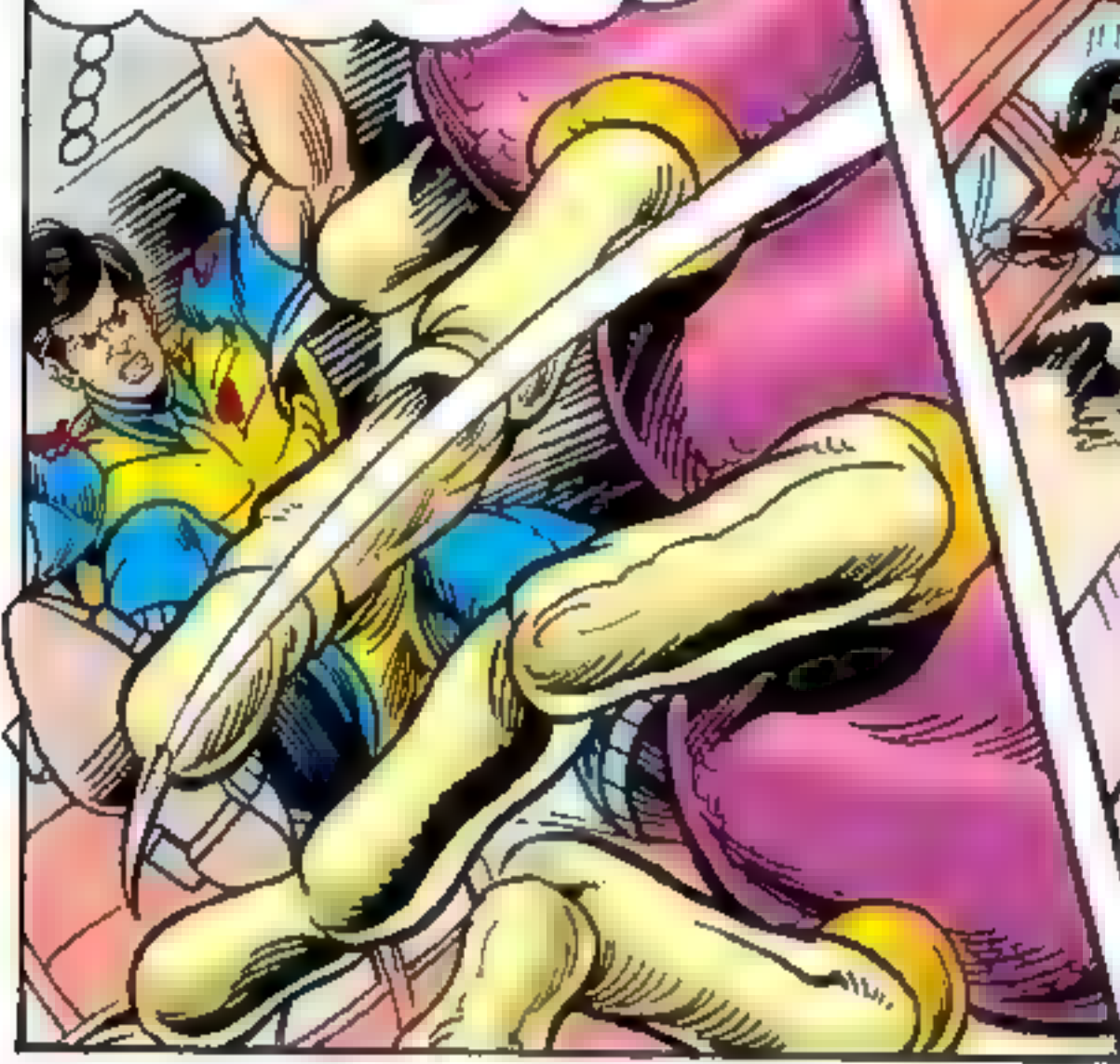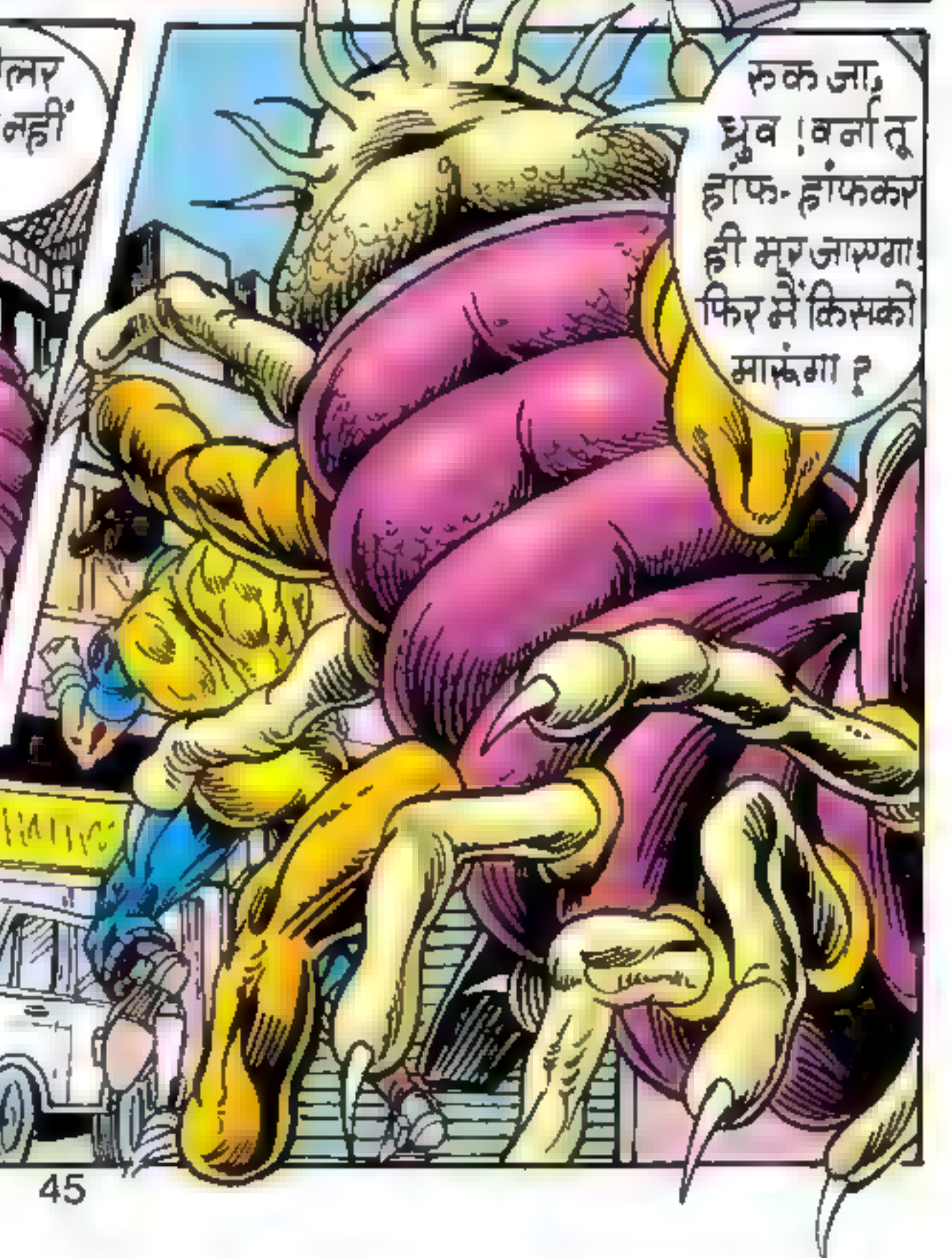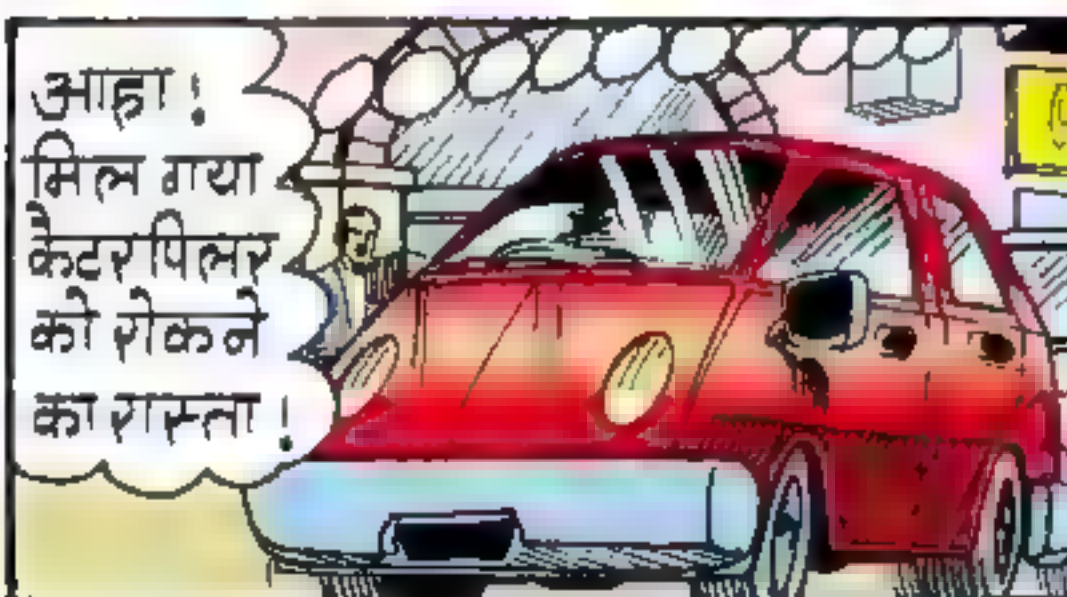
नताशा ने रोबो तक पहुंचने की नाकामयाब कोशिश जारी रखी हुई थी-
दस में से दो मिनट बीत चुके हैं! और मैं अभी भी सिर्फ दूसरी मंजिल पर...
आऽऽऽह!

आऽऽऽह! दूसरी मंजिल पर भी नहीं हूं!
फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी।

इस बार सीढ़ियों से नहीं, बल्कि बांसों के इसढांचे, यानी 'स्केफोल्ड' से चढ़ने की कोशिश करती हूं!

ओफ! आईवन ने इस रास्ते पर भी रुकावटें खड़ी कर रखी हैं!
अब पापा तक ऊपर कैसे पहुंचूं?
तीन मिनट से ऊपर गुजर चुके हैं!

ध्रुव की कोशिशें भी जारी थीं-
इस कार के मालिक को मैं बाद में हर्जाना दे दूंगा; फिलहाल मुझे कार में भरे पेट्रोल की जरूरत है!
टनन
कार टेढ़ी होते ही पेट्रोल, टंकी से निकल तेजी से सड़क पर फैलने लगा-
उम्मफ!
गड़ गड़
और बैटरी से ध्रुव द्वारा किए गए स्पार्क ने पेट्रोल को सुलगा दिया-
डरपोक कहीं का! मेरे और अपने बीच में आग की दीवार खड़ी करके मुझे रोकना चाहता है! लेकिन ये तीन फुट ऊंची दीवार कैटर पिलर को भला क्या रोकेगी...
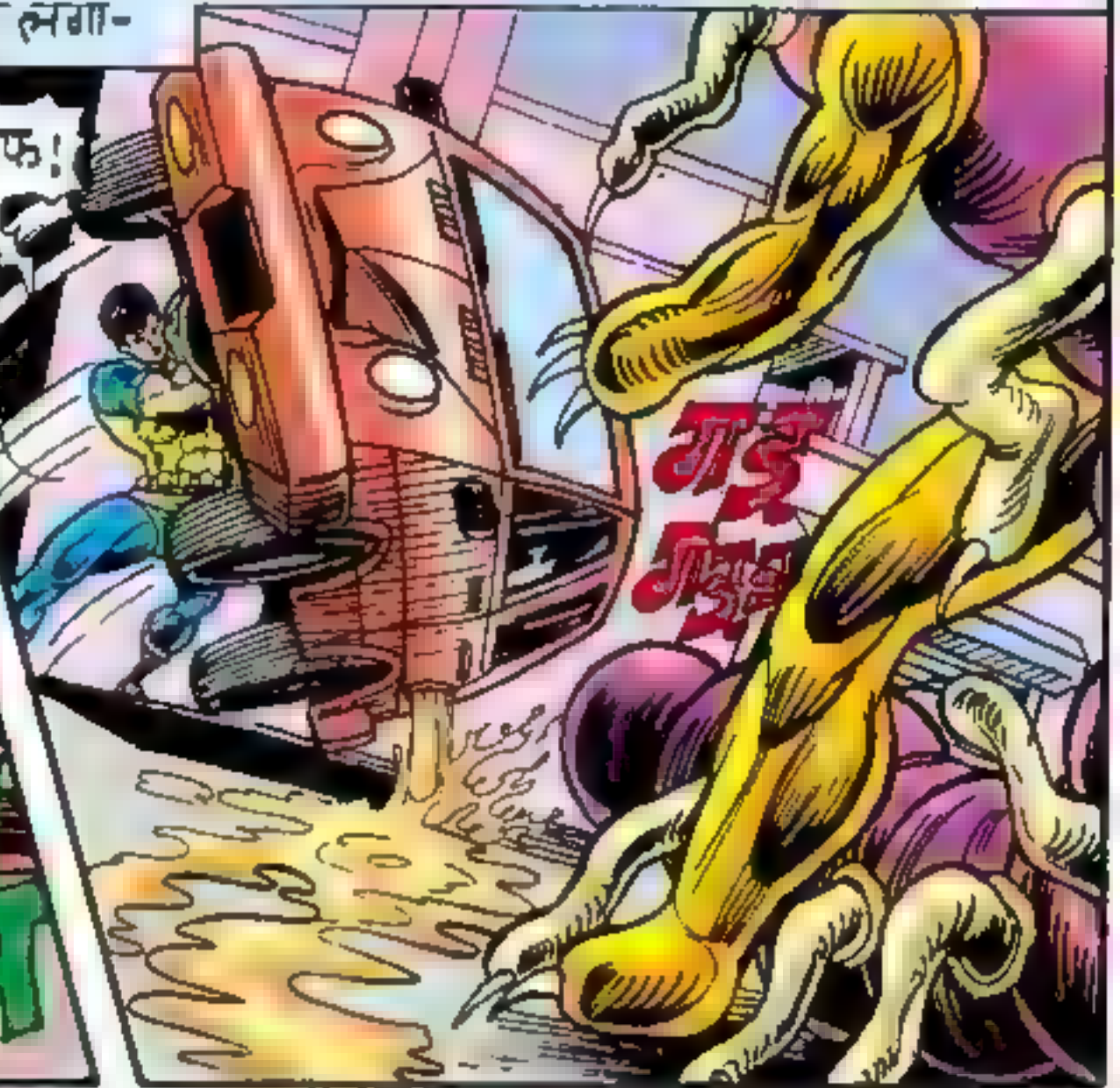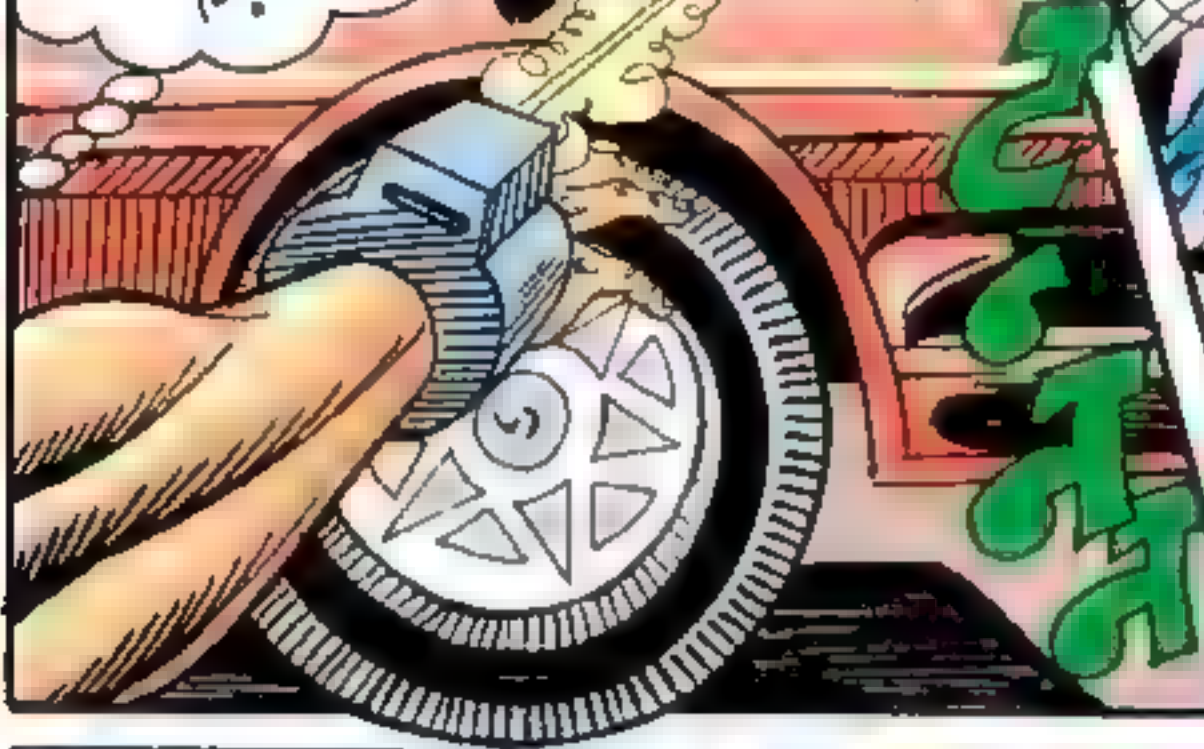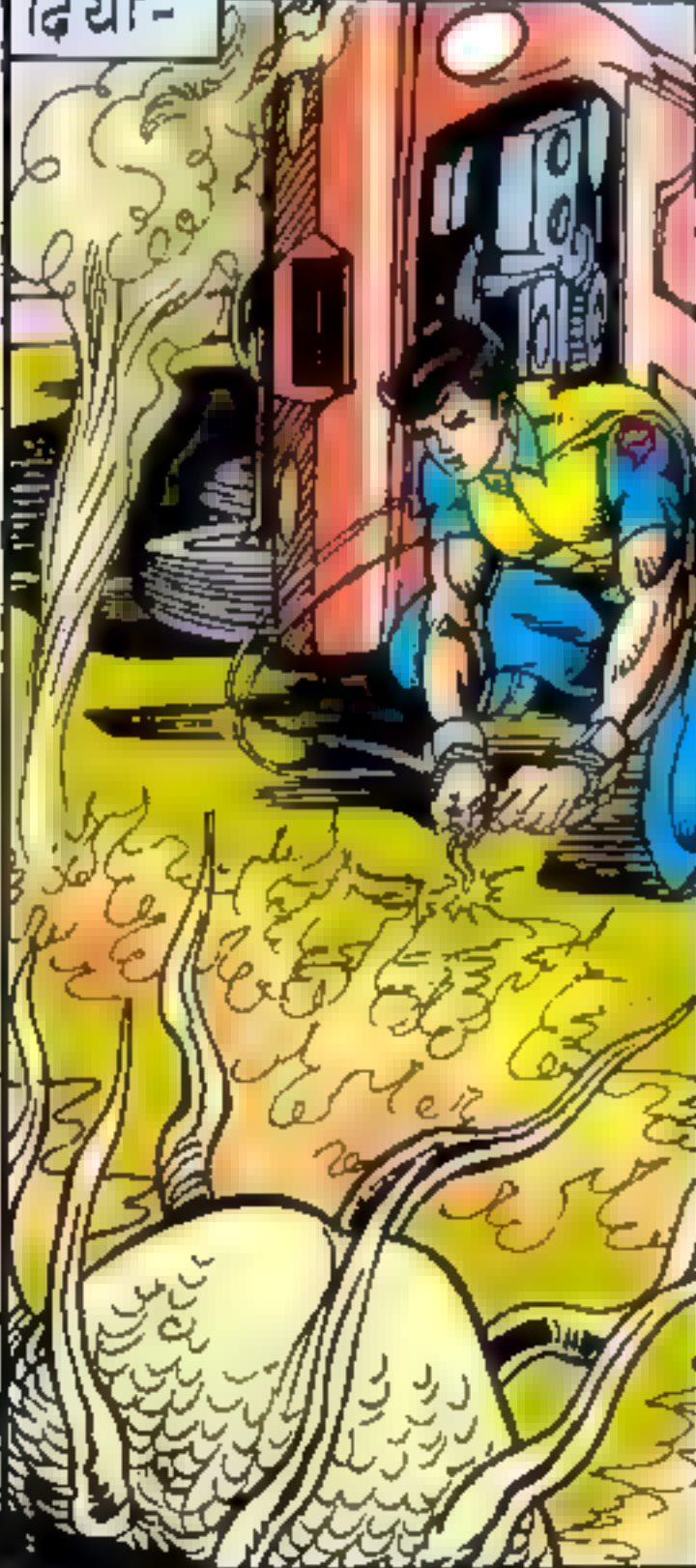
...मैं अभी... आऽऽऽऽ! लपट गर्म है! लेकिन ये जलेगी कितनी देर तक? पेट्रोल खत्म होते ही ये भी बुझ जाएगी! और उतनी देर में तू ज्यादा दूर तक तो भाग पाएगा नहीं!
ध्रुव भाग जाएगा, और कैटर पिलर को पुलिस घेर लेगी, ग्रैंडमास्टर!
भागेगा कैसे? मैं ध्रुव को भागने नहीं दूंगा, और अगर पुलिस आ गई तो उसको भी कैटर पिलर तक पहुंचने नहीं दूंगा!
ओह! हेलीकॉप्टर से 'रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड' फेंका जा रहा है! यानी यह पक्का हो गया है कि यह हेलीकॉप्टर षड्यंत्र में शामिल है!
ये मुझे आगे जाने से रोक रहा है!
हा हा हा! आग भी बुझ गई है, ध्रुव! अब तेरा अन्त आ गया है!
ओफ्फ!

लेकिन-

अरे! अरे! यह क्या? मेरे पैर सड़क से चिपक क्यों रहे हैं?

'क्यों' नहीं, 'किससे' पूछो! तुम्हारे पैर कोलतार से चिपक रहे हैं! वही कोलतार, जो आग लगाने के कारण पिघल गया है!

तुम्हारी शक्ति तुम्हारे कई सारे पैर ही थे! और अब वे पैर ही तुम्हारे पिटने का कारण बन रहे हैं!

पैट्रोल गिराकर और आग की दीवार खड़ी करके मैं भागना नहीं चाहता था! मेरा मकसद इस कोलतार को पिघलाना था!

आsssह!
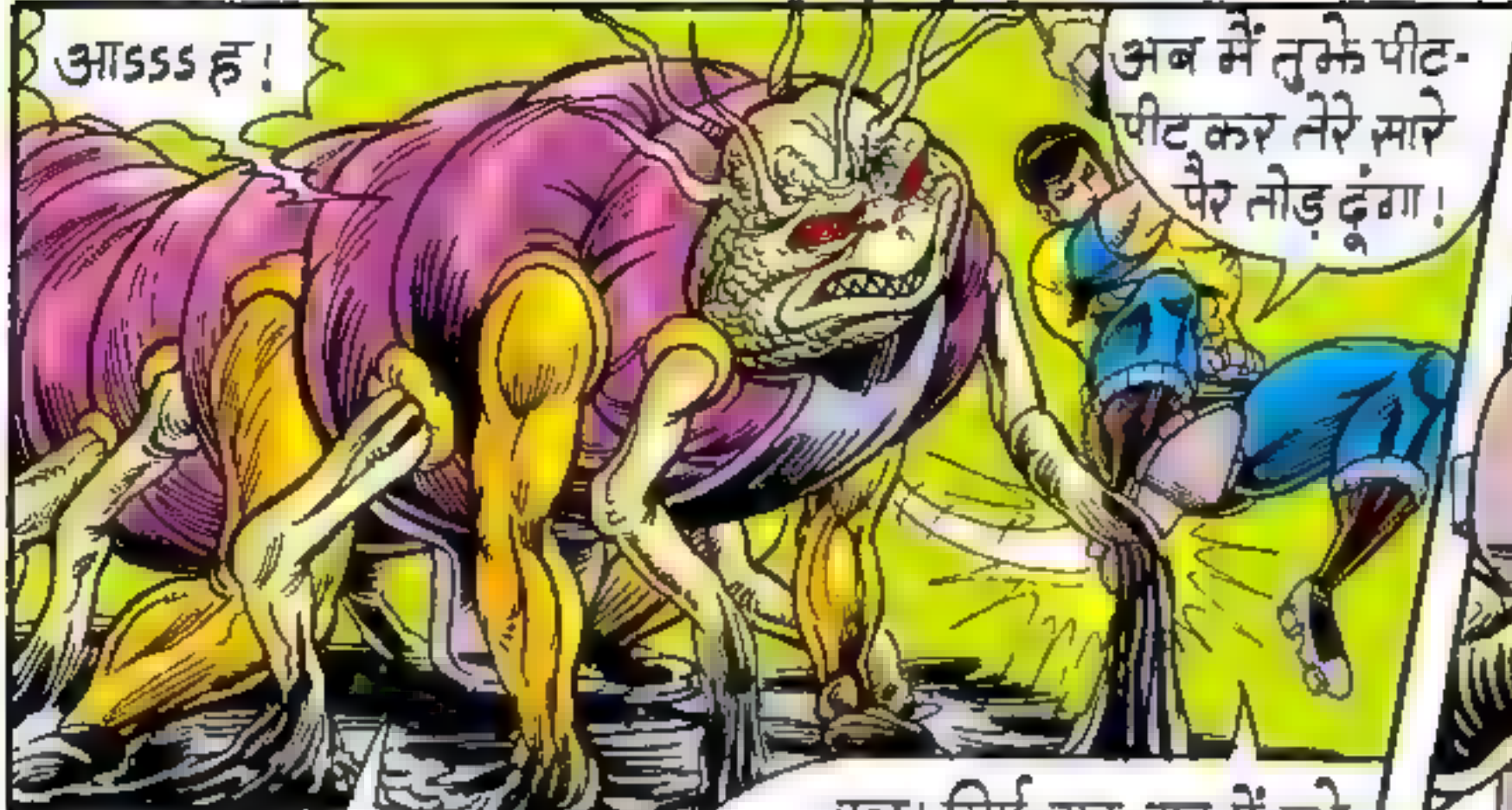
आऽऽऽह!
अब मैं तुझे पीट-पीट कर तेरे सारे पैर तोड़ दूंगा!
18, न्यू सीता नगर में... अर्रर्र ऽऽऽ
मुझे पिटने की आदत बिल्कुल नहीं है! मैं तो सिर्फ पीटता हूं! उईऽऽऽ
चल! सिर्फ एक बार में तुझे बेहोश कर दूंगा! ये बता कि नताशा और रोबो इस वक्त कहां पर हैं?
शाबाश! तूने मेरी बात मानी!
मैं अपना वादा पूरा करूंगा!
आऽऽऽह!
थैंऽऽऽऽऽ
क्यूऽऽऽऽ
ग्रेंडमास्टर! ध्रुव ने तो गड़ब... केटर पिलर को बड़ी आसानी से पीट दिया! लेकिन अब ये जा कहां रहा है?
नताशा के पास जा रहा है! केटर पिलर ने अपना मुंह खोल दिया है! तू ध्रुव को रोक! मैं जाकर रोबो और नताशा को खत्म करता हूं,
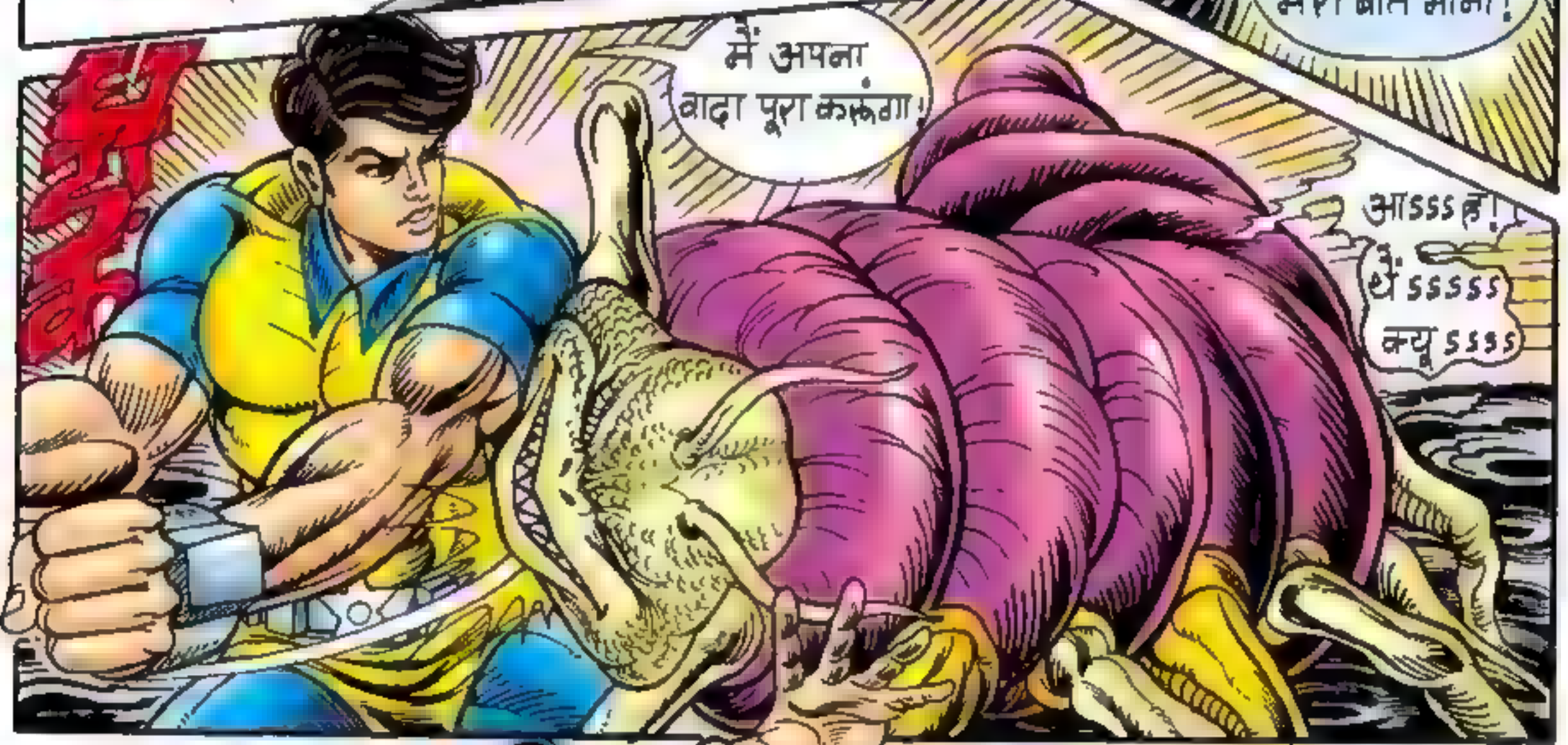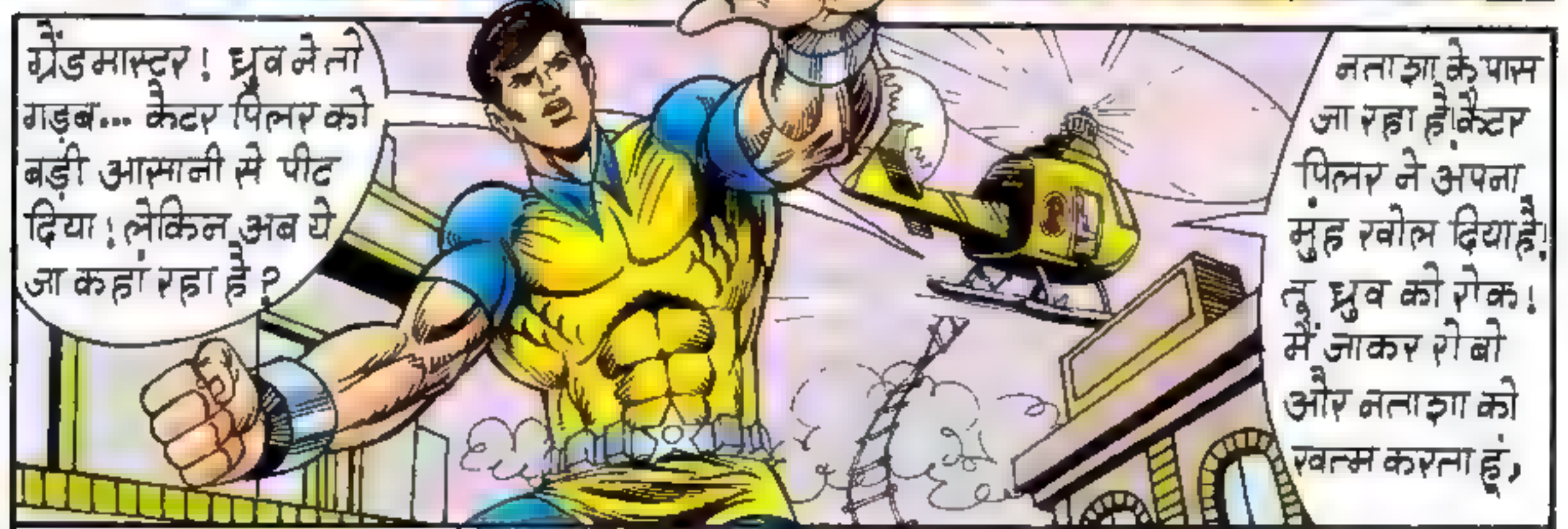
नताशा ने रोबो तक पहुंचने का रास्ता ढूंढ़ लिया था-
इस बाँस को मैंने जांच-परख लिया है! इसके अन्दर कोई बम नहीं है, अब इसके जरिए मैं, पापा तक आराम से पहुंच सकती हूं!
मैं नहीं पहुंचने दूंगा! उधर ध्रुव को फार्मोसा मारेगा, और इधर तुम दोनों को मैं!
ओsss
रोबो को भी अब होश आ रहा था-
आsss ह! यह मैं कहां... नताशा! और...और हेलीकॉप्टर में आईवन है!
नताशा को छोड़ दे कमीने! वार करना है तो मुझ पर कर!
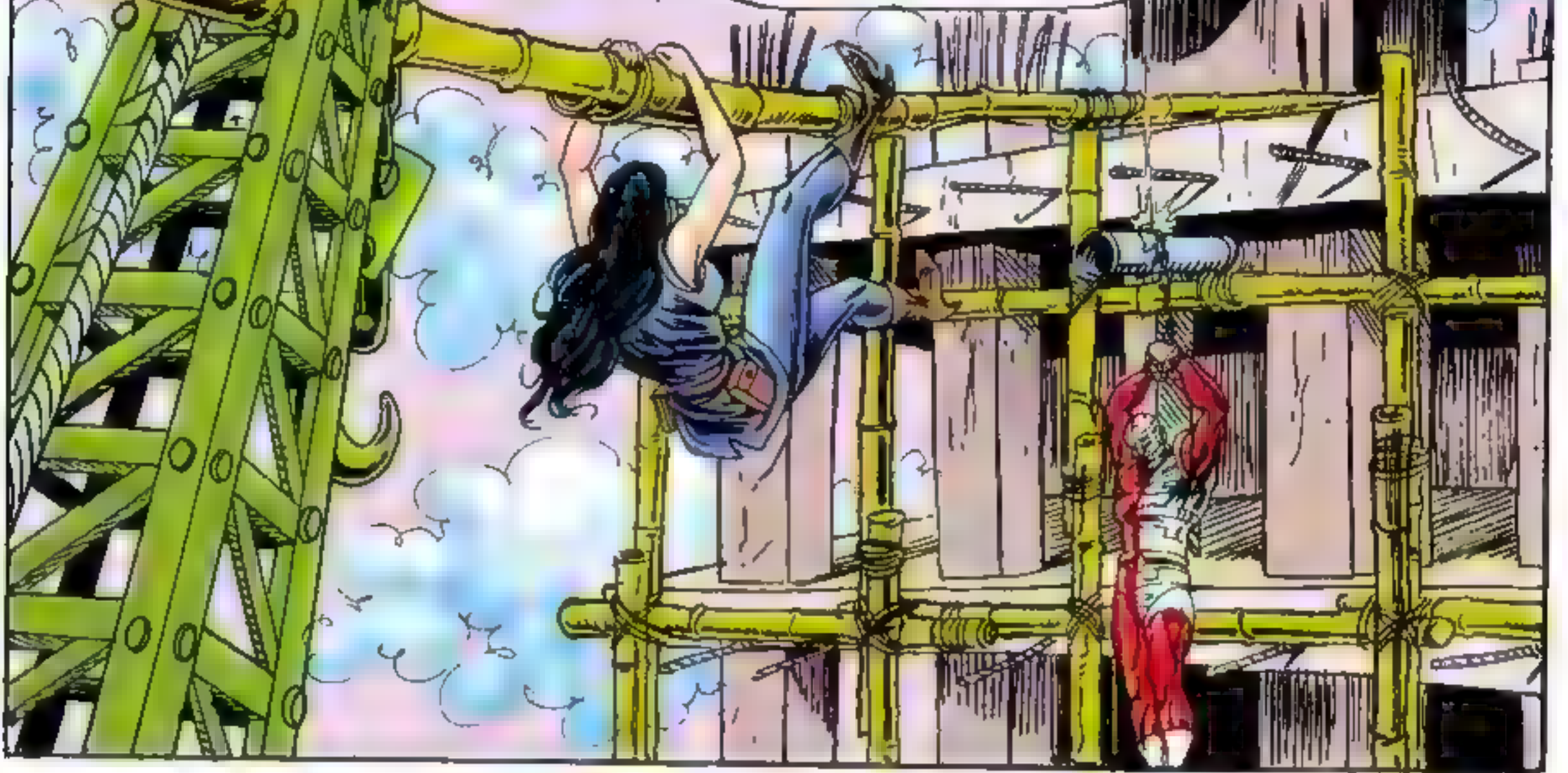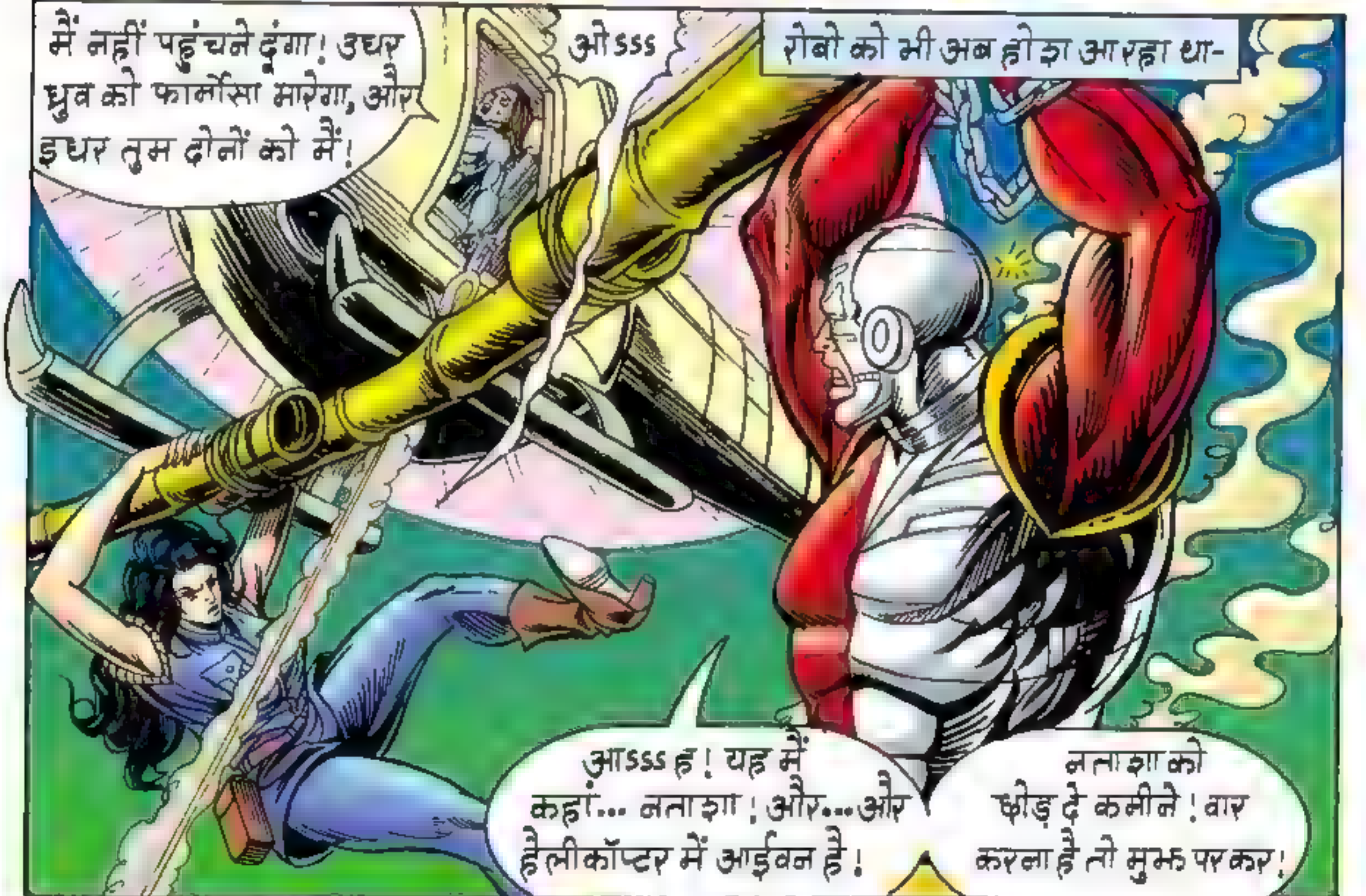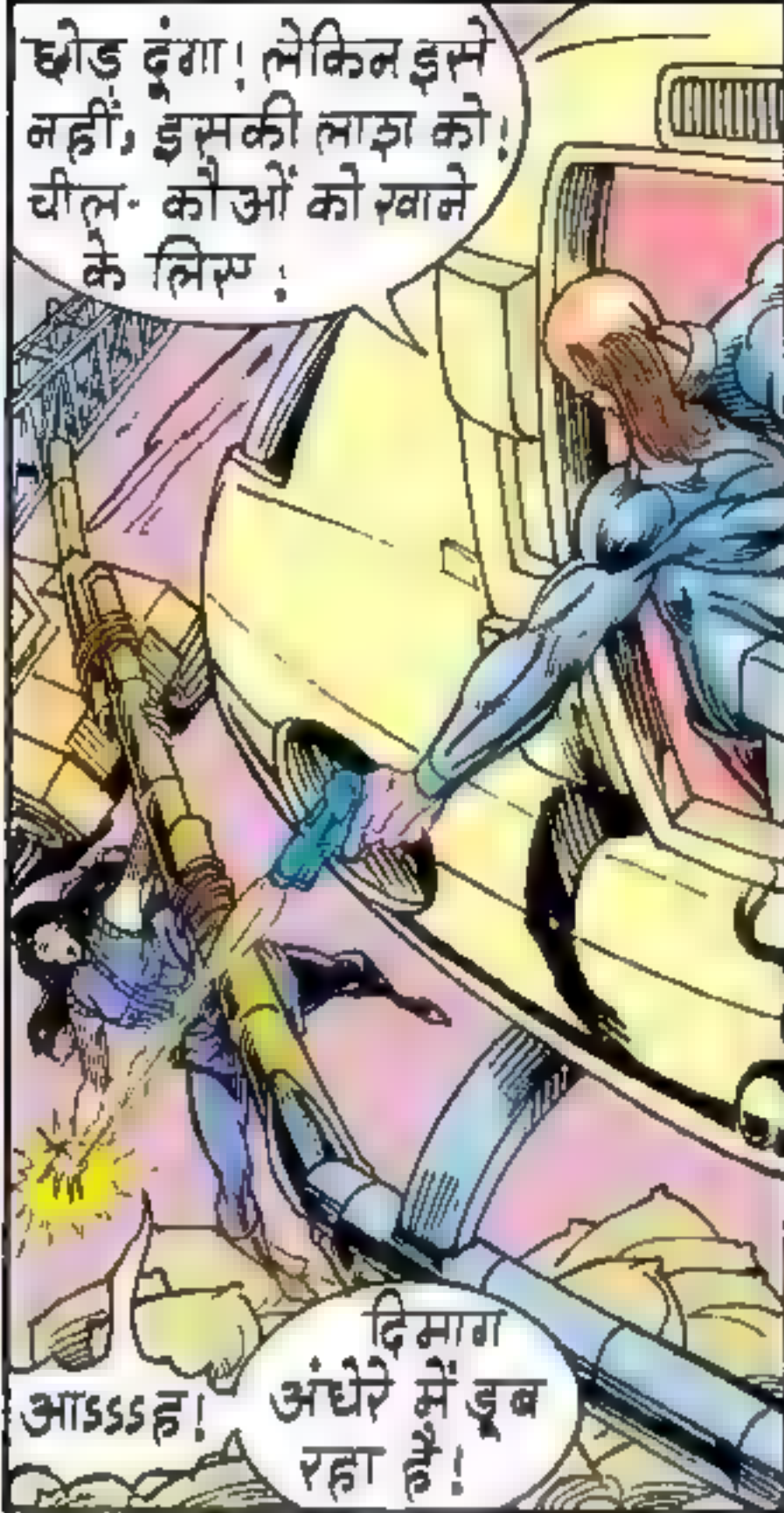
छोड़ दूंगा! लेकिन इसे नहीं, इसकी लाश को! चील- कौओं को खाने के लिए!
आऽऽऽह!
दिमाग अंधेरे में डूब रहा है!
नताशा!
समिड अब तक चेन को गला चुका था, और रोबो आजाद हो चुका था-
नताशा को छेदने के लिए बढ़ती गोलियां, रोबो के धातुई कवच से टकराकर छितरा गईं-
और रोबो की 'लेसर-आई' चमक उठीं-
खाक होने के लिए तैयार हो जा आईवन!
हा हा हा! तू भूल गया कि तेरी 'लेसर आई' बैटरी से चलती है, और तेरी बैटरी चार्ज न होने के कारण लेसर-रे लगभग खत्म हो गई है! ये तो हैलीकॉप्टर तक का फासला तय नहीं कर पाई रोबो!
ओह! अब मुझे पहले नताशा को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना होगा!
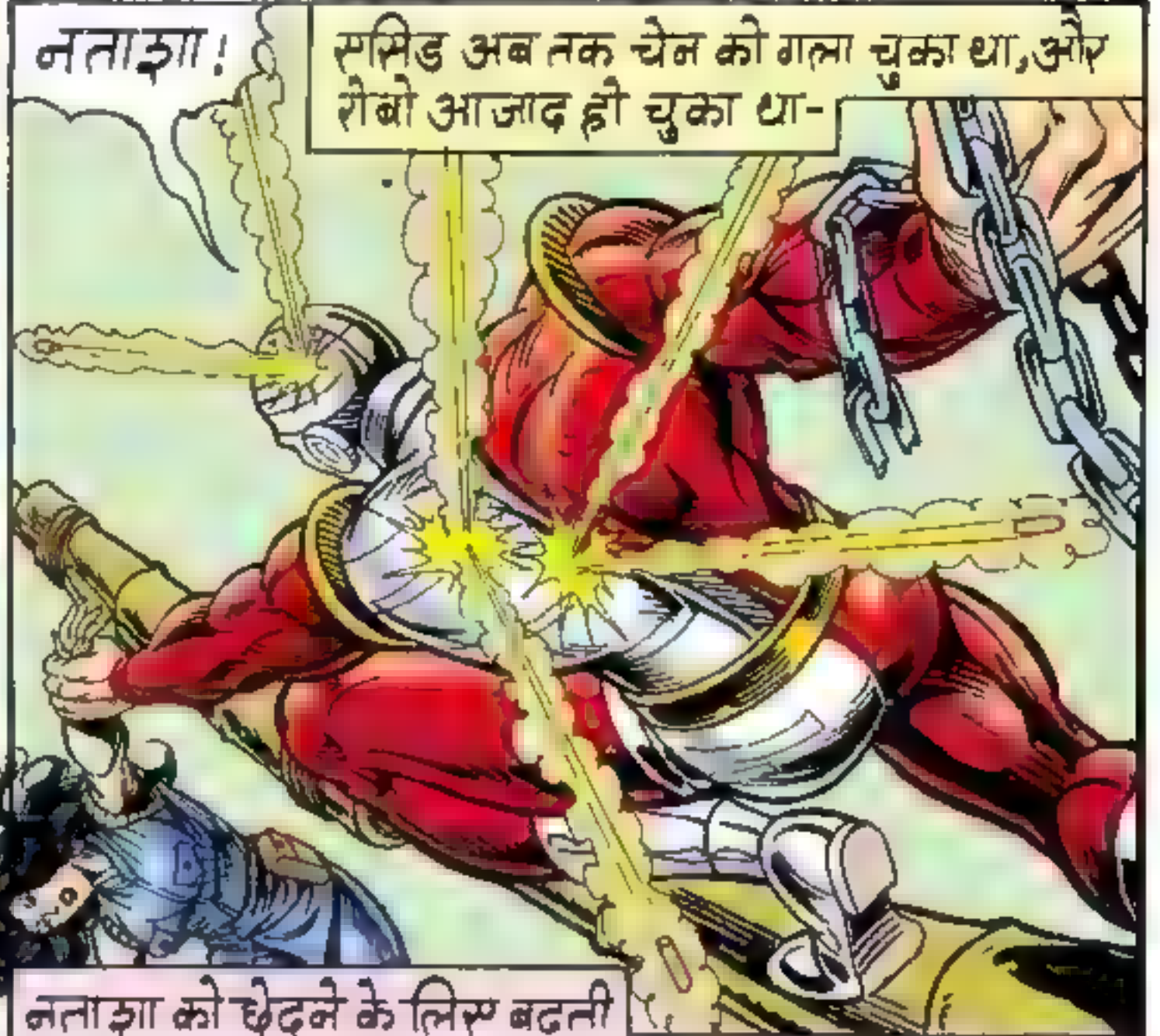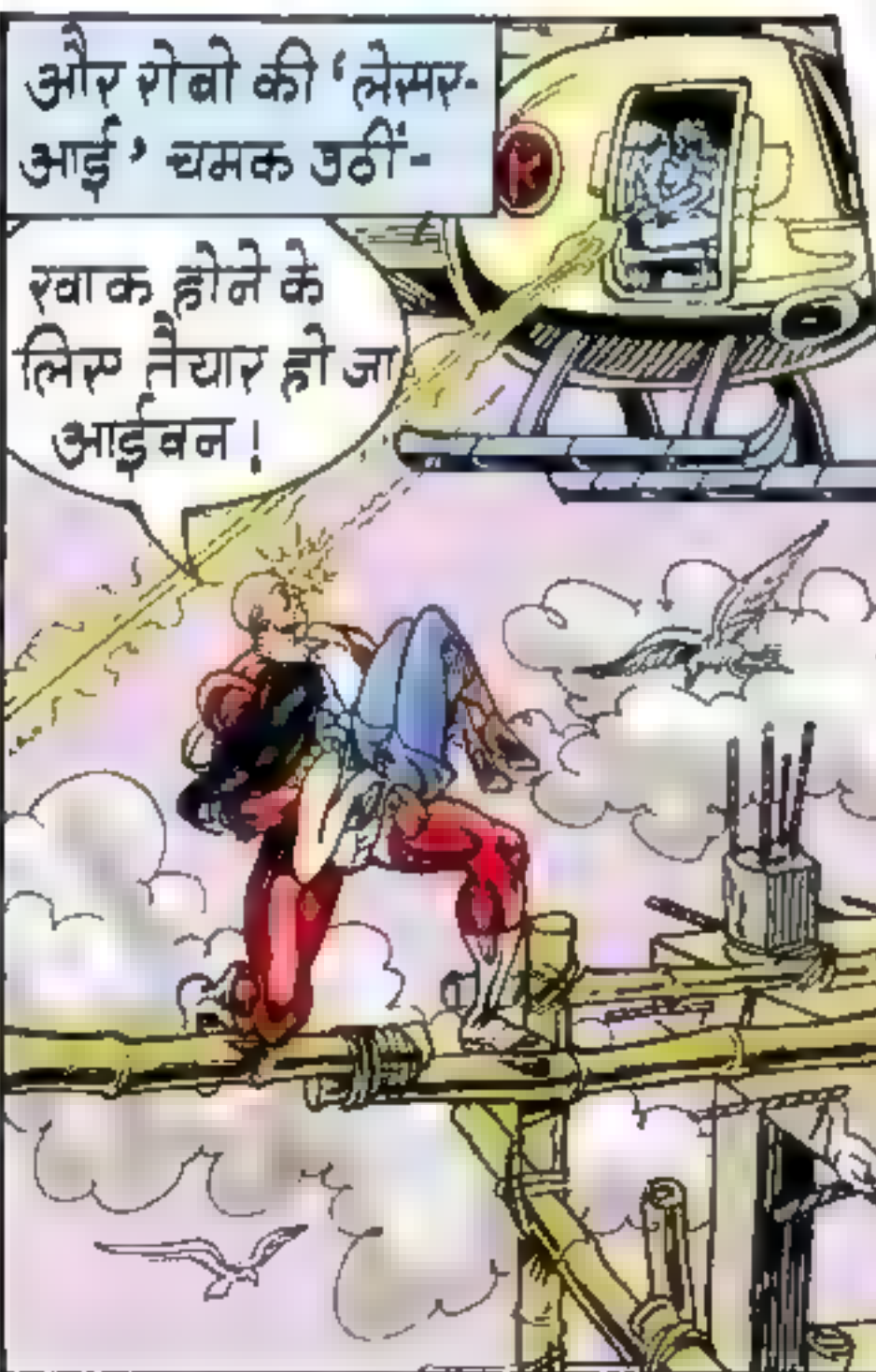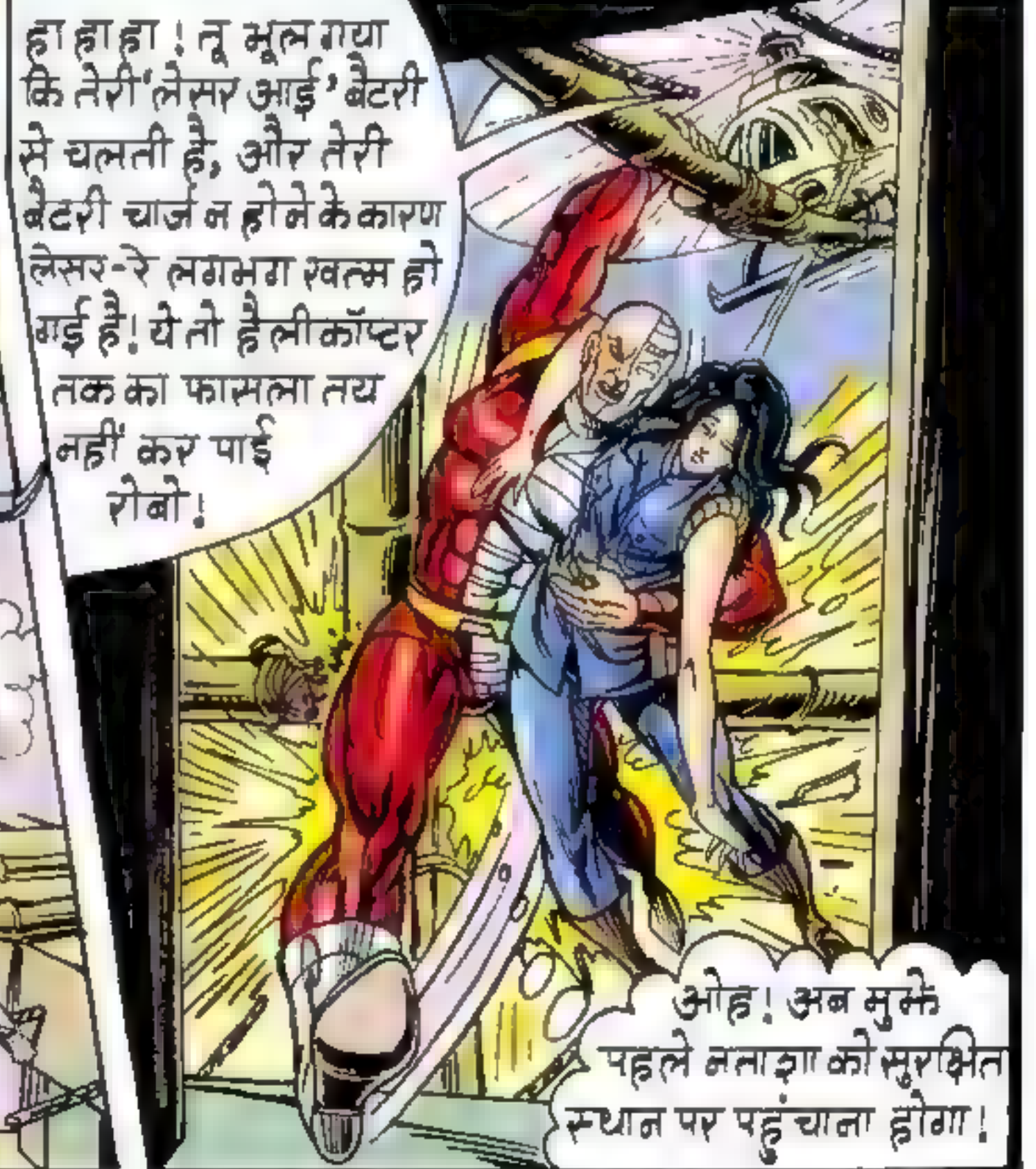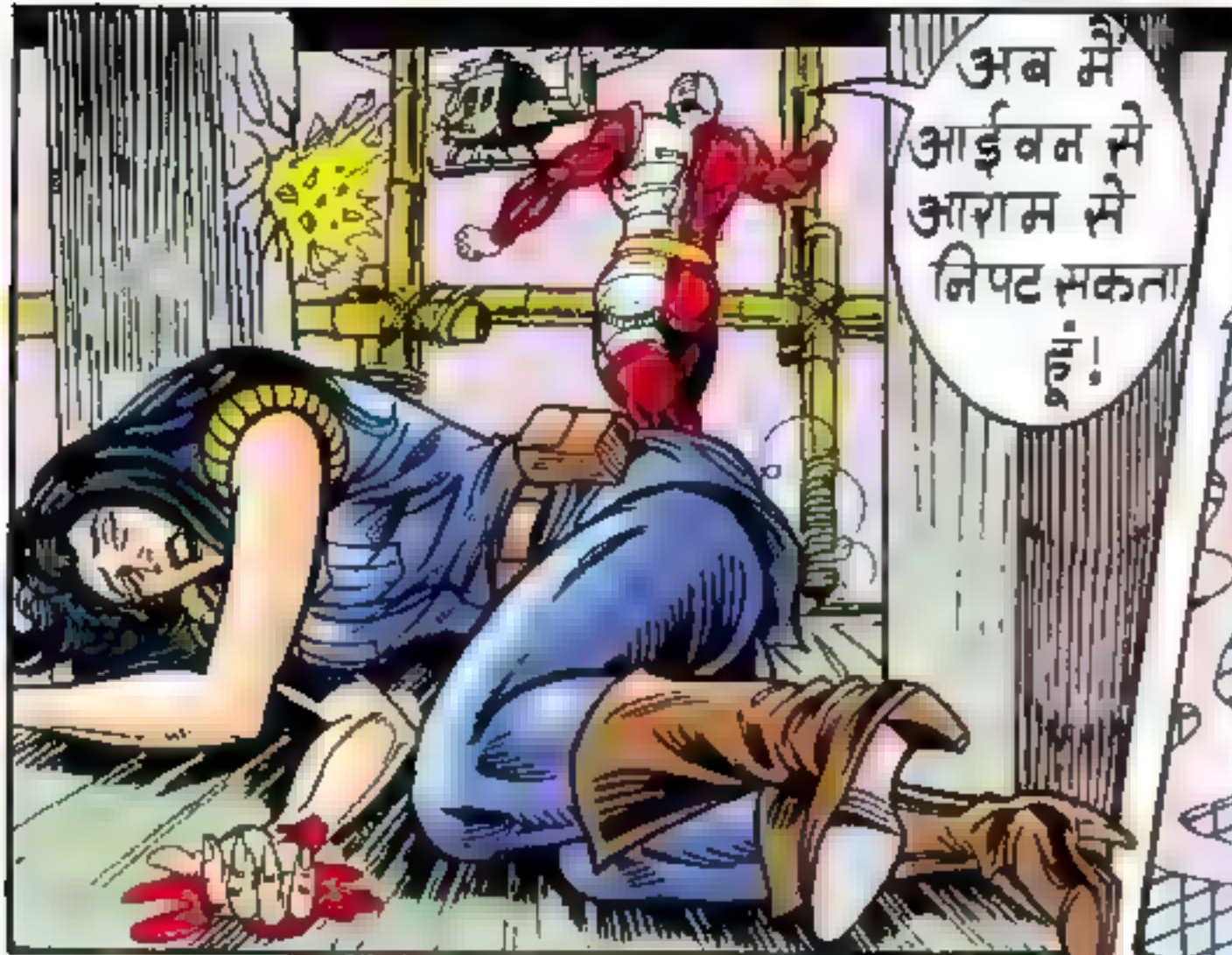
अब मैं आईवन से आराम से निपट सकता हूं!
और पास में ही-
आऽऽऽह! हवा में ये महक कैसी है, जिससे मुझे चक्कर आ रहा है!
ये फार्मोसा की सांस है! जो बेहोशी की दवा की फुहार छोड़ती है! इतनी बार गोलियां लगी मुझे, इतने ऑपरेशन हुए मेरे, और इतनी बार बेहोशी की दवा मुझे ही दी गई कि वह मेरे खून में ही दौड़ने लगी! धीरे-धीरे मैंने इस शक्ति पर नियंत्रण भी पा लिया! अब जब मैं चाहता हूं, तभी मेरी सांसों के साथ बेहोशी की दवा निकलती है!
आऽऽह!
तुम्हारी इस 'शक्ति' का जवाब है मेरे पास! मेरा 'नोज फिल्टर'!
अब तुम्हारे मुंह से निकलती बदबू मेरे होश नहीं छीन पाएगी!
आऽऽऽह!

मैं समझ रहा हूं कि तू मेरा समय खराब करने के लिए आया है! ताकि मैं समय रहते नताशा और रोबो तक न पहुंच सकूं! लेकिन मैं तुझे और समय खराब नहीं करने दूंगा!
तूने पीट-पीटकर मेरा पसीना निकाल दिया है! और जब मेरा ये पसीना कैटर पिलर द्वारा तुझे लगाए गए घावों में से बहते खून से मिलेगा तो पसीने में मौजूद बेहोशी की दवा तेरे शरीर में दौड़ जाएगी!
और तेरा हाल ऑपरेशन के लिए बेहोश किए गए रोगी जैसा हो जाएगा!
और तेरा ऑपरेशन करेगा, फार्मोसा!
ऑपरेशन ध्रुव का नहीं...
...तेरा होगा!
शाला! मेरा मतलब... इवेता!
मैंने मना किया था न...
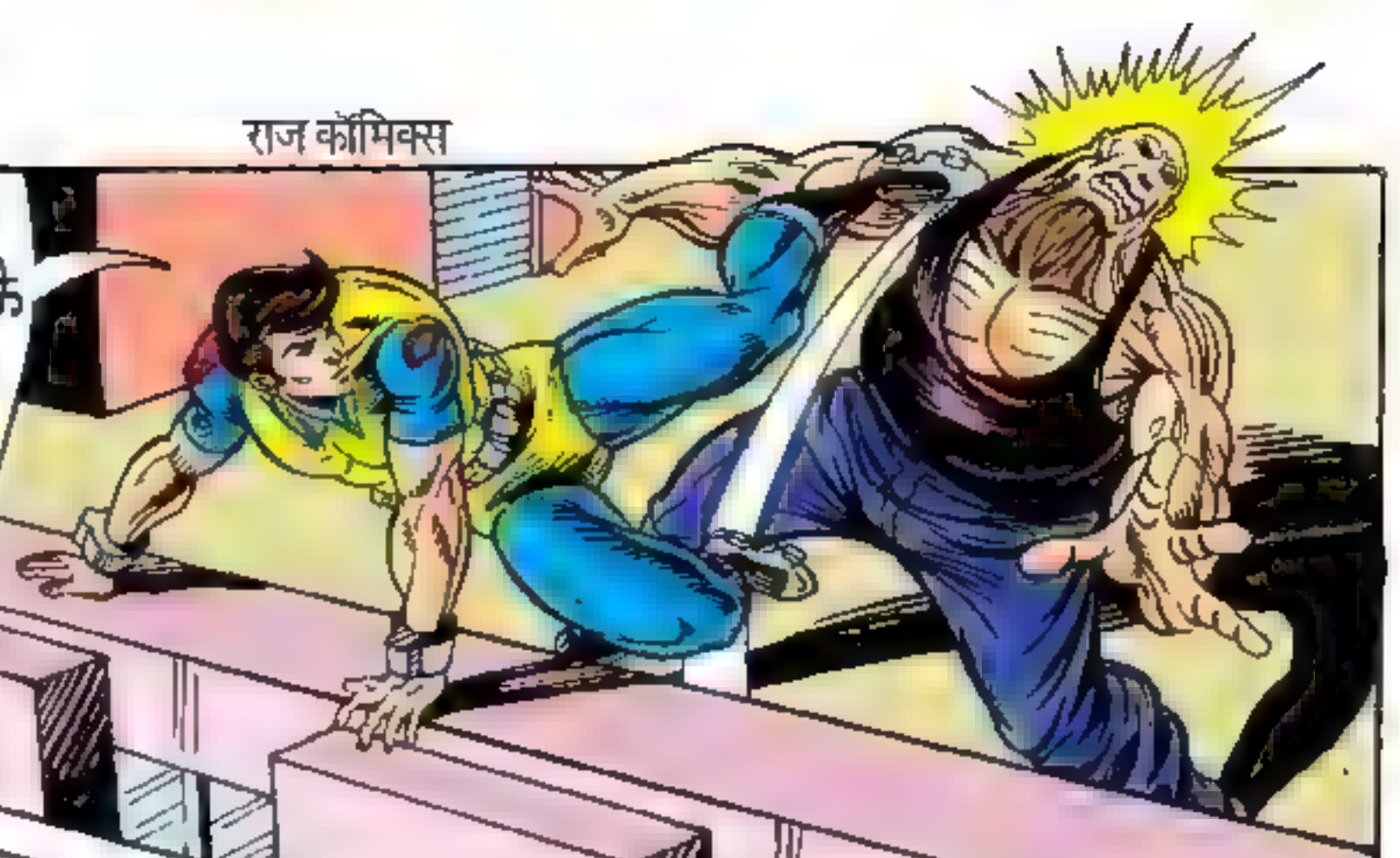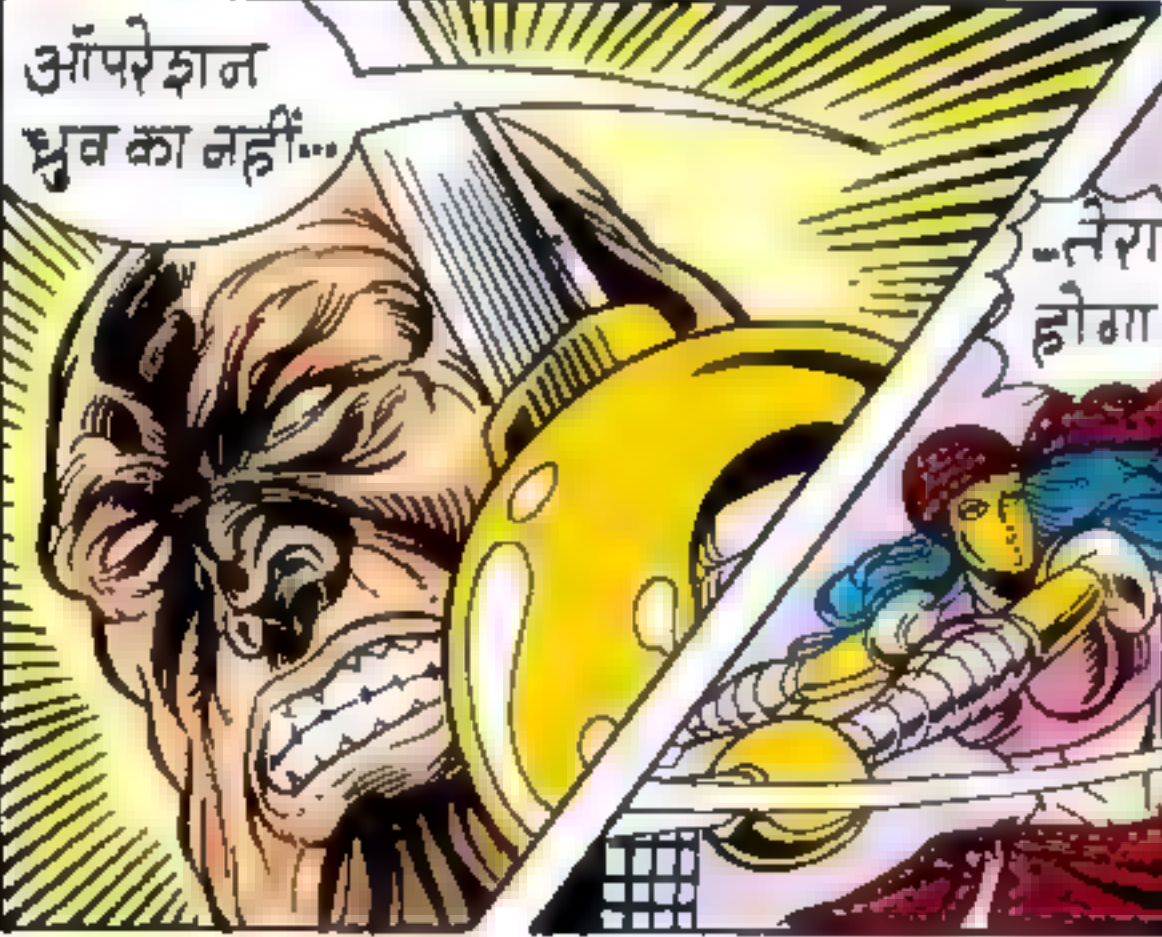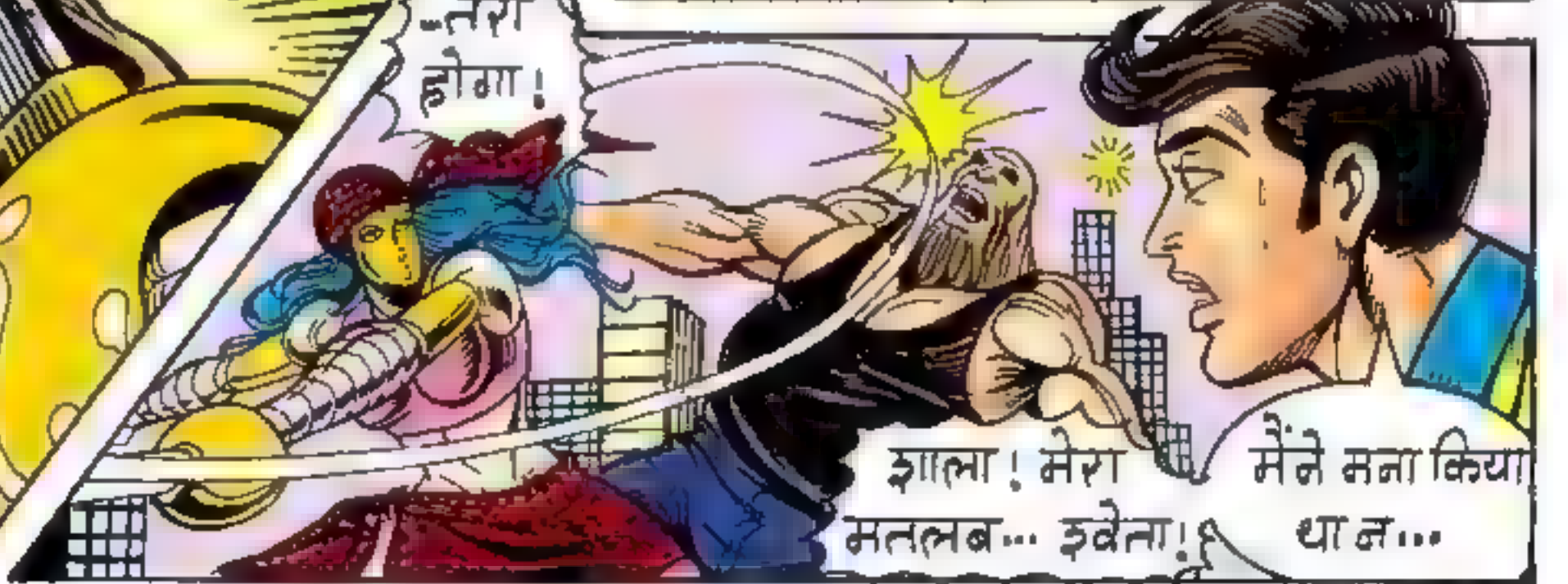
मैं तुमको ये पागलपन और ज्यादा नहीं करने दूंगा! मैं जानता हूं कि तुम मुझे बचाना चाहती हो, लेकिन ये खेल नहीं है! ये सच्चाई है! इसमें जान भी जा सकती है!
आSSSह!
आSSSई!
आज तो मैं भी मान गया कि भगवान होता है! पहली बार, मुझे मारने वाले को वो रोक रहा है, जो खुद भी मुझे मार रहा था! भाग ले बेटा फार्मोसा दुम दबाकर! यही मौका है!
भागता कहां है?
आSSSS! अब तू कौन है, मेरी मां?
श्वेता! त... तुम यहां हो? क... कैसे?
करीम ने मुझे तुम्हारे ट्रांसमीटर की मदद से तुम्हारी स्थिति को बताया, और मैं तुम्हारा शक दूर करने चली आई!
पर... अगर तुम शाला नहीं हो तो ये शाला है कौन?
यही तो मुझे जानना है!

म... मैं कहां हूं?

कहां हूं! अरे, तुम हो कौन ये तो बताओ! शकल तो दिखाओ!

मॉस्क हटते ही-

नताशा! त... तुम शाला हो! ये क्या चक्कर है? शाला तो तुम्हारे प्लान को चौपट करने वाली लड़की है!

यानी... तुम अपने ही प्लान को चौपट कर रही थी! पर क्यों?

मुझे नहीं पता, मुझे कुछ नहीं पता! ये असंभव है! ऐसा नहीं हो सकता!

लेकिन मुझे पता है नताशा! तुम्हारे दिल ने तुमको ऐसा करने पर मजबूर किया! तुम्हारा दिल ऐसा कभी नहीं चाहता था कि मैं अपराधी बनूं या मुझ पर मुसीबत आए!

इसलिए तुम्हारे अवचेतन मस्तिष्क ने तुमको शाला का रूप धरने पर मजबूर कर दिया!

सच्चाई तो यह है कि हर कदम पर तुम अपने अंदर की छिपी बुराई से लड़ रही थी! शाला के रूप में!
ओह! तभी शाला तो हर षड्यंत्र की जानकारी थी! इफेक्टो के अड्डे के हर रास्ते का पता था! जब भी मैं सोती या बेहोश होती तो अचेत अवस्था में शाला का रूप धारण कर लेती थी! इसलिए शाला के कपड़े मेरे बेडरूम में थे!
ये तो समझे! लेकिन मैं बीच में कहां से फंस गई?
ये रहस्य ये कमीना खोलेगा! आईवन का चमचा फार्मोसा!
म... मुझे माफ कर दीजिए मैडम! आईवन ने मुझे बहका दिया था।
वह शाला के रूप में ध्रुव की बहन को लाना चाहता था, ताकि आप गुस्से में श्वेता को मार दें, और ध्रुव आपका दुश्मन बनकर आपका सफाया कर दे! और आईवन ग्रैंड मास्टर बन जाए!
इसलिए उसने बीकाल को भेजा, और पीछे-पीछे एक लड़की को शाला बनाकर भेज दिया! बीकाल ने उस नकली शाला को मोम से ढक दिया, और हमने उसको हैलीकॉप्टर द्वारा उठा लिया!
इस दौरान हमारे आदमी ध्रुव के घर में घुसकर बेहोशी की गैस की मदद से श्वेता को उठा चुके थे! हमने उसको शाला के कपड़े पहना कर उस पर मोम की पर्त चढ़ाकर उसको आपके सामने पेश कर दिया! हमको क्या पता था कि श्वेता आपकी सहेली है! लेकिन काम तो फिर भी हो गया था! आप अपने आप ही पश्चाताप के कारण आईवन के रास्ते से हट गईं, और वह रोबो सर को कब्जे में करके ग्रैंड मास्टर बन गया!
रोबो! ओ, पापा तो अब तक वहीं हैं!
आईवन ने न जाने उनका क्या हाल कर दिया होगा!
रोबो कहां है, नताशा?
मेरे साथ आओ!
श्वेता! तुम मेरे स्टार ट्रांसमीटर पर पुलिस को खबर कर दो!
और इस फार्मोसा को उनके हवाले कर दो! फिर सीधे घर जाना!

पास में ही-
अब तू नहीं बचेगा रोबो!
मैं पूरी ईमारत को ही गिरा दूंगा!
गलत, आईवल!
अब तू नहीं बचेगा! मैं तुझे गिरा दूंगी!
ओऽsss! तो तुम शाला भी थीं! धोखेबाज! तेरा तो मरजाना ही ठीक है!
हमारे पास ऐसा कोई हथियार नहीं है नताशा, जो हैलीकॉप्टर तक पहुंच सके! मेरी 'लेसर-आईरे' भी क्षीण हो चुकी हैं! दस फुट से ज्यादा का फासला पार नहीं कर पा रही हैं!
तो फिर हमको हैलीकॉप्टर से दस फुट की दूरी तक पहुंचना होगा!
रुक जाओ नताशा! गुस्से में ऐसा कोई काम मत करना जो तुमको फिर से अपराध जगत में ले जाए!
ये मौका खो दिया तो शायद फिर तुम्हारा सभ्य जगत में दुबारा आना मुश्किल होगा!
दौड़ो, पापा!
मैं समझ गया नताशा!
समझ गया! अब तुम...
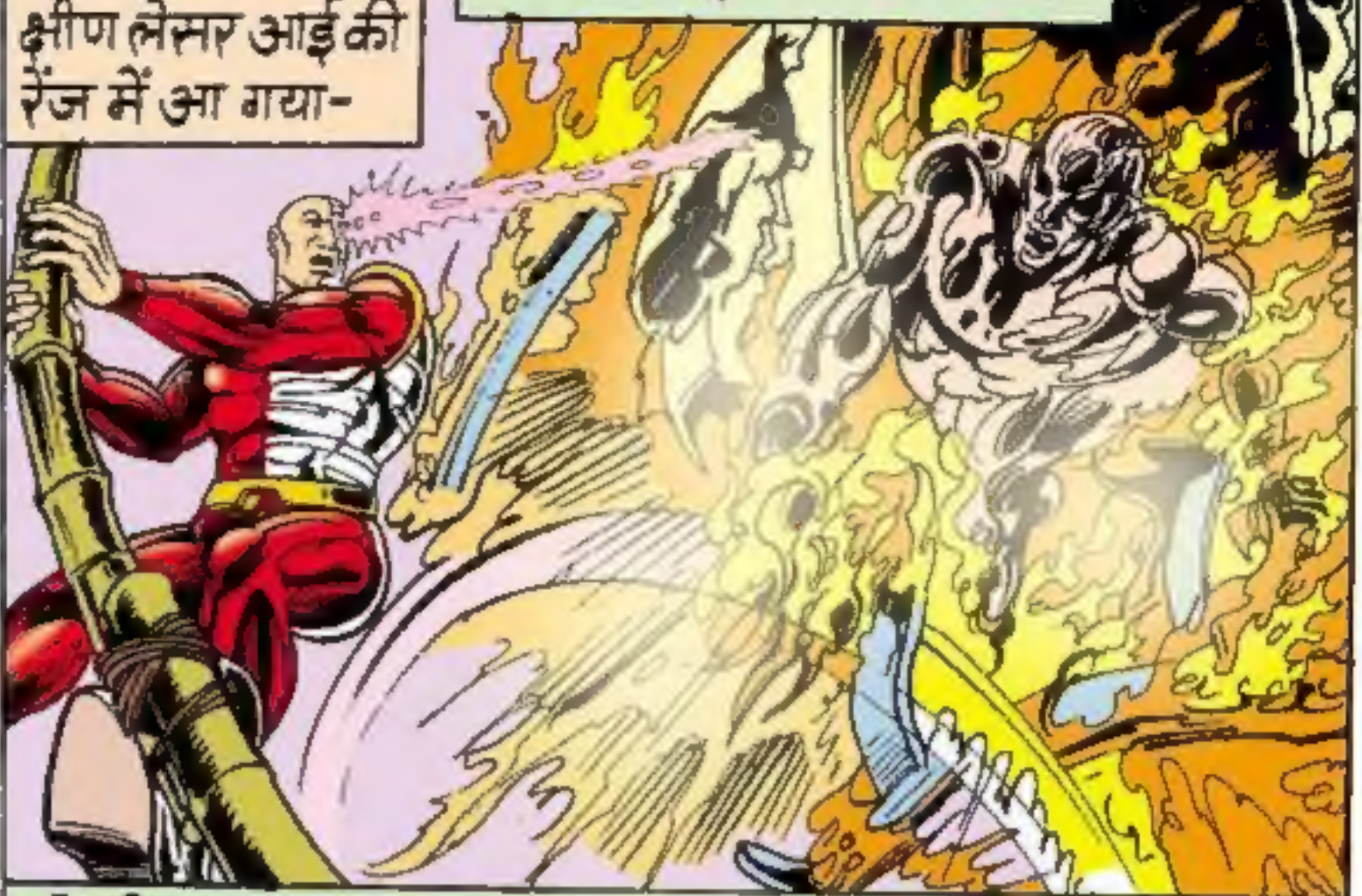
...हट जाओ!
और हैलीकॉप्टर क्षीण लेसर आई की रेंज में आ गया-
लेसर रे, फ्यूल टैंक से टकराई-
और हैलीकॉप्टर के साथ-साथ आईवन के भी चिथड़े उड़ गए-
बांसों का 'पोलवॉल्ट' के पोल की तरफ इस्तेमाल करते हुए रोबो का शरीर हैलीकॉप्टर के नजदीक पहुंचा-
तुम अपनी दुनिया में वापस जाओ नताशा! इस दुनिया को मैं संभालूंगा!
आओ, नताशा! एक नई जिन्दगी तुम्हारा इंतजार कर रही है!
चलो, ध्रुव!
समाप्त.